04 - 90 वर्ष की रिजर्व बैंक पर उम्मीदों का बोझ

05 - बीजेपीः नए चेहरों को बिसात पर रुहेलखंड किले को बचाने की कवायद

A Daily News Magazine

भोपाल

शुक्रवार, 05 अप्रैल, 2024

06- मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की उपस्थिति में श्री उइके ने भरा चौथा नामांकन

07- डॉ. जितेन्द्र शर्मा- द मेड-टेक मैन ऑफ इंडिया

भोपाल एवं इंदौर से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 21 अंक 208 नगर संस्करण, पृष्ठ -8, मूल्य रू.- 2 (डाक पंजीयन संख्याः म.प्र./भोपाल/4-391/2018-20)

प्रसंगवश

'पार्टी सोसायटी' से 'बाहुबली' सोसायटी तक बंगाल बदला, पर शासन नहीं

सान्या ढींगरा

2019 में, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सुप्रीमो ममता बनर्जी ने अपनी पार्टी के कार्यकर्ताओं के लिए एक आदेश जारी कियाः सरकारी योजनाओं से लिया गया 'कट मनी' (कमीशन के लिए प्रयोग किया जाने वाला शब्द) वापस करें, या जेल जाएं। ममता ने मृतकों के दाह संस्कार के लिए धन प्रदान करने वाली योजना के तहत ली जाने वाली 'कट मनी' का जिक्र करते हुए कहा, 'यहां तक कि मृतकों को भी नहीं बख्शा जाता है। मैं अपनी पार्टी में चोरों को नहीं रखना चाहती।'

जल्द ही, कल्याणकारी योजनाओं को लागू करने के लिए लिए गए पैसे वापस करने के लिए टीएमसी नेताओं, खासकर जिलों में निचले स्तर के नेताओं पर हमला किया गया और उनका घेराव किया गया। उनमें से कई अपने गांव छोड़कर भाग गए। लोकसभा चुनाव के नतीजे आने के कुछ दिनों बाद, ममता द्वारा दिया गया यह बयान रणनीतिक था। यह एक मास्टरस्ट्रोक था, जिसकी योजना कथित तौर पर राजनीतिक रणनीतिकार प्रशांत किशोर ने बनाई थी ताकि बंगाल में गहरी जड़ें जमा चुकी जबरन वसूली की संस्कृति से ममता खुद को दूर कर सकें और जनता के बीच पनप रहे असंतोष को शांत किया जा सके। योजना सफल हो गई, क्योंकि 'कट मनी' का नैरेटिव धीरे-धीरे खत्म हो गया।

पांच साल बाद लोकसभा चुनाव कुछ ही हफ्ते दूर हैं, टीएमसी फिर से मुश्किल में है। बांग्लादेश सीमा के पास लोगों की जानकारी से दूर और अलग-थलग सी जगह संदेशखाली में जमीन हड़पने और यौन उत्पीड़न किए जाने के गंभीर आरोपों ने ममता को परेशान कर दिया है। बंगाल के लोगों के लिए, संदेशखाली एक ऐसे राजनीतिक और आर्थिक व्यवस्था का प्रतीक है, जो कि टीएमसी के 13 सालों के शासनकाल के दौरान बेहतर तरीके स्थापित हुआ है और जो ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों में समान रूप से दिखता है।

जैसा कि कोलकाता स्थित एक व्यवसायी कहते हैं, 'तोलाबाज़ी' (पार्टी के नेतृत्व वाला भ्रष्टाचार) की व्यवस्था पीढ़ियों से चली आ रही है - जिसे वे आर्थिक संस्कृति के हिस्से के रूप में स्वीकार करते आए हैं, चाहे कोई भी पार्टी सत्ता में हो। 'हमारे लिए, यह 'जेमॉन ठाकुर, ओमनी फुल' जैसा है (मोटे तौर पर हर किसी की अपनी मांग के अनुसार फिट बैठता है)।' लोकप्रिय रूप से पश्चिम बंगाल को 'पार्टी आधारित समाज' के रूप में माना जाता है, जहां सरकारी योजनाओं और नौकरी देने से लेकर दुर्गा पूजा और विवाह के आयोजन तक सब कुछ पार्टी कार्यकर्ताओं के माध्यम से किया जाता है।

2022 में, जब तृणमूल के बीरभूम के कद्दावर नेता अणुब्रत मंडल को करोड़ों रुपये के पशु तस्करी रैकेट के सिलसिले में गिरफ्तार किया गया था, तो सिउरी में ग्रामीणों ने जो पहला परिवर्तन देखा था वह था 'टोल टैक्स कार्यालय' को बंद किया जाना। सिउरी के एक पत्रकार का कहना है, 'लगभग रातों-रात, टोल टैक्स कार्यालय गायब हो गए। हर ड्राइवर से उम्मीद की जाती थी कि वह हर बार टोल बूथ पार करने पर 20 रुपये का भुगतान करेगाज कोई नहीं जानता था कि टोल टैक्स सरकार द्वारा चला जा रहा था या नहीं, लेकिन यह हर किसी ने स्वीकार कर लिया गया था कि हर किसी को भुगतान करना होगा- कोई भी इस पर सवाल नहीं उठा सकता था।' 'टोल टैक्स' टीएमसी जिला अध्यक्ष और कहें तो बीरभूम में पार्टी द्वारा चलाए जा रहे 'सिस्टम' का एक उदाहरण था।

भाजपा के राज्य महासचिव जगन्नाथ चट्टोपाध्याय कहते हैं, 'बीरभूम में मंडल की मंजूरी के बिना कुछ भी नहीं हो सकता था-वह बीरभूम के शेख शाहजहां की तरह थे। पार्टी, पुलिस, रियल एस्टेट, चुनाव, सरकारी योजनाएं, कॉन्ट्रैक्ट्स - सब कुछ उन्हीं के द्वारा नियंत्रित किया जाता था।'

मयूरेश्वर उपमंडल के मुस्लिम बहुल गांव के एक स्थानीय दुकानदार का कहना है, 'हम राशन योजना से लेकर आवास योजना और शौचालय बनाने तक हर चीज के लिए टीएमसी कार्यकर्ताओं को अतिरिक्त पैसे देते हैं। स्थानीय निवासियों का कहना है कि उज्वला और प्रधानमंत्री आवास योजना से लेकर स्वच्छ भारत मिशन-ग्रामीण और महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (एमजीएनआरईजीएस) तक, गांवों में हर योजना के कार्यान्वयन के लिए 'कट मनी' की मांग की जाती है। हालांकि मनरेगा मजदूरी उनके खातों में ट्रांसफर की जाती है, लेकिन टीएमसी नेता उन्हें एटीएम से पैसे निकालकर उन्हें उनका 'कट' देने की हिदायत देते हैं।'

बीरभूम के लोगों की शिकायतें – पंचायतों के माध्यम से स्थानीय संसाधनों पर नियंत्रण, सरकारी योजनाओं का लाभ उठाने के लिए 'कट मनी' देने की मजबूरी, चुनावों में धांधली के आरोप और एक शक्तिशाली स्थानीय बाहुबली का होना- बंगाल में टीएमसी शासन के एक सामान्य पैटर्न की ओर इशारा करता है। लेकिन तृणमूल द्वारा चलाए जा रहे इस 'सिस्टम' को समझने के लिए, इसके बारीकी को समझना होगा, जो राज्य में वाम मोर्चा के 34 साल के शासन में सामने आया था।

लेकिन जैसा कि अर्थशास्त्री सुमन नाथ लिखते हैं, 'टीएमसी लोगों को अपेक्षाकृत तेज़ी से चीजें पहुंचा सकती है, अक्सर भ्रष्ट तरीकों का इस्तेमाल करके। फिर भी, सेवाओं की त्वरित और सुनिश्चित डिलीवरी के कारण, एक बड़ा वर्ग इस तंत्र को मंजूरी देता है।'

इसके अलावा, ये ताकतवर लोग ऐसे राज्य में जहां औद्योगिक गिरावट हो रही है, वहां अनौपचारिक अर्थव्यवस्था में मुख्य रोजगार और संरक्षण देने वाले हैं।

यह 'सिस्टम'– जिसे प्रोफेसर भट्टाचार्य 'फ्रैंचाइज़ी राजनीति' कहते हैं, यानी जिसके तहत, स्थानीय नेता अपनी 'सेवाओं' के बदले में ममता के नाम से अपनी 'फ्रैंचाइज़ी' चलाते हैं - मुख्य रूप से 'सिंडिकेट सिस्टम' और 'कट मनी' के आधार पर कार्य करता है। वाम मोर्चा शासन का एक अवशेष, सिंडिकेट स्थानीय बेरोजगार युवाओं को बिल्डरों और रियल-एस्टेट डेवलपर्स को कॉन्स्ट्रक्शन मटीरियल की आपूर्ति के माध्यम से कुछ कमाई प्रदान करने के उद्देश्य से आया था। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में, वे चमत्कारिक रूप से संगठित जबरन वसूली करने वाले रैकेट के रूप में बदल गए हैं। मार्च में, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नादिया के कृष्णानगर में एक सार्वजनिक बैठक में टीएमसी की 'तोलाबाजी' का मुद्दा उठाया।

उन्होंने कहा, 'टीएमसी की 'तोलाबाजी' राजनीति सब कुछ तय करती है। उनके नेता हर चीज में कटौती चाहते हैं। बंगाल में मनरेगा में करीब 25 लाख फर्जी जॉब कार्ड बनाये गये। यहां तक कि जिनका अभी जन्म भी नहीं हुआ है उनके नाम पर भी जॉब कार्ड हैं। टीएमसी के 'तोलाबाज़' नेताओं ने लोगों का पैसा लूटा।' टीएमसी के राज्यसभा सांसद जवाहर सरकार का कहना है कि यह सिंडिकेट प्रणाली और स्थानीय 'दादागिरी' (धमकी), जिसे लोग बंगाल से जोड़ते हैं, मार्क्सवादी शासन के तहत स्थापित हो गई।

(दि प्रिंट हिंदी में प्रकाशित लेख के संपादित अंश)

सुबह सवेरे

subahsaverenews@gmail.com

facebook.com/subahsaverenews

www.subahsavere.news

twitter.com/subahsaverenews

सुप्रभात

अरसे बाद एक ग़ज़ल पेशे खिदमत है –

अजब हाल उनका, दशा है निराली,
पिये जा रहे हैं मगर जाम ख़ाली ।
नहीं फ़र्क़ कोई भी उनकी नज़र में,
मोहब्बत से बोलो कि दो कोई गाली।
उजाले भी तक़सीम यूँ हो रहे हैं,
इधर दिन ही दिन है, उधर रात काली।
बड़े प्यार से गुफ़्तगू हो रही है,
सरेआम सीने पे रख के दुनाली।
हवा हो गई मानो रिश्तों से खुशबू,
न अब ईद मीठी, न रौशन दिवाली ।
कभी तो लगे है कि है साँस बाक़ी,
कभी शक कि शायद किसी ने चुरा ली।

– आलोक त्यागी

पाक और चीन का काल है अग्नि 'प्राइम' मिसाइल

रात में किया सफल परीक्षण, डीआरडीओ अधिकारी रहे मौजूद

मिसाइल के परीक्षण से पहले सूंघने पहुंचा था ड्रैगन का जासूस

इस्लामाबाद/नई दिल्ली/बीजिंग (एजेंसी)। भारतीय सेना के रणनीतिक फोर्स कमांड ने नई पीढ़ी की बलिस्टिक मिसाइल अग्नि प्राइम का रात के समय सफल परीक्षण किया है। इस दौरान ओडिसा तट पर डीआरडीओ के भी अधिकारी मौजूद थे। बताया जा रहा है कि यह परीक्षण सफल रहा और रास्ते में कई जहाजों ने इसकी निगरानी भी की। परमाणु बम गिराने में सक्षम यह मिसाइल भारत की सबसे आधुनिक मिसाइलों में से एक है। इसे अग्नि सीरिज की पुरानी पड़ चुकी अन्य मिसाइलों को हटाने के लिए बनाया जा रहा है। इससे पहले भारत ने अग्नि-5 मिसाइल का टेस्ट किया था जो एक साथ कई परमाणु बम ले जाने में सक्षम है। भारत की इन मिसाइलों की टेस्टिंग को देखते हुए चीन ने अपने कई जासूसी जहाज हिंद महासागर में तैनात किए हैं। अग्नि प्राइम मिसाइल के अंदर एक ऐसी नई तकनीक लगाई गई है जो ज्यादा सटीकता से हमला करने में सक्षम है। यही नहीं इससे इसे एयर डिफेंस सिस्टम से मार गिराना भी आसान नहीं है। इस मिसाइल की रेंज 1000 से 2000 किमी तक है जो पूरे पाकिस्तान में कहीं भी परमाणु तबाही मचाने की क्षमता रखती है। विशेषज्ञों का कहना है कि इस अग्नि पी मिसाइल को पृथ्वी, अग्नि 1 और अग्नि 2 परमाणु मिसाइलों से रिप्लेस करने के लिए बनाया गया था।

लोकसभा चुनाव से पहले नवनीत राणा को मिली 'सुप्रीम' राहत

कास्ट सर्टिफिकेट मामले में बॉम्बे हाईकोर्ट का फैसला पलटा

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा चुनावों से पहले अमरावती से सिटिंग सांसद और बीजेपी कैंडीडेट नवनीत राणा को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। सुप्रीम कोर्ट ने 2021 के बॉम्बे हाई कोर्ट के फैसले को रद्द कर दिया। मामला नवनीत राणा के अनुसूचित जाति प्रमाण पत्र से जुड़ा है। जिसे हाई कोर्ट ने जाली बताते हुए रद्द कर दिया था और दो लाख का जुर्माना लगाया था। हाई कोर्ट के फैसले के बाद उनकी सांसदी खतरे में आ गई थी। दरअसल, नवनीत राणा महाराष्ट्र की अमरावती लोकसभा सीट से सांसद हैं। यह सीट अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित है। 2021 में बॉम्बे हाई कोर्ट में यह याचिका डाली गई कि नवनीत ने जाली दस्तावेजों के आधार पर चुनाव लड़ा और जीता। मामले में सुनवाई करते हुए बॉम्बे हाई कोर्ट ने भी माना कि नवनीत राणा ने जाली जाति प्रमाण पत्रों के बल पर चुनाव लड़ा था। इसलिए उनका जाति प्रमाण पत्र रद्द कर दिया गया। हाई कोर्ट के फैसले के बाद उनका मोची जाति प्रमाण पत्र अमान्य करार दिया गया। इस फैसले के खिलाफ नवनीत राणा ने सुप्रीम कोर्ट में अपील दायर की। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को नवनीत राणा को बड़ी राहत दी और बॉम्बे हाई कोर्ट का फैसले को पलट दिया। इससे नवनीत राणा के जाति प्रमाण पत्र को भी हरी झंडी मिल गई है। बता दें कि नवनीत राणा एक बार फिर अमरावती की आरक्षित सीट से चुनाव लड़ रही हैं। इस बार बीजेपी ने उन्हें चुनावी मैदान पर उतारा है।

संदेशखाली के दोषियों को मोदी सजा दिलवाकर ही रहेगा

कूचबिहार में पीएम मोदी ने कहा-उनकी बाकी जिंदगी जेल में कटेगी

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के कूच बिहार की चुनावी सभा में पीएम मोदी ने कहा- संदेशखाली के दोषियों को मोदी सजा दिलवाकर ही रहेगा। उनकी बाकी जिंदगी जेल में ही कटेगी। ये पूरे देश का चुनाव है। ये देश को दुनिया की तीसरी बड़ी आर्थिक ताकत बनाने का चुनाव है। इसलिए दिल्ली में कमजोर नहीं, मजबूत सरकार जरूरी है। आप बताइए, क्या देश को दुनिया की तीसरी बड़ी आर्थिक शक्ति बनाना चाहिए या नहीं। हमें देश की सरकार, मजबूत सरकार और काम करने वाली सरकार बनानी है। आजादी के बाद देश में 6-7 दशक में लोगों ने केंद्र में सिर्फ कांग्रेस का मॉडल देखा। आज दुनिया कहती है कि मोदी मजबूत नेता है, बड़े फैसले लेने वाला नेता है। मैं विनम्रता से कहना चाहता हूं कि मोदी भारत की जनता-जनार्दन का सेवक है। मोदी बड़े फैसले लेता है, क्योंकि उसे 140 करोड़ भारतीयों के सपने पूरे करने हैं। इसलिए मोदी की गारंटी है। आपका सपना ही मोदी का संकल्प है। मोदी ने गरीब को हक दिया और गरीबों को लूटने वालों के खिलाफ बड़े फैसले लिए, ताकि देश भ्रष्टाचार मुक्त हो।

दिल्ली जल बोर्ड केस

पूर्व इंजीनियर और कॉन्ट्रेक्टर दिल्ली की ईडी कोर्ट में हुए पेश

- अदालत ने ईडी को दिया निर्देश-सभी आरोपियों को चार्जशीट की कॉपी दी जाए

नई दिल्ली (एजेंसी)। जल बोर्ड मनी लॉन्ड्रिंग केस में गुरुवार कोर्ट में पूर्व चीफ इंजीनियर और कॉन्ट्रेक्टर को पेश किया गया। अदालत ने प्रवर्तन निदेशालय को आदेश दिया कि वो सभी आरोपियों को चार्जशीट की कॉपी दे। जल बोर्ड के पूर्व चीफ इंजीनियर जगदीश आरोड़ा और कॉन्ट्रेक्टर अनिल अग्रवाल अभी ज्यूडिशियल कस्टडी में हैं। इनके अलावा एक अन्य आरोपी तेजिंदर सिंह को भी अदालत में पेश किया गया। चौथे आरोपी पूर्व जनरल मैनेजर डीके मित्तल ने अदालत में अर्जी दी कि उन्हें आज पेश होने से छूट दे दी जाए।

सीएम मोहन यादव बोले

कश्मीर की बेहतरी के लिए बदली धारा 370

संविधान बदलने के आरोपों पर विपक्ष को जवाब; कहा– लोगों की जिंदगी बदलना हमारा अभियान

भोपाल (नप्र)। केंद्र सरकार पर संविधान बदलने के आरोपों को लेकर सीएम डॉ. मोहन यादव ने विपक्ष को जवाब दिया है। सीएम ने बैतूल रवाना होने से पहले भोपाल में मीडिया से चर्चा में कहा- विपक्ष के लोग कह रहे हैं कि संविधान बदलने की बात कर रहे हैं। संविधान में अगर 370 जैसी गलत धारा थी, उसे बदलना चाहिए तो उसे कश्मीर की बेहतरी के लिए बदलकर दिखाया। सीएम ने कहा- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि हम चुनाव नहीं लड़ रहे, लोगों की जिंदगी बदलने का अभियान चला रहे हैं। मुझे इस बात की प्रसन्नता है। किसान, युवा, गरीब मजदूर सबकी जिंदगी बदलना, उनके जीवन में खुशहाली लाने की दिशा में नरेंद्र मोदी की सरकार काम कर रही है।

आपातकाल में ज्यूडिशियरी से छेड़छाड़ की गई थी– सीएम ने कहा- राहुल गांधी अपने अंदर झांक कर देखें। संविधान बदलने का परिणाम ही रहा कि 3 तलाक जैसे निर्णय को कांग्रेस ने बदल दिया।

कमलनाथ ने झूठ बोलकर चलाई सरकार: सीएम यादव

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि कमलनाथ ने झूठ बोलकर 13 महीने सरकार चलाई। काम के लिए 3 महीने ही काफी होते हैं। सीएम यादव बैतूल में भाजपा प्रत्याशी दुर्गादास उइके की नामांकन सभा को संबोधित कर रहे थे।

उधर, रीवा में कांग्रेस प्रत्याशी नीलम अभय मिश्रा के नामांकन से पहले हुई आमसभा को पीसीसी चीफ जीतू पटवारी ने संबोधित किया। उन्होंने कहा कि 2014 में झूठे वादे और सपनों के जरिए सत्ता में आए प्रधानमंत्री मोदी बार-बार झूठे वादे कर रहे हैं! अब उन्हें 'मोदी की गारंटी' का नाम दे रहे हैं।

मध्यप्रदेश में लोकसभा चुनाव के दूसरे चरण के लिए नामांकन जमा करने का गुरुवार को अंतिम दिन था। बैतूल में भाजपा प्रत्याशी दुर्गादास उइके और नर्मदापुरम में दर्शन सिंह चौधरी ने नामांकन दाखिल किया। दोनों ही प्रत्याशियों के साथ सीएम डॉ. मोहन यादव भी मौजूद रहे। दमोह में भाजपा प्रत्याशी राहुल सिंह ने पर्चा दाखिल किया।

संदेशखाली पीड़ितों का 1 फीसदी सच भी बेहद शर्मनाक

बंगाल सरकार पर 'हाई' हुआ हाईकोर्ट का पारा, जमकर लताड़ा

कहा-अगर ऐसा है तो पूरा प्रशासन और सत्ताधारी पार्टी जिम्मेदार

कोलकाता (एजेंसी)। संदेशखाली मामले में कलकत्ता हाईकोर्ट ने गुरुवार को बंगाल सरकार को फटकार लगाई। कोर्ट ने कहा, अगर इस मामले में एक परसेंट भी सच्चाई है तो यह शर्मनाक है। पूरा प्रशासन और सत्ताधारी पार्टी इसके लिए नैतिक तौर पर 100 फीसदी जिम्मेदार है। यह लोगों की सुरक्षा का मामला है। संदेशखाली के मुख्य आरोपी शाहजहां के खिलाफ 5 जनहित याचिकाओं पर चीफ जस्टिस टीएस शिवज्ञानम और जस्टिस हिरण्मय भट्टाचार्य की बेंच ने सुनवाई की। पश्चिम बंगाल के संदेशखाली में महिलाओं से यौन उत्पीड़न और जमीन हड़पने के आरोपी टीएमसी से निष्कासित नेता शेख शाहजहां को बंगाल पुलिस ने 29 फरवरी को गिरफ्तार किया था। जिसके बाद पुलिस ने उसे सीबीआई को सौंप दिया था। चीफ जस्टिस- मान लीजिए कि एक भी एफिडेविट सही है तो यह शर्मनाक है। पूरा प्रशासन और सत्ताधारी पार्टी इसके लिए नैतिक तौर पर 100 फीसदी जिम्मेदार है। यह लोगों की सुरक्षा का मामला है। आप एससी-एसटी नेशनल कमीशन की रिपोर्ट देखेंगे तो उसमें अगर एक फीसदी भी सच है तो ये 100 फीसदी शर्मनाक है। बंगाल महिला सुरक्षा के मामले में एनसीआरबी का डेटा दिखाता है। एक अन्य जनहित याचिकाकर्ता के वकील ने कहा कि इस मामले में गवाहों को सुरक्षा प्रदान की जाए।

भोपाल का तापमान

अधिकतम 40 °c | न्यूनतम 29°c

सुबह सवेरे

भोपाल ■ शुक्रवार, 05 अप्रैल 2024

जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।

चाणक्य नीति

रामलला के दरबार में उमड़ रही भक्तों की भीड़

अब तक डेढ़ करोड़ श्रद्धालु लगा चुके हाजिरी,1 लाख विदेशी भक्त भी शामिल

अयोध्या (एजेंसी)। राम मंदिर में रामलला का दर्शन करने के लिए हर रोज करीब डेढ़ से दो लाख श्रद्धालु अयोध्या पहुंच रहे हैं। भीड़ को देखते हुए अयोध्या को पर्यटन नगरी के रूप मे विकसित करने की योजनाओं पर भी काम तेजी से चल रहा है। डिप्टी डायरेक्टर पर्यटन आरपी यादव के मुताबिक, भव्य राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के संपन्न होने के बाद 22 जनवरी से अब तक करीब डेढ़ करोड़ श्रद्धालु रामलला का दर्शन करने पहुंचे हैं। इसमें करीब 1 लाख विदेशी पर्यटक भी शामिल हैं। रामनवमी में भी 40 लाख श्रद्धालुओं के अयोध्या पहुंचने का अनुमान है। आरपी यादव ने बताया कि इस समय भी रोजाना डेढ़ लाख से दो लाख के बीच पर्यटक अयोध्या पहुंच रहे हैं। जो रिपोर्ट मिली है उसके मुताबिक ट्रेनों के टिकट काफी पहले से आरक्षित किए जा रहे हैं। अयोध्या आने वाली फ्लाइट्स भी पैसेजरों से भरी आ रही हैं। अयोध्या का पर्यटन अचानक से राम मंदिर के कारण बढ़ा है जिसके चलते होटल उद्योग का विकास होता जा रहा है। यहां बड़ी संख्या में होटल, रेस्टोरेंट हैं। एक हजार से ज्यादा स्टे होम भी हैं पर जल्दी कमरे खाली नहीं मिलते। दो दर्जन नए होटलों का निर्माण भी लाइन में हैं जिनको विभागीय अनुमति भी मिली है।

जमुई में पीएम बोले-अब भारत घर में घुसकर मारता है

नीतिश ने कहा-नरेंद्र मोदी फिर प्रधानमंत्री बनेंगे, मैं कहीं नहीं जाऊंगा

जमुई (एजेंसी)। पीएम नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को जमुई के खैरा में सभा को 28 मिनट तक संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने लालू के जंगलराज, भ्रष्टाचार और इंडी अलायंस पर निशाना साधा। पीएम ने कहा कि पहले आतंकी हमारे ऊपर हमला कर के चले जाते थे। कांग्रेस दूसरे देशों के पास शिकायत लेकर जाती थी। हमने कहा ऐसे नहीं चलेगा। आज का भारत घर में घुसकर मारता है। पीएम मोदी ने आगे कहा कि ये चुनावी सभा है या विजय सभा है। उन्होंने चिराग पासवान और जमुई से कैंडीडेट उनके बहनोई को अपना भाई बताया। पीएम ने कांग्रेस और आरजेडी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि इन पार्टियों ने देश का नाम खराब किया है। राजद के लोग जमीनों पर कब्जा करते हैं। राजद सरकार में युवतियों को सड़क पर से उठा लिया जाता था। इस दौरान नीतिश ने फिर से ये बात दोहराई कि प्रधानमंत्री जी मैं कहीं नहीं जाऊंगा। आपके साथ ही रहूंगा। पीएम मोदी और सीएम नीतिश 32 दिन बाद फिर एक साथ एक मंच पर हैं। इससे पहले औरंगाबाद में दोनों एक मंच पर नजर आए थे। सभा में मुख्यमंत्री ने कहा कि नरेंद्र मोदी फिर देश के प्रधानमंत्री बनेंगे।

संक्षिप्त समाचार

केजरीवाल को सीएम पद से हटाने की याचिका खारिज

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली हाईकोर्ट ने अरविंद केजरीवाल को मुख्यमंत्री पद से हटाने की याचिका पर सुनवाई नहीं की। हाईकोर्ट ने कहा कि अदालत पहले भी ऐसी ही याचिका को खारिज कर चुकी है। डिवीजन बेंच के एक्टिंग चीफ जस्टिस मनमोहन और जस्टिस मनमीत प्रीतम सिंह ने कहा, अदालतों को चाहिए कि वो लोकतंत्र को अपना काम करने दें। याचिकाकर्ता यानी हिंदू सेना के अध्यक्ष विष्णु गुप्ता अपनी याचिका लेकर उप-राज्यपाल (एलजी) के पास जा सकते हैं। हम याचिका खारिज करते हैं।

रूस में बने साइलेंट एक-47 से लैस होगी छत्तीसगढ़ पुलिस

रायपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ पुलिस के लिए खुशखबरी है। नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में अपनी पकड़ मजबूत करने के लिए पुलिस योजना बना रही है। इस योजना के तहत स्नाइपर राइफलें, नाइट विजन डिवाइस और इलेक्ट्रॉनिक फायरिंग वेपन सिम्युलेटर (बेसिक) खरीदेगी। इन हथियारों में 60 सायलेंसर वाली एके-47 के अलावा नाइट विजन डिवाइस, इलेक्ट्रॉनिक फायरिंग वेपन और टेलीस्कोप डिवाइस शामिल हैं। बता दें कि 2019 तक ये हथियार इजराइल से खरीदे जाते थे। इस बार केंद्र सरकार ने रूस के साथ कॉन्ट्रैक्ट साइन किया है। हाल ही में हथियारों की खरीदी के लिए टेंडर निकाला गया है। इससे पहले भी टेंडर निकाला गया था, जो किन्हीं कारणों से रद्द हो गया था। जिस रायफल के लिए टेंडर निकाला गया है, उसकी खासियत खास है।

कांग्रेस प्रवक्ता रहे गौरव वल्लभ बीजेपी में शामिल

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव वल्लभ गुरुवार को पार्टी से इस्तीफा देने के बाद भाजपा में शामिल हो गए। उन्होंने सुबह ही कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को लेटर लिखकर इस्तीफा दिया था। गौरव ने खड़गे से कहा था कि वे न तो सनातन विरोधी नारे लगा सकते हैं और न ही सुबह-शाम देश के वेल्थ क्रिएटर्स को गाली दे सकते हैं। इसी वजह से पार्टी से इस्तीफा दे रहे हैं। कांग्रेस ने राजस्थान विधानसभा चुनाव 2023 में गौरव वल्लभ को उदयपुर सीट से मैदान में उतारा था, लेकिन वे बीजेपी के ताराचंद जैन से 32 हजार से ज्यादा वोटों से हार गए थे। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को लेटर लिखते हुए गौरव ने कहा, पिछले कुछ दिनों से पार्टी के स्टैंड से असहज महसूस कर रहा हूं।

भारत में लोकतंत्र देखने आएंगे दुनिया के 15 दल

भाजपा की रैलियों में भी लेंगे हिस्सा,समझेंगे पूरी प्रक्रिया

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है, जहां हर 5 साल में शांतिपूर्वक ढंग से चुनाव होता है और सत्ताधारी दल की परायज पर आसानी से सत्ता हस्तांतरण होता रहा है। इतनी आसान और शांतिपूर्ण प्रक्रिया के तहत नेतृत्व परिवर्तन होना दुनिया के कई देशों के लिए हैरानी और सीख वाली बात रही है। यही वजह है कि भाजपा ने दुनिया के कई देशों से 15 दलों को चुनाव देखने के लिए आमंत्रित किया है। यह पहला मौका होगा, जब भारत से बाहर का कोई राजनीतिक दल देश में इलेक्शन देखने आएगा। इससे पहले भाजपा ने हिमाचल प्रदेश, मध्य प्रदेश और राजस्थान के चुनाव में विदेशी डिप्लोमैट्स को न्योता दिया था और चुनाव दर्शन पर भेजा था। इस बार भाजपा ने दूसरे देशों के 15 दलों को बुलाया है। इन विदेशी पार्टियों के लोग 7 मई को तीसरे और 13 मई को चौथे चरण में चुनाव देखेंगे। इस दौरान विदेशी दलों के प्रतिनिधि चुनाव में उतरे कैंडीडेट्स से मुलाकात करेंगे, देश के अलग-अलग हिस्सों में जाएंगे और रैलियों एवं पार्टी की मीटिंग्स में हिस्सा लेंगे। भाजपा सूत्रों के अनुसार यह प्रयास इसलिए किया गया है ताकि हम दुनिया को दिखा सकें कि भारत में डेमोक्रेसी कितनी वाइब्रेंट है। भाजपा सूत्रों ने कहा कि दुनिया देखना चाहती है कि इतने बड़े और अधिक आबादी वाले देश में कैसे चुनाव होते हैं। इसके अलावा दुनिया की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी भाजपा कैसे काम करती है। इसलिए हमने विदेशी प्रतिनिधियों को बुलाया है ताकि वे भारत में लोकतंत्र के दर्शन कर सकें। भाजपा की विदेश विंग के प्रभारी विजय चौथाईवाले कहते हैं कि अब तक दुनिया के 15 देशों ने आने की पुष्टि की है। उन्होंने कहा कि भारत वाइब्रेंट डेमोक्रेसी है और हर कोई इसके बारे में जानना चाहता है। इसके अलावा भाजपा सत्ता में है तो दूसरे देशों के राजनीतिक दल उसके कामकाज के बारे में भी जानना चाहते हैं। उन्होंने बताया कि इन लोगों को बीजेपी मुख्यालय भी ले जाया जाएगा।

आधी आबादी का अपमान करोगे तो राजनीति लायक नहीं बचोगे

● मथुरा में रणदीप सुरजेवाला पर भड़के योगी, हेमा पर दिए बयान पर बोला हमला

मथुरा (एजेंसी)। कांग्रेस नेता रणदीप सुरजेवाला की तरफ से हेमा मालिनी पर अपमानजनक टिप्पणी करने के मामले में अब सियासत तेज हो गई है। लोकसभा चुनाव प्रचार के दौरान भाजपा के नेता मंच से इसको लेकर लगातार सुरजेवाला पर हमला बोल रहे है। भाजपा, कांग्रेस को महिला विरोधी भी बता रही है। अब उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि यह राधे रानी की भूमि है, अगर आधी आबादी का अपमान करोगे तो आधी आबादी ही नहीं, बल्कि पूरा भारत वर्ष ऐसा सबक सिखाएगा कि आगे से राजनीति करने लायक बच नहीं पाओगे। दरअसल, हेमा मालिनी पर रणदीप सुरजेवाला के विवादित बयान से पहले हिमाचल प्रदेश की मंडी लोकसभा सीट से भाजपा उम्मीदवार फिल्म अभिनेत्री कंगना रनौत को लेकर भी कांग्रेस नेताओं ने अमर्यादित टिप्पणी की थी।

भोजशाला में सर्वे के 14वें दिन 9 घंटे काम हुआ

एएसआई की टीम ने नींव की तलाश में खुदाई की

धार। आर्कियोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया की टीम ने आज 14वें दिन धार की भोजशाला में 9 घंटे सर्वे का काम किया। हिंदू फ्रंट फॉर जस्टिस की राष्ट्रीय अध्यक्ष एडवोकेट रंजना अग्निहोत्री भी सर्वे के काम में सहभागिता करने आई।

रंजना आज दूसरे दिन धार में थीं। वे राजा भोज के समकालीन स्मारकों का भी अवलोकन करेंगी, जिसमें शहर के विजय मंदिर व मांडू स्थित संग्रहालय भी जाएंगी।

सर्वे टीम भोजशाला की नींव तक पहुंचने के लिए इसके पिछले हिस्से में खुदाई की। अभी तक नींव नहीं मिली। यहां 2 सीढ़ियां जरूर पुराने जमाने के पत्थरों की नजर आई, इससे अंदाजा लगाया जा रहा है कि नीचे तलघर की ओर जाने का कोई रास्ता हो सकता है। टीम का पूरा फोकस अभी इसी पर है।

कोर्ट के आदेश वर्ड-टू-वर्ड फॉलो किए जा रहे : रंजना एडवोकेट रंजना अग्निहोत्री ने भोजशाला परिसर से बाहर निकलकर कहा कि हम सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट के आदेशों की प्रति लेकर अंदर गए थे। वहां सर्वे टीम से चर्चा हुई है। टीम ने बताया कि दोनों कोर्ट के आदेशों का पालन करते हुए उसे वर्ड टू वर्ड फॉलो किया जा रहा है। अंदर खुदाई का काम सुप्रीम कोर्ट के आदेश के अनुसार ही हो रहा है। पूरे भोजशाला परिसर की सफाई हो चुकी है। ब्रशिंग, क्लीनिंग और वॉशिंग हो चुकी है।भोजशाला बिल्डिंग के चारों तरफ खुदाई का काम चल रहा है। इस दौरान जो भी चीजें मिली हैं उन्हें संरक्षित करके रखा गया है। साथ ही बाहर भी सफाई का काम चल रहा है। आगे के काम की भी रूपरेखा बनाई जा रही है। आगे कहां खुदाई होनी है उसके लिए मैपिंग की जा रही है, जो उनकी मैथड है, उसके हिसाब से काम करेंगे।

बुधवार को गर्भगृह में हुआ था काम- एएसआई की एक टीम ने कल (बुधवार को) भोजशाला के गर्भगृह में सर्वे का काम किया है, जिसमें फोटोग्राफी, वीडियो ग्राफी सहित मेजरमेंट को लेकर जब्ती की गई है।

राहुल की वायनाड रैली से मुस्लिम लीग के झंडे गायब

● लेफ्ट से लेकर राइट तक साध रहे निशाना, झंडे छुपाने का लगा रहे आरोप ● पिनाराई विजयन बोले-कांग्रेस में हिम्मत नहीं है,स्मृति ने कहा-राहुल शर्मिंदा

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। केरल के वायनाड में बुधवार को नामाकंन भरने से पहले राहुल गांधी ने रोड शो किया था। इस रैली में कांग्रेस की सहयोगी पार्टी पार्टी इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग के झंडे के नजर नहीं आए। रैली में शामिल लोग सिर्फ तिरंगा लेकर चले। इसे लेकर लेफ्ट और भाजपा दोनों ही कांग्रेस पर निशाना साध रहे हैं। लेफ्ट नेता और केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने कहा कि कांग्रेस में हिम्मत नहीं है कि वह मुस्लिम लीग के झंडे सबके सामने लहरा सके। कांग्रेस इस स्तर तक गिर चुकी है कि वह अब सांप्रदायिक ताकतों से डरने लगी है। कांग्रेस को मुस्लिम लीग के वोट तो चाहिए पर उनके झंडे को अहमियत नहीं देना चाहती हैं। वहीं, केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने कहा कि राहुल के रोड शो में मुस्लिम लीग के झंडे छुपा के रखे गए थे। इससे ये साफ होता है कि या तो राहुल मुस्लिम लीग का सपोर्ट पाने से शर्मिंदा हैं या उन्हें इस बात की चिंता है कि जब वे उत्तर भारत का दौरा करेंगे और मंदिर जाएंगे, तो मुस्लिम लीग के साथ अपना रिश्ता नहीं छिपा सकेंगे। स्मृति ईरानी ने कहा कि मुझे इस बात की भी हैरानी है कि कांग्रेस बैन किए गए पीएफआई के राजनीतिक दल एसडीपीआई के समर्थन को स्वीकार कर रही है।

अब पाकिस्तान के लिए खजाना खोल सकता है सऊदी अरब

● बलूचिस्तान में एक अरब डॉलर के निवेश का बना रहा प्लान

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान की लगातार खराब होती आर्थिक स्थिति को सऊदी अरब से बड़ी मदद मिलने जा रही है। सऊदी अरब के पाकिस्तान में 1 अरब डॉलर के निवेश करने की संभावना है। बलूचिस्तान प्रांत के चाघी जिले स्थित रेको डिक कॉपर-गोल्ड प्रोजेक्ट में सऊदी से निवेश कर सकता है। पाकिस्तान के अखबार ट्रिब्यून ने वित्त मंत्रालय के हवाले से कहा है कि सऊदी अरब अगले महीने इस परियोजना में निवेश करेगा। ऑयल एंड गैस डेवलपमेंट कंपनी लिमिटेड (ओजीडीसीएल) और पाकिस्तान पेट्रोलियम लिमिटेड (पीपीएल) के शेयर सऊदी को बेचे जाएंगे। रिपोर्ट कहती है कि प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ परियोजना में सऊदी किंगडम के निवेश के लिए एक वित्त मंत्रालय समिति बनाएंगे। समिति में ओजीडीसीएल, पीपीएल और ऊर्जा मंत्रालय के अधिकारी शामिल होंगे। वित्त और ऊर्जा मंत्रालय समिति के गठन के लिए प्रधानमंत्री को अपनी रिपोर्ट भेजेंगे। इसके बाद समिति के सदस्य निवेश पर अंतिम चर्चा के लिए सऊदी अरब रवाना होंगे। सऊदी में दोनों देशों के अधिकारी रेको डिक परियोजना में निवेश के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर करेंगे।

सावधान ! तपने लगा सूरज, सताने लगी है 'लू'

● मौसम विभाग और सरकार दोनों कर रहे हैं सावधान ● कई क्षेत्रों में भीषण गर्मी, अधिकतम तापमान '43' सेल्सियस के पार

नई दिल्ली (एजेंसी)। ठंड अपना आगोश समेट चुकी है। बेचारे वसंत का नामो-निशान मिट रहा है। इसलिए ठंड और गर्मी की दूरी मिट गई है। ठंड गई नहीं कि गर्मी आ गई। सूरज तपने लगा है। अभी हफ्ते, दस दिन पहले तक जो धूप प्यार लगा करती थी, वो आज जलाने लगी है। तपिश इतनी तेजी से बढ़ रही है कि मौसम विभाग (आईएमडी) से लेकर सरकार तक, हर ओर से चेतावनियां जारी की जाने लगी हैं। मौसम विभाग हमें सावधान कर रहा है कि लू की चपेट में आने से बचिए। विभाग ने अपने अनुमान में कहा, ओडिशा, झारखंड, रायलसीमा, पश्चिम बंगाल में गंगा के तटवर्ती इलाकों, तटीय आंध्र प्रदेश, पुदुचेरी के यनम और उत्तरी आंतरिक कर्नाटक में 4 से 6 अप्रैल तक अलग-अलग स्थानों पर लू का प्रकोप रह सकता है। इसके साथ ही विदर्भ और तेलंगाना में 5 और 6 अप्रैल के दौरान अलग-अलग स्थानों में हीटवेव की स्थिति रहेगी। अचानक मौसम में आए बड़े बदलाव के कारण होने वाली स्वास्थ्य समस्याओं से निपटने के लिए केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया ने तैयारियों की समीक्षा की है। मंडाविया ने बुधवार को गर्मी से संबंधित बीमारियों के मैनेजमेंट के लिए सार्वजनिक स्वास्थ्य तैयारियों की समीक्षा करने के लिए एक बैठक की अध्यक्षता की और राज्यों को आवश्यक दवाओं, आइस-पैक, ओआरएस, पीने के पानी के साथ-साथ जनता के लिए आईईसी एक्टिविटी को लेकर सुविधाएं बढ़ाने की सलाह दी। उधर ओडिशा सरकार ने स्कूलों में दोपहर की जगह क्लास लगाने का आदेश दिया है। ओडिशा सरकार ने भीषण गर्मी के कारण सभी स्कूलों में सुबह की कक्षाएं घोषित कीं। राज्य सरकार के निर्देशों के बारे में ओडिशा प्राथमिक शिक्षा कार्यक्रम प्राधिकरण (ओपीईपीए) के राज्य परियोजना निदेशक अनुपम साहा ने कहा, राज्य में तेज गर्मी के अनुमान के कारण सरकार ने फैसला किया है कि स्कूल सुबह कक्षाएं चलाएंगे। साहा ने कहा, सभी स्कूलों को पीने के पानी की सुविधा उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं और अगर कोई बच्चा गर्मी के कारण बीमार पड़ता है, तो उसे इलाज के लिए नजदीकी चिकित्सा सुविधा में ले जाया जाएगा। दूसरी तरफ, नंदनकानन चिड़ियाघर ने अपने जानवरों को भीषण गर्मी से बचाने के लिए कदम उठाए हैं।

वायुसेना के 'अपाचे' की लद्दाख में इमरजेंसी लैंडिंग

● दोनों पायलट सुरक्षित, कोर्ट ऑफ इंक्वायरी के आदेश जारी

लद्दाख (एजेंसी)। अटैक के मामले में दुनिया में सबसे मारक माने जाने वाले भारतीय वायु सेना के एक अपाचे हेलीकॉप्टर की लद्दाख में इमरजेंसी लैंडिंग करवानी पड़ी। इस दौरान दौरान दुर्गम इलाके और ऊंचाई के कारण हेलीकॉप्टर क्षतिग्रस्त हो गया। हालांकि विमान में सवार दोनों पायलट पूरी तरह से सुरक्षित हैं। दोनों पायलटों को पास के ही एयरबेस में ले जाया गया है। भारतीय वायुसेना ने अपाचे हेलीकॉप्टर की इमरजेंसी लैंडिंग के सटीक कारण की जांच के लिए कोर्ट ऑफ इंक्वायरी के आदेश दिए हैं। वायुसेना के अनुसार, अपाचे हेलीकॉप्टर को तीन अप्रैल को लद्दाख में एक परिचालन प्रशिक्षण उड़ान के दौरान आपात स्थिति में उतारना पड़ा। इस प्रक्रिया के दौरान हेलीकॉप्टर को थोड़ा नुकसान हुआ है। वायुसेना ने बताया कि हेलीकॉप्टर में सवार दोनों पायलट सुरक्षित हैं और उन्हें निकटतम एयरबेस पर ले जाया गया है। घटना के कारण का पता लगाने के लिए कोर्ट ऑफ इंक्वायरी का आदेश दिया गया है। अपाचे हेलीकॉप्टरों को अटैक के मामले में दुनिया में सबसे मारक माना जाता है।

भोपाल में चलती कचरा गाड़ी में आग लगी

● आग बुझाने में हेल्पर के हाथ झुलसे, ड्राइवर ने कूदकर बचाई जान

भोपाल (नप्र)। भोपाल में सड़क पर दौड़ती एक कचरा गाड़ी (मैजिक) में अचानक आग लग गई। इससे ड्राइवर और हेल्पर ने कूदकर अपनी जान बचाई। वहीं, आग बुझाने में हेल्पर के हाथ झुलस गए। आग से चंद मिनटों में ही मैजिक पूरी तरह से जल गई। घटना वार्ड-44 के मेहता मार्केट के पास हुई। सुबह करीब 11.30 बजे कचरा गाड़ी दाना पानी इलाके की तरफ से मेहता मार्केट की ओर आ रही थी। तभी उसमें आग लग गई। ड्राइवर रोहित और हेल्पर आदित्य कुछ समझ पाते, उससे पहले ही आग भीषण हो गई। जिससे दोनों ने गाड़ी रोकी और कूदकर जान बचाई।

आग बुझाने में आदित्य झुलस गया

जोन-12 के एएचओ रवि बाथम ने बताया कि गाड़ी खाली थी। ड्राइवर रोहित और हेल्पर आदित्य दाना-पानी से डीजल भरवाकर मेहता मार्केट की ओर आ रहे थे। तभी आग लगी। आग कैसे लगी? इसका पता नहीं चल सका है। हेल्पर आदित्य के हाथ झुलसे हैं। जिसे प्राइवेट हॉस्पिटल में ले जाया गया। वह अब ठीक है।

फायर बिग्रेड ने बुझाई आग

आग लगने की जानकारी मिलते ही मौके पर दमकल पहुंची और आग पर काबू पाया। हालांकि, तब तक आग से मैजिक पूरी तरह से जल चुकी थी। आग की लपटें 8 से 10 फीट तक ऊपर उठ गई थी।

डॉ. जवाहर कर्नावट का मलेशिया में व्याख्यान

भोपाल । नगर के प्रसिद्ध वक्ता एवं लेखक डॉ. जवाहर कर्नावट ने मलाया विश्वविद्यालय, मलेशिया के कला संकाय

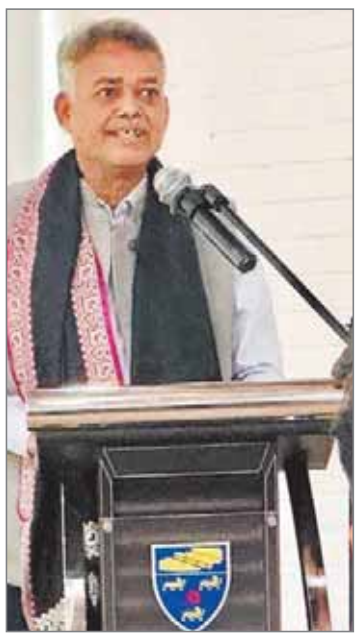

और अंतरराष्ट्रीय सहयोग परिषद, नई दिल्ली के संयुक्त तत्वाधान मे 'भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन में प्रवासी भारतीयों का योगदान' विषय पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय सेमिनार में विशिष्ट वक्ता के रूप में संबोधित किया। डॉ. कर्नावट ने दक्षिण पूर्वी एशियाई देशों में आजाद हिंद फौज और गदर पार्टी के योगदान की विस्तार से चर्चा की। इस सेमिनार में मलेशिया, भारत, थाईलैंड और सिंगापुर के विद्वानों की भागीदार रही। सम्मेलन का शुभारंभ आसियान राष्ट्र समूह के पूर्व महासचिव एवं राजनयिक श्री अजीत सिंह ने किया। कुआलालंपुर स्थित विश्वविद्यालय परिसर में कला संकाय अध्यक्ष डॉ. डैनी वांग ने सेमिनार की रूपरेखा प्रस्तुत की। डॉ. कर्नावट ने भारतीय प्रतिनिधिमंडल के साथ मलेशिया में भारत के उच्चायुक्त श्री बी.एन. रेड्डी से भी भेंट की।

भोपाल में सी-विजिल पर 61 शिकायतें

पोस्टर-बैनर से जुड़ी

सुभाषनगर आरओबी के ऊपर बोर्ड पर नेताओं की फोटो; 100 मिनट में एक्शन

भोपाल (नप्र)। भोपाल के सुभाष नगर आरओबी के ऊपर डायरेक्शन बोर्ड लगा है। इसमें पार्टी नेताओं की फोटो लगी है, जो आचार संहिता का उल्लंघन है। सी-विजिल ऐप पर जैसे ही ये शिकायत पहुंची, अफसर हरकत में आए और 100 मिनट के अंदर नेताओं की फोटो हटवा दी। 16 मार्च से अब तक ऐप के जरिए जो 61 शिकायतें पहुंची हैं, वे पोस्टर-बैनर से ही जुड़ी हैं।

16 मार्च से लोकसभा चुनाव की आचार संहिता लगी है। तभी से सी-विजिल ऐप के जरिए शिकायतें दर्ज की जा रही हैं। इनमें वे शिकायतें हैं, जो चुनाव की आचार संहिता का उल्लंघन कर रही हो। अफसरों का कहना है कि नॉमिनेशन की प्रोसेस पूरी होते ही सी-विजिल पर शिकायतों का आंकड़ा और बढ़ेगा। सी-विजिल के लिए भोपाल के कलेक्टर ऑफिस में कंट्रोल रूम बनाया गया है।

भोपाल में इस तरह की शिकायतें भी

- सिविल हॉस्पिटल बैरसिया में शिलालेख को कवर नहीं गया है। इस पर कार्रवाई करें।
- रायसेन रोड और होशंगाबाद रोड पर भाजपा सरकार के पोस्टर लगे हैं।
- वार्ड-17 की आंगनवाड़ी केंद्र की शिलालेख को नहीं कवर नहीं किया गया है।
- रेंज चौराहे पर सार्वजनिक प्याऊ पर लगे शिलालेख को भी कवर नहीं किया गया। यह आचार संहिता का उल्लंघन है।
- प्रभात पेट्रोल पंप के पास बने सुलभ शौचालय के ऊपर बैनर लगा है। इसमें पार्टी विशेष का प्रचार है।
- शास्त्री माध्यमिक शाला जवाहर बैरसिया में लगी निर्माण शिलालेख को कवर नहीं किया गया।
- शहर में बिना अनुमति के पोस्टर-बैनर लगे हुए हैं।
- हर विधानसभा में 9-9 टीमें
- सी-विजिल पर दर्ज शिकायत को 100 मिनट में हर हाल में दूर करना है। इसलिए भोपाल जिले की सभी 7 विधानसभाओं के लिए 9-9 टीमें बनाई गई है। लोकसभा सीट में सीहोर विधानसभा भी शामिल हैं। वहां के लिए भी टीमें बनाई गई हैं।

क्या है सी-विजिल ऐप?

चुनाव आयोग ने सी-विजिल ऐप को चुनावों में होने वाली गड़बड़ियों को रोकने के लिए तैयार किया है। इस ऐप की मदद से वोटर चुनावी आचार संहिता के उल्लंघन की जानकारी दे सकते हैं। इस ऐप को सभी एंड्रॉयड और आईओएस यूजर्स के लिए तैयार किया गया है। ऐप पर शिकायत करने के लिए यूजर को स्मार्टफोन के कैमरे और जीपीएस एक्सेस की जरूरत होती है। चुनाव आयोग पिछले 3 साल से इस ऐप का इस्तेमाल सभी तरह के चुनावों में कर रहा है।

इस तरह की कर सकते हैं शिकायतें

चुनाव आयोग के मुताबिक चुनाव तारीखों का ऐलान होने के बाद से वोटिंग खत्म होने तक, कोई भी व्यक्ति अपनी शिकायत सी-विजिल ऐप के जरिए चुनाव आयोग को भेज सकता है।

आचार संहिता के दौरान नेताओं की तरफ से किसी भी तरह के कोई गैरकानूनी दस्तावेज बांटने, भ्रष्टाचार और विवादित बयानों की शिकायत इस ऐप के जरिए कर सकते हैं। सी-विजिल ऐप पर शिकायतकर्ता जो भी वीडियो या फोटो अपलोड करेंगे वो 5 मिनट के अंदर स्थानीय चुनाव अधिकारी के पास चला जाएगा। शिकायत सही है तब 100 मिनट के अंदर ही उस समस्या का समाधान किया जाएगा। इसके अलावा मतदाताओं को लुभाने के लिए किसी भी तरह से धन, सामग्री, कपड़े, जेवरात आदि का वितरण करने, मतदाताओं को उनके पक्ष में मतदान करने के लिए धमकाने, मतदाताओं को स्वयं के वाहन से परिवहन करने। किसी भवन स्वामी की अनुमति के बिना उसके भवन या दीवारों या परिसर पर प्रचार सामग्री लगाने या दीवार पर विज्ञापन लिखवाने सहित अन्य प्रकार की शिकायतें भी कर सकते हैं।

सी-विजिल ऐप से कैसे करें शिकायत?

- जो लोग सी-विजिल ऐप से किसी की शिकायत करना चाहते हैं। उन्हें इस ऐप को इंस्टॉल करना होगा। ऐप इंस्टॉल होने के बाद आपको रजिस्ट्रेशन करना होगा।
- इसके लिए शिकायतकर्ता को नाम, पता, राज्य, जिला, विधानसभा और पिनकोड की जानकारी देनी होगी।
- एक ओटीपी की मदद से इसका वैरिफिकेशन किया जाएगा।
- अब शिकायत करने के लिए फोटो या कैमरे को सिलेक्ट करें।
- शिकायतकर्ता 2 मिनट तक का वीडियो ऐप पर अपलोड कर सकता है।
- फोटो और वीडियो से जुड़ी डिटेल के लिए एक बॉक्स भी मिलता है, जहां उसके बारे में लिखा जा सकता है।
- चुनाव आयोग के मुताबिक जो फोटो या वीडियो अपलोड किया जाता है, उससे उस जगह की लोकेशन भी पता चल जाती है।
- फोटो या वीडियो अपलोड होने के बाद यूजर को एक यूनीक आईडी मिलेगी। इसके जरिए वे मोबाइल पर ही फॉलोअप ट्रैक कर सकते हैं।
- शिकायतकर्ता की पहचान गोपनीय रखी जा रही
- शिकायतकर्ता की पहचान को गोपनीय रखा जाता है। हालांकि, ऐप पर पहले से रिकॉर्ड वीडियो या फोटो अपलोड नहीं कर सकते। इतना ही नहीं, ऐप से रिकॉर्ड किए गए वीडियो या फोटो गैलरी में सेव नहीं होंगे।

मंदिर में मौसेरे भाई-बहन की हत्या

एकतरफा प्यार में छात्र ने दोनों को गोली मारी; फिर कर लिया सुसाइड

इंदौर (नप्र)। इंदौर के भंवरकुआं में गुरुवार दोपहर एक छात्र ने एकतरफा प्यार में लड़की और उसके मौसेरे भाई की गोली मारकर हत्या कर दी। फिर कुछ दूर जाकर सुसाइड कर लिया। तीनों के शव पोस्टमॉर्टम के लिए अस्पताल पहुंचाकर पुलिस जांच में जुट गई है।

एडिशनल कमिश्नर अमित सिंह ने बताया कि जूनी इंदौर की रहने वाली स्नेहा जाट और उसका मौसेरा भाई दीपक जाट गुरुवार दोपहर स्वामी नारायण मंदिर गए थे। यहां स्नेहा का परिचित अभिषेक यादव भी पहुंच गया।

अभिषेक, स्नेहा और दीपक मंदिर में बैठकर करीब आधे घंटे तक बातें करते रहे। इसी दौरान विवाद होने पर अभिषेक ने पिस्टल से दोनों पर फायरिंग कर दी। स्नेहा और दीपक की घटनास्थल पर ही मौत हो गई।

इसके बाद अभिषेक पिता आत्माराम यादव मंदिर के सामने स्थित अरिहंत कॉलेज कैम्पस में घुसा। यहां सिक्योरिटी गार्ड से पानी मांगा। जब लगा कि दो हत्याएं करने के बाद वह पुलिस से बच नहीं पाएगा तो गोली मारकर खुदकुशी कर ली।

तीनों समझौते के लिए आए थे मंदिर

पुलिस के मुताबिक, अभिषेक सीहोर में रेहटी का रहने वाला था। फिलहाल, इंदौर के द्वारकापुरी में रहता था। वह स्नेहा से प्यार करता था लेकिन उसने इनकार कर दिया था। उसने पहले भी स्नेहा को अंजाम भुगतने की धमकी दी थी। समझौते के लिए ही तीनों मंदिर आए थे। अभिषेक इंदौर में किस कॉलेज में पढ़ रहा था, इसकी जानकारी पुलिस निकाल रही है। दीपक आगर का रहने वाला है और वह इंदौर में ओरिएंटल कॉलेज का छात्र था।

प्रिंसिपल बोलीं- घबराता हुआ कैम्पस में घुसा था- लोकसभा चुनाव के कारण पुलिस सभी लाइसेंसी हथियार जमा करा रही है। ऐसे में पुलिस पता करने में जुटी है कि अभिषेक के पास पिस्टल कहां से आई?

अरिहंत कॉलेज की प्रिंसिपल कविता- कासलीवाल ने बताया कि अभिषेक घबराता हुआ कॉलेज कैम्पस में घुसा था। यहां गेट पर मौजूद महिला सिक्योरिटी गार्ड से पानी मांगा। गार्ड ने उसे पीने का पानी जहां रखा था, वहां भेजा लेकिन वह कहीं और ही जा रहा था। यह देखकर गार्ड ने उसे रोका और पूछा कि बेटा कहां जा रहे हो? तभी अभिषेक ने पिस्टल निकालकर खुद को गोली मार ली।

महिला गार्ड ने बताया- अभिषेक गेट में घुसा और पानी मांगा। दूसरी तरफ जाने पर मैंने उसे रोका तो खुद को गोली मार ली। पूरा

इंदौर में युवती को गोली मारने वाले युवक का आखिरी मैसेज आया सामने, लिखा- हम दोनों साथ थे, फिर बीच में तीसरा आ गया

भंवरकुआं थाना क्षेत्र के स्वामीनारायण मंदिर में स्नेहा जाट और उसके मौसेरे भाई दीपक जाट की गोली मारकर हत्या कर खुदकुशी करने वाले अभिषेक यादव का आखिरी मैसेज सामने आया है। उसने खुदकुशी करने के पहले यह मैसेज परिवार वालों, परिचितों और दोस्तों को भेजा था। इसमें उसने लिखा है कि हम दोनों खुशी-खुशी साथ रह रहे थे, लेकिन बीच में कोई तीसरा आ गया, जिससे हमारे रिश्ते बिगड़ गए।

अभिषेक ने मैसेज में लिखा है कि स्नेहा और मैं 2019 से परिचित थे। लाकडाउन के बाद हम एक-दूसरे से प्यार करने लगे। हम रीजनल पार्क या कैफे में मिलने लगे। वह मेरे लिए गिफ्ट लेकर आती थी। भोलाराम उस्ताद मार्ग स्थित एक होटल में हमारे बीच पहली बार शारीरिक संबंध बने। इसके बाद स्नेहा मुझ पर शादी का दबाव बनाने लगी। शादी नहीं करने पर मरने की धमकी देने लगी।

नकुलनाथ ने कहा- ओवर कॉन्फिडेंस छोड़ काम में जुटें

कार्यकर्ताओं से मांगे 12 दिन, लाड़ली बहना योजना पर तंज

छिंदवाड़ा (नप्र)। मध्यप्रदेश में लोकसभा निर्वाचन के प्रथम चरण के लिए छिंदवाड़ा में 19 अप्रैल को मतदान होगा। चुनाव को सिर्फ कुछ दिन बचे है। ऐसे में राजनैतिक दलों ने अपना प्रचार अभियान तेज कर दिया है। कांग्रेस के लोकसभा प्रत्याशी नकुलनाथ ने शहर कांग्रेस कमेटी के आयोजन में कार्यकर्ताओं से कहा कि ओवर कॉन्फिडेंस में नहीं रहें इसका खामियाजा हमको पिछले लोकसभा में उठाना पड़ा था। इससे सावधान रहिएगा। चुनाव को कम दिन बचे हैं 17अप्रैल को छिंदवाड़ा में चुनाव प्रचार थमेगा।17 तारीख को काम नहीं हो पायेगा, क्योंकि इस दिन राम नवमी है। सही मायने में चुनाव प्रचार के लिए सिर्फ 12दिन ही बचे हैं। ऐसे में रात दिन एक करके मेहनत करनी पड़ेगी। केवल 12 दिन मैं आपसे मांग रहा हू। हम 12 दिन बाद मिठाई 5 साल हम इंजॉय करेंगे।

कमलनाथ के अंदाज में कहा आपको देखकर मेरा डेढ़ किलो खून बढ़ जाता है- कांग्रेस प्रत्याशी नकुलनाथ ने शहर कांग्रेस कार्यकर्ताओं से संबोधित करते हुए कमलनाथ के चिरपरिचित अंदाज में कार्यकर्ताओ से कहा कि आपके चहेरे पर उत्साह देखकर मेरे बदन में भी डेढ़ किलो खून बढ़ गया है।

लाड़ली बहनों से बोले खाते में आखरी बार राशि आयेगी

नकुलनाथ ने सावंगी में सभा के दौरान कहा कि भाजपा की प्रदेश सरकार ने माताओं और बहनों को भी गुमराह किया है। चुनाव से पहले भाजपा सरकार ने कहा था कि लाड़ली बहना योजना के हितग्राहियों को 1000 से 3000 तक देंगे चुनाव के समय 1000 बढ़ाकर 1250 तक ही सीमित कर दिया। नकुलनाथ ने कहा मुझे पता चला है कि सरकार दोबारा आपके खाते में लाड़ली बहना योजना की राशि डालेगी मैं तो माताओं और बहनों से कहना चाहता हूं कि ये आखरी राशि है,इसे रख लीजिएगा। लेकिन 19 तारीख को पंजे का बटन दबाकर कांग्रेस को विजय बनाएं।

नवभारत प्रेस की 2.36 करोड़ की प्रॉपर्टी कुर्क

● सतना-सीहोर में ईडी का एक्शन, मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट के तहत केस दर्ज

भोपाल (नप्र)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने गुरुवार को मेसर्स नवभारत प्रेस (भोपाल) की सतना व सीहोर स्थित 2.36 करोड़ कीमत की 10 प्रॉपर्टी कुर्क की हैं। ईडी ने 30 मार्च 2024 को प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट (पीएमएलए) 2002 के तहत नवभारत प्रेस के खिलाफ केस दर्ज किया था। इसके बाद यह कार्रवाई की गई है। जांच में खुलासा हुआ कि मेसर्स नवभारत प्रेस (भोपाल) प्राइवेट लिमिटेड के डायरेक्टर सुमित माहेश्वरी व अन्य ने साल 2004 में प्रेस के आधुनिकीकरण और मशीनों की खरीदी के लिए भोपाल में गौतम नगर स्थित बैंक ऑफ महाराष्ट्र से 15.67 करोड़ लोन लिया था। इस राशि को ग्रुप की दूसरी कंपनियों और कर्मचारियों के अकाउंट में ट्रांसफर किया गया, जो सुमित माहेश्वरी (संदीप माहेश्वरी के भाई) के मालिकाना हक वाली कंपनियां थीं। इन कंपनियों में ईएनबीईई ग्रुप भी शामिल है। बैंक ऑफ महाराष्ट्र से मिले लोन का उपयोग विभिन्न कॉर्पोरेट देनदारियों और व्यक्तिगत लोन को क्लियर करने में किया गया। ईडी की ओर से गुरुवार को जारी प्रेस नोट में लिखा है कि मेसर्स नवभारत प्रेस (प्राइवेट लिमिटेड) ने लोन अमाउंट को दूसरी कंपनी में ट्रांसफर कर बैंक से धोखाधड़ी की। इसके चलते, नवभारत प्रेस को दिया गया 15.67 करोड़ रुपए का लोन एनपीए (नॉन परफॉर्मिंग असेट्स) हो गया।

मंत्री के बेटे और दंपत्ति की पिटाई का मामला

प्रकरण में धाराओं को लेकर चल रहा विवाद एक्सपर्ट तय करेंगे- कौनसी धारा लगेगी

भोपाल (नप्र)। स्वास्थ्य राज्य मंत्री नरेंद्र शिवाजी पटेल के बेटे अभिज्ञान पटेल द्वारा शाहपुरा में एक रेस्त्रां संचालक दंपती से मारपीट का मामला अभी शांत नहीं हुआ है। इस मामले की जांच अब टीटी नगर थाना प्रभारी अशोक गौतम को सौंपी गई है। उन्हें दोनों प्रकरण की केस डायरी सौंप दी गई हैं।

इधर, प्रकरण में धाराओं लेकर चल रहा विवाद शांत करने के लिए पुलिस ने डेनिस मार्टिन उर्फ सोनू के सिर का एक्सरे कराया गया है। उसके सिर में छह टांके आए हैं। इस एक्सरे पर मेडिकल एक्सपर्ट की राय के बाद ही तय होगा कि प्रकरण में हत्या के प्रयास की धारा का इजाफा होगा या नहीं।

शाहपुरा थाने में मंत्रीपुत्र अभिज्ञान से की गई मारपीट के आरोप में सब इंस्पेक्टर जय कुमार सिंह समेत चार पुलिसकर्मियों को सस्पेंड किया गया है। इसकी जांच एडिशनल डीसीपी जोन-1 रश्मि अग्रवाल दुबे कर रहीं हैं।

यह था मामला

शनिवार 30 मार्च की रात करीब 8:30 बजे मीडियाकर्मी विवेक सिंह त्रिलंगा कॉलोनी के रेड सिग्नल पर अपनी स्कूटर लेकर खड़े थे, तभी पीछे से अभिज्ञान के ड्राइवर ने इनोवा से गाड़ी में टक्कर मार दी थी। आगे एक रेस्टोरेंट के सामने अभिज्ञान और उसके साथियों ने उन्हें रोका और मारपीट शुरू कर दी। रेस्त्रां की संचालक आलिशा सक्सेना ने बीच-बचाव किया तो उनसे भी मारपीट शुरू कर दी। पति डेनिस मार्टिन उर्फ सोनू पत्नी को बचाने आए तो उन्हें भी पीटा।

अब दर्ज होंगे दोनों पक्षों के बयान

अभिज्ञान के खिलाफ दर्ज रॉड से मारपीट, गाली गलौज, जान से मारने की धमकी देने के मामले और डेनिस मार्निट, आलिशा व सीताराम के खिलाफ दर्ज प्रकरण की जांच शाहपुरा थाना प्रभारी रघुनाथ सिंह नहीं करेंगे। जांच निष्पक्ष कराने के लिए दोनों प्रकरणों की केस डायरी टीआई टीटी नगर अशोक गौतम को दी गई है। टीआई गौतम ने बुधवार को घटनास्थल का निरीक्षण किया। वह दोनों पक्षों के बयान दर्ज करेंगे।

डेनिस मार्टिन का आरोप है कि पुलिस ने मंत्री के दबाव में कमजोर धाराओं में एफआईआर दर्ज की थी। जबकि उनके सिर में गंभीर चोट है। छह से ज्यादा टांके आए हैं। इसके बाद उनके सिर का एक्सरे कराया कराया है। इस एक्सरे से मेडिकल एक्सपर्ट की राय के बाद ही प्रकरण में धारा बढ़ाने को लेकर विचार किया जाएगा।

संपादकीय

संजय सिंह की रिहाई के मायने

आम आदमी पार्टी के नेता एवं सांसद संजय सिंह की छह माह बाद कोर्ट के आदेश पर जेल से हुई रिहाई ने आम आदमी पार्टी में नया जोश भर दिया है और चुनाव में उसे इसका मनोवैज्ञानिक फायदा जरूर मिलेगा। संजय अभी क्यों और किस मकसद से जेल से रिहा हुए हैं, इसे राजनीतिक हल्कों में बारीकी से समझने की कोशिश की जा रही है यह कदम महज एक कानूनी प्रक्रिया का हिस्सा है अथवा आम आदमी पार्टी में अंदर ही अंदर कोई नई खिचड़ी पक रही है। संजय की रिहाई यूं तो ईडी और मोदी सरकार के लिए भी एक झटका है। वैसे आप की कोशिश है कि अरविंद केजरीवाल भी जल्द रिहा हों। हालांकि अभी यह तत्काल संभव होता नहीं दिख रहा है। सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिलने के बाद जैसे ही संजय सिंह तिहाड़ जेल से बाहर आए, वहां उनके समर्थकों ने नाच गाकर उनका स्वागत किया। एक गाड़ी पर चढ़े संजय सिंह ने समर्थकों का अभिवादन स्वीकार करते हुए कहा कि यह समय जश्न मनाने का नहीं है, संघर्ष करने का है। उन्होंने कहा कि हमारी पार्टी के सबसे बड़े नेता अरविंद केजरीवाल, मनीष सिसोदिया और सत्येंद्र जैन को जेल में रखा गया है। हमें पूरा भरोसा है कि इस जेल के ताले टूटेंगे और अरविंद केजरीवाल छूटेंगे। जेल से रिहा होने के बाद संजय सीधे मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के घर गए और उनकी पत्नी सुनीता केजरीवाल से भेंट की। संजय की रिहाई पर भाजपा की ओर से दिल्ली बीजेपी के अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि भ्रष्टाचारी पार्टी के एक नेता अगर जमानत पर बाहर आते हैं और उसका वो जश्न मनाते हैं तो इससे उस पार्टी की सोच पता चलती है।

ज़मानत पर बाहर आना अपराध मुक्त होना नहीं है। जमानत मिलती है तो ज़मानत खत्म भी होती है। मेरा मानना है कि शराब घोटाला एक बहुत बड़ा घोटाला है। उस घोटाले में जितने लोग हैं, सबकी भूमिका की जांच हो रही है। जमानत देने से पहले सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश में ये स्पष्ट कर दिया था कि संजय सिंह को ट्रायल कोर्ट की ओर से तय शर्तों के आधार पर ज़मानत मिलेगी। गौरतलब है कि संजय सिंह दिल्ली की शराब नीति से जुड़े कथित घोटाले केस में गिरफ्तार किए गए थे। उन्हें दिनेश अरोड़ा की गवाही के आधार पर ईडी ने पिछले साल अक्टूबर में गिरफ्तार किया था। इस कथित घोटाले के केस में दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया पहले से जेल में हैं। खास बात यह है कि संजय सिंह की रिहाई ईडी के वकील द्वारा जमानत का विरोध न करने के कारण दी गई है। ऐसे में सवाल यह उठ रहा है कि एक तरफ ईडी जेल में बंद अरविंद केजरीवाल का और रिमांड मांग रही है तो दूसरी तरफ संजय सिंह की जमानत का विरोध नहीं कर रही है। लोगों को शक है कि इसके पीछे कोई डील तो नहीं है। क्योंकि राजनीतिक हल्कों में यह चर्चाएं भी चली थीं कि केजरीवाल की गिरफ्तारी के बाद जिस तरह से सियासी फलक पर उनकी पत्नी सुनीता केजरीवाल को भावी मुख्यमंत्री के रूप में प्रोजेक्ट करने की अघोषित कोशिश की जा रही है, उससे भाजपा नेताओं में नाराजी है। लोग इसी संदर्भ में संजय सिंह की गिरफ्तारी और आप के एक और बड़े नेता राघव चड्ढा का सियासी परिदृश्य से नदारद होना कई सवाल खड़े कर रहा है। क्या इन सबके पीछे भी भाजपा का ही तो कोई खेल तो नहीं है? वैसे आप इस पूरे प्रकरण को राजनीतिक रूप से भुनाने की पूरी कोशिश कर रही है। लाभ कितना होगा, यह चुनाव नतीजे बताएंगे।

90 वर्ष की रिजर्व बैंक पर उम्मीदों का बोझ

हमारे देश का भी अपना एक बैंक है रिजर्व बैंक ऑफ़ इण्डिया। भारतीय रिजर्व बैंक को जब हम बचपन में मुद्रा में देखते थे, तो उसी समय परिचित हुए थे। एक रूपये, दो रूपये, पांच रूपये, दस रूपये, बीस रूपये और एक सौ के लिए जारी करेंसी पर जब गवर्नर जनरल के लिखे अधिकृत वचन छपे होते थे और साथ ही लिखा होता था, भारतीय रिजर्व बैंक तो गर्व की अनुभूति होती थी। बाद में जो पांच सौ, एक हज़ार और दो हज़ार की नोट आयीं उसमें भी कुछ ऐसा ही था। इन नोट के साथ एक व्यक्ति की खुशी होती थी। समूह में कार्य करने वाले सेल्फ हेल्प ग्रुप्स हों या को-ऑपरेटिव बैंक में चल रहे किसानों के खाते, उसमें जमा धन लोगों को अपने होने का बोध कराते थे।

नजरिया

प्रो. कन्हैया त्रिपाठी
लेखक भारत के राष्ट्रपति के विशेष कार्य अधिकारी रह चुके हैं। वर्तमान में केंद्रीय विश्वविद्यालय पंजाब में चेयर प्रोफेसर हैं।

बैंकों की अपनी दुनिया होती है। बैंक राज्यों के आधार हैं। बैंक प्रणाली यदि नहीं होती तो राज्य सुव्यवस्थित नहीं हो पाते। दुनिया के सबसे बड़े पांच बैंक जेपी मॉर्गन एंड चेज़, बैंक ऑफ अमेरिका, इंडस्ट्रीयल एंड कमर्शियल बैंक ऑफ चाइना, वेल्स फारगो और चाइना एग्रीकल्चर बैंक विश्व में विख्यात हैं। भारत का रिजर्व बैंक एक ऐतिहासिक पड़ाव पर पहुंचा है। अब वह 90 वर्ष का हो चुका है। ऐसे मौके पर हमें वर्ल्ड बैंक के अध्यक्ष यूजीन आर ब्लैक स्मरण आते हैं जिन्होंने 29 सितम्बर 1959 को कहा था कि क्या यह बहुत विनम्र या बहुत काल्पनिक-एक स्थिति है कि हमें आर्थिक विकास के क्षेत्र में माली बनने को अपना मार्गदर्शक उद्देश्य बनाना चाहिए। मुझे नहीं लगता कि अविकसित दुनिया की सहायता के लिए अपने संसाधनों को एकत्रित करने के लिए संप्रभु राष्ट्रों के बीच कोई स्थायी समझौता कैसे हो सकता है, जब तक कि यह ऐसे किसी पेशेवर दृष्टिकोण के लिए पूर्ण सम्मान पर आधारित न हो। बैंक की कार्यशैली ही सम्मान के लिए विकसित हो तो अच्छा होता है, दरअसल ऐसी मंशा यूजीन आर. ब्लैक चाहते थे।

हमारे देश का भी अपना एक बैंक है रिजर्व बैंक ऑफ़ इण्डिया। भारतीय रिजर्व बैंक को जब हम बचपन में मुद्रा में देखते थे, तो उसी समय परिचित हुए थे। एक रूपये, दो रूपये, पांच रूपये, दस रूपये, बीस रूपये और एक सौ के लिए जारी करेंसी पर जब गवर्नर जनरल के लिखे अधिकृत वचन छपे होते थे और साथ ही लिखा होता था, भारतीय रिजर्व बैंक तो गर्व की अनुभूति होती थी। बाद में जो पांच सौ, एक हज़ार और दो हज़ार की नोट आयीं उसमें भी कुछ ऐसा ही था। इन नोट के साथ एक व्यक्ति की खुशी होती थी। समूह में कार्य करने वाले सेल्फ हेल्प ग्रुप्स हों या को-ऑपरेटिव बैंक में चल रहे किसानों के खाते, उसमें जमा धन लोगों को अपने होने का बोध कराते थे। भारतीय रिजर्व बैंक ने यह स्वबोध प्रदान किया था जिसके अब 90 वर्ष हो गए हैं। यद्यपि रिजर्व बैंक की भूमिका केवल स्वबोध तक सिमित नहीं थीं अपितु देश की तरक्की व जितने भी उपक्रम हैं उसके विकास में यदि किसी के स्वबोध और पूर्ण होने का बोध था तो वह था भारतीय रिजर्व बैंक से।

इसके 90 वर्ष होने के बाद भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विस्तार से अपनी बात रिजर्व बैंक के बारे में की उसमें जो ख़ास बातें नरेंद्र मोदी ने कही वह थी-कैसे देश का बैंकिंग सिस्टम ट्रांसफॉर्म हुआ, ये अपने आप में एक स्टडी का विषय है। और हमारी सरकार ने 'रिकग्निशन', 'रिज़ॉल्यूशन' और 'रि-कैपिटलाइजेशन' की रणनीति पर काम किया। दूसरी बात थी, जिस देश की प्राथमिकतायें स्पष्ट हों, उसे प्रगति करने से कोई नहीं रोक सकता। यह दोनों बातें देश के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण हैं। अपने उद्भव से लेकर अब तक के रिजर्व बैंक ऑफ़ इण्डिया के लिए गए इनिशिएटिव और उसकी प्राथमिकतायें ही उसे सतत देशहित में बताती रही है।

उसने यदि ऐसा न किया होता तो शायद हमारे बैंकिंग प्रणाली को मजबूती नहीं मिली होती और देश विकास की अपने इस पड़ाव को कभी नहीं देख पता जहाँ उसकी स्थिति चिन्हित की जा रही है।

देश में समस्याओं का समाधान चूँकि भारतीय रिजर्व बैंक से होना होता है लेकिन निःसंदेह देश के नेतृत्व इसे बनाए रखने और हमारे देश की बैंकिंग प्रणाली को सुचारू बनाने में अपनी अहम् भूमिका निभाए हैं, इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता। प्रधानमंत्री ने इसीलिए रिजर्व बैंक ऑफ़ इण्डिया की खुलकर तारीफ की और यहां तक कह दिया कि विकसित भारत के बैंकिंग विजन के इस पूरे अध्ययन के लिए रिजर्व बैंक बहुत उपयुक्त संस्था है। आपके ये प्रयास 2047 के विकसित भारत के निर्माण के लिए बहुत अहम होंगे।

यह बात देश के अर्थव्यवस्था के जानकर लोगों के पल्ले न जाने कितना पड़ी लेकिन सच कहें तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारतीय रिजर्व बैंक के कर्ताधर्ता और वित्त क्षेत्र में दखल रखने वाले लोगों का काम थोडा बढ़ा दिया है। उन्हें विकसित देश की ओर ले जाने वाला बैंक चाहिए और बैंकिंग प्रणाली चाहिए, एक बात तो स्पष्ट हो गयी है। देश के लिए एक सशक्त दबाव सहित व्यवस्था बनाने वाले नेतृत्व व उसकी प्रतिबद्धता से ही देश विकसित राष्ट्र बन सकता है इसके लिए प्रधानमंत्री ने जो कहा उसे उसी अनुरूप बनाना भी होगा, एक बात तो यह तय हो गयी है। इसमें किसी द्विधा नहीं है कि प्रधान मंत्री भारत की विकास यात्रा में सबसे अहम् अवदान भी भारतीय रिजर्व बैंक का माँ रहे हैं और उसको सक्रिय होने की बात कर रहे हैं।

विगत दस वर्षों में निःसंदेह डिजिटल इण्डिया का प्रभाव दिख रहा है। छोटा खुरदरा व्यापारी से लेकर बड़े स्तर पर डिजिटल इण्डिया की भारतीय क्रांति भारतीय रिजर्व बैंक के श्रेष्ठ प्रयास से संभव हो सका है। अभी आप लोग सेन्ट्रल बैंक डिजिटल करेंसी पर भी काम कर रहे हैं। यानी पिछले 10 वर्षों में हुए ट्रांसफार्मेशन की एक तस्वीर ये भी है। एक दशक के भीतर ही हम पूरी तरह से एक नई बैंकिंग व्यवस्था, एक नई अर्थव्यवस्था और नए करेंसी एक्सपीरिएंस में प्रवेश कर चुके हैं और जैसा मैंने पहले कहा है, पिछले 10 साल में जो हुआ, वो तो सिर्फ ट्रेलर है। अभी तो बहुत कुछ करना है, अभी तो हमें देश को बहुत आगे लेकर जाना है-प्रधानमंत्री के शब्द। नरेंद्र मोदी को आखिर इतना विश्वास आता कहां से है, सभी यही सोचते हैं। सभी यह जानना चाहते हैं आज कि प्रधानमंत्री आखिर वो कौन सा सपना देख रहे हैं जो अभी के कार्य को ट्रेलर बता रहे हैं और आने वाले समय में आगे बढ़ जाने की उद्घोषणा कर रहे हैं। सच में यदि भारत के सभी क्षेत्रों में विकास के साथ बैंकिंग प्रणाली हमरी मजबूत हुई तो हमारे देश की जन-सामान्य की जिंदगी बहुत सहज हो जाएगी और जो कार्य करने की क्षमता है वह कई गुना और बढ़ जाएगी। फलतः जो हमरी इकोनॉमी आज तीसरे स्थान पर है वह और भी आगे सरक जाएगी और हम कभी अर्थव्यवस्था में प्रथम स्थान पर भी देखे जा सकते हैं।

फिलहाल, भारतीय रिजर्व बैंक के सामने जो चुनौतियाँ हैं और जो उसकी पहुंच है उस पर ज्यादा ध्यान देने की आवश्यकता है। दुनिया के जो पांच बैंक श्रेष्ठता सूची में अपना नाम दर्ज करा रहे हैं उन्हें भी पीछे छोड़ना है। भारतीय रिजर्व बैंक को इसे चुनौती के रूप में लेना होगा कि हमारे सकल घरेलू उत्पाद को हम कैसे हैपीनेस में बदल दें।

प्रधानमंत्री ने जो कहा कि भारत की ग्रोथ के जितने प्रोस्पेक्ट्स और पोटेंशियल हैं, उसको ध्यान में रखते हुए क्रेडिट की कितनी उपलब्धता होनी चाहिए और उसको कैसे सस्टेनेबल तरीके से मैनेज किया जाना चाहिए, इसे आधुनिक परिप्रेक्ष्य में तय किया जाना बहुत आवश्यक है। इस बात को पकड़ कर यदि हमारे बैंकिंग क्षेत्र के लोग कार्य करेंगे तो भारतीय रिजर्व बैंक का नाम सुनहरे अक्षरों में ही दर्ज होगा, इसमें कोई संदेह नहीं है। इसके लिए रिजर्व बैंक को निःसंदेह खुद से सवाल करने होंगे और उन सवालों के ज़वाब भी ढूंढने होंगे।

एआई, ब्लॉक चेन, डिजिटल साइबर सिक्योरिटी के सवाल ऐसे कई मोर्चे हैं जिसपर हमारा एक ऐसा इंटलैएक्चुअल फोकस होना चाहिए, इसे बैंकिंग में बढ़ाना होगा और तदनुसार चुनौतियों से निपटना होगा। बैंकिंग क्षेत्र में नवाचार तो काफी हुए हैं लेकिन अभी गांव, आदिवासी इलाके तक हमारे बैंक पहुंचने शेष हैं। जनधन योजना से खुले करोड़ों भारतीयों के खाते निःसंदेह भारत को बैंकिंग मन से जोड़ा है। उन्हें एकीकृत किया है लेकिन इसके 100 वर्ष पर जो लक्ष्य हैं, उसे चिन्हित करके यदि बदलाव किया गया तो हमारे देश की स्थिति और बैंकिंग के बारे में विश्वास दोनों को हम दुरुस्त कर सकेंगे। भारतीय रिजर्व बैंक हमारे देश के लिए एक सकारात्मक सहयोगी संस्था है जो सरकार का भी है और आमजन का भी। इसके विकेंद्रीकरण के साथ इसमें कार्य करने वाले व्यक्तियों के व्यवहार मानवीय धरातल पर रहकर भारतीय जन की सेवा देने में गहरी रूचि लेंगे और देश को आगे बढ़ाएंगे तो निःसंदेह इसके बारे में जो जन सामान्य की अवधारणा होगी वह अकल्पनीय होगी।

लोकसभा चुनाव 2024 : महिला मतदाता की निर्णायक भूमिका

महिला सशक्तिकरण

डॉ. सौरभ मालवीय
लेखक लखनऊ विश्वविद्यालय में एसोसिएट प्रोफेसर है।

2024 लोकसभा चुनाव सिर पर है। इस बार भी चुनाव में महिला मतदाता निर्णायक भूमिका में रहेंगी। इसलिए भारतीय जनता पार्टी विकास के मुद्दे के साथ- साथ महिला सशक्तिकरण को लेकर चुनाव प्रचार कर रही है। भारतीय जनता पार्टी को पूर्ण आशा है कि उसे महिलाओं का भरपूर सहयोग प्राप्त होगा। इसके अनेक कारण हैं। वास्तव में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने दस वर्ष के शासन काल में महिला सशक्तिकरण के लिए अनेक उल्लेखनीय कार्य किए हैं। उन्होंने न केवल महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में कार्य किए, अपितु उनके मान- सम्मान को भी विशेष महत्व दिया। वे दावे से कहते हैं कि महिलाओं की सुरक्षा, सुविधा और सशक्तिकरण - ये मोदी की गारंटी है। उनका कहना है कि मोदी ने बहन- बेटियों को लोकसभा और विधानसभा में आरक्षण की गारंटी दी थी। वह पूर्ण हो चुकी है। मोदी ने मुस्लिम बहनों को तीन तलाक की कुरीति से मुक्ति दिलाने की गारंटी भी दी थी। ये गारंटी भी मोदी ने पूर्ण की है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के महिला सशक्तिकरण के कार्यों में नारी शक्ति वंदन अधिनियम का नाम प्रमुख है। भारतीय जनता पार्टी की सरकार महिला सशक्तिकरण के लिए सदैव से ही प्रतिबद्ध रही है। मोदी सरकार ने समय- समय पर दोहराया है कि उनकी सरकार महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए हरसंभव प्रयास करेगी। नारी शक्ति वंदन अधिनियम इसी प्रयास का ही परिणाम है। सितम्बर 2023 पारित यह विधेयक लोकसभा, राज्य विधानसभाओं और दिल्ली विधानसभा में महिलाओं के लिए एक तिहाई सीटें आरक्षित करता है। इसके पारित होने से महिलाओं की एक लम्बित मांग पूर्ण हुई है। इस विधेयक को लेकर विपक्षी दलों ने केवल टाल- मटोल का व्यवहार ही किया था। उन्होंने इस विधेयक को लेकर केवल महिलाओं के वोट हथियाने का ही प्रपंच रचा। उन्होंने इस संबंध में कभी गंभीरता से कार्य नहीं किया। किन्तु प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस विधेयक के संबंध में पूर्ण निष्ठा एवं गंभीरता से कार्य किया तथा इसे पारित करवाया। इसी प्रकार बिना किसी भेदभाव के मुस्लिम महिलाओं के हित में भी निर्णय लेते हुए उन्हें तीन तलाक की कुरीति से मुक्ति दिलवाई। इस पर भी उन्हें निशाना बनाया गया, परन्तु उन्होंने किसी की नहीं सुनी और मुस्लिम बहनों के हित में निर्णय लिया। इन सब निर्णयों के कारण ही महिलाओं में मोदी सरकार विशेषकर नरेन्द्र मोदी के प्रति विश्वास बढ़ा है। इसीलिए उन्हें महिलाओं का भरपूर जनसमर्थन प्राप्त होता रहा है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का मानना है कि भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए नारी शक्ति को अधिक से अधिक अवसर देना अत्यंत आवश्यक है। भाजपा सरकार के प्रयास से आज देश के प्रत्येक क्षेत्र में महिलाओं के लिए नए रास्ते बन रहे हैं। मोदी सरकार महिलाओं के लिए स्वास्थ्य, शिक्षा एवं रोजगार आदि से संबंधित अनेक योजनाएं संचालित कर रही है। महिलाओं को खुले में शौच से मुक्ति दिलाने के लिए युद्धस्तर पर शौचालयों का निर्माण करवाया जा रहा है। इससे एक ओर महिलाओं को मान मिल रहा है, दूसरी ओर उन्हें अपराधों से भी मुक्ति मिल रही है। महिलाएं शौच के लिए अंधेरे में ही निर्जन स्थानों पर जाती हैं। ऐसी परिस्थिति में वे अपराधी तत्वों का शिकार बन जाती हैं। इसके अतिरिक्त समय पर नित्य कर्म से न निपटने के कारण वे अनेक रोगों की भी चपेट में आ जाती हैं। किन्तु शौचालयों के निर्माण से उन्हें इस समस्या से छुटकारा मिल रहा है। आवास एवं शहरी कार्य मंत्री हरदीप सिंह पुरी के अनुसार देश में विगत नौ वर्षों में 12 करोड़ शौचालय बनाए गए हैं, जिससे देश को खुले में शौच के अभिशाप से मुक्ति मिली है।

वास्तव में मोदी सरकार महिलाओं के हित के अनेक कार्य कर रही है। वह उनकी प्रत्येक छोटी से छोटी बात का भी ध्यान रख रही है। महिलाओं का स्वप्न होता है कि उनका भी अपना निजी मकान हो। इस बात को ध्यान में रखते हुए मोदी सरकार निर्धन लोगों को पक्के आवास उपलब्ध करवा रही है। इनके पंजीकरण में महिलाओं का नाम सम्मिलित किया जा रहा है। इसके कारण अब महिलाएं भी अपने घर की स्वामिनी बन रही हैं। उनका स्वयं के घर का स्वप्न पूर्ण हो रहा है। इतना ही नहीं मोदी सरकार महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में भी तीव्र गति से कार्य कर रही है। महिलाओं को रोजगार के लिए प्रशिक्षण दिया जा रहा है। प्रशिक्षित महिलाओं को स्वरोजगार अर्जित करने के लिए ऋण उपलब्ध करवाया जा रहा है। इससे वे कुटीर उद्योग चालू कर रही हैं। जो महिलाएं सिलाई का कार्य जानती हैं तथा उनके पास सिलाई मशीन क्रय करने के लिए धन नहीं हैं उन्हें निःशुल्क सिलाई मशीनें वितरित की जा रही हैं। ये महिलाएं अब घर पर ही सिलाई का कार्य करके धन अर्जित कर रही हैं। आत्मनिर्भरता के कारण उनका आत्मविश्वास भी बढ़ा है। अब वे अपनी इच्छा से अपना धन व्यय कर रही हैं। उनके जीवन यापन की शैली में परिवर्तन आया है। यह सब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की महिला हितैषी योजनाओं का ही परिणाम है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी कहते हैं कि भारत की नारी शक्ति, विकसित भारत की एक सशक्त स्तंभ है। भारत की नारी शक्ति की आर्थिक शक्ति बढ़े, इसके लिए बीते दस वर्षों में बीजेपी सरकार ने निरंतर कार्य किया है। जनधन योजना के अंतर्गत करोड़ों बहनों के बैंक खाते खोले हैं। इन दस वर्षों में देश में स्वयं सहायता समूह से जुड़ी महिलाओं की संख्या दस करोड़ को पार कर गई है। देश में दस वर्षों में बहनों के इन समूहों को स्वरोजगार के लिए आठ लाख करोड़ रुपए की सहायता बैंकों से दिलवाई गई है।

पीएम नरेन्द्र मोदी ने मन की बात में कहा था कि आज देश में कोई भी क्षेत्र ऐसा नहीं है, जिसमें देश की नारी- शक्ति पीछे रह गई हो। एक और क्षेत्र, जहां महिलाओं ने अपनी नेतृत्व क्षमता का बेहतरीन प्रदर्शन किया है, वह है- प्राकृतिक खेती, जल संरक्षण और स्वच्छता। केमिकल से हमारी धरती माँ को जो कष्ट हो रहा है, जो पीड़ा हो रही है, जो दर्द हो रहा है - हमारी धरती माँ को बचाने में देश की मातृशक्ति बड़ी भूमिका निभा रही है। देश के कोने- कोने में महिलाएं अब प्राकृतिक खेती को विस्तार दे रही हैं। आज अगर देश में 'जल जीवन मिशन' के अंतर्गत इतना काम हो रहा है तो इसके पीछे पानी समितियों की बहुत बड़ी भूमिका है। इस पानी समिति का नेतृत्व महिलाओं के ही पास है। इसके अलावा भी बहनें-बेटियां, जल संरक्षण के लिए चौतरफा प्रयास कर रही हैं।

मोदी सरकार द्वारा महिलाओं की सुरक्षा, सुविधा एवं सशक्तिकरण के लिए किए गये कार्यों की सफलता ही है कि आज महिलाएं आत्मविश्वास के साथ निर्भीक होकर घर से बाहर जाकर कार्य कर रही हैं। कहा जाता है कि महिला मतदाता साइलेंट वोटर होती हैं। महिला मतदाता जिस दल को अपना समर्थन देती हैं, उसे ही बहुमत प्राप्त होता है तथा सरकार उसी दल की बनती है। विशेष बात है कि मुस्लिम महिलाएं इन्हें अपना भरपूर समर्थन दे रही हैं। इस बार यह देखना अत्यंत रोचक होगा कि महिलाएं उन्हें कितना समर्थन देती हैं।

सेंस, कॉमनसेंस, डिफेंस, डिफरेंस, रेफ्रेंस एंड प्रेफ्रेंस

कटाक्ष

प्रदीप मिश्र

असंतुष्ट कुमार और उनके संगी-साथी कुछ भी करतब करें। आत्ममुग्ध बाबू और उम्मीद प्रसाद अप्रभावित रहते हैं। वह चिकने घड़े हो गए हैं। एक दशक में बहुत बड़े हो गए हैं। सब मनुष्य दो का सहारा लेते हैं, ये तो चार पैरों पर खड़े हो गए हैं। आत्ममुग्ध तो आश्चर्यजनक प्रतिभा के स्वामी हैं। सुना है कि 23 साल से उन्होंने छुट्टी नहीं ली। हालांकि यह पता लगाया जा रहा है कि उनका काम क्या है। वह कहां पढ़े-लिखे हैं। अवकाश लेते तो आवेदन किसको देते। कुर्सी बचाने के लिए तो ऐसा करना जरूरी नहीं हो गया है। सवालों से बचने की छूट और छुट्टी दोनों लोगे। ये अच्छी बात नहीं है...मिस्टर इंडिया। नौकरी करने पर तो बात मानी जा सकती है। कदाचित सेवा के लिए किंचित मात्र अवकाश की आवश्यकता नहीं है।

'सैर कर दुनिया की गाफिल जिंदगानी फिर कहां...जिंदगानी गर रही तो नौजवानी फिर कहां...' को सबसे ज्यादा आत्मसात आत्ममुग्ध बाबू ने ही किया है। कभी-कभी तो ऐसा हुआ जैसे 'थोड़ी देर को आते हो...चले जाते हो...' कभी इस डगर-कभी उस डगर करते-करते कारवां बन गया है। बागवां बनने की कसर है। फिर भी सेल्फ डिफेंस और कांफिडेंस काबिल-ए-तारीफ है। पहले जिनपिंग को झूला झुलाया, अब सभी को झुला रहे हैं। पार्टी विद डिफरेंस तेज गति से रेफ्रेंस बन रही है। भविष्य में इस काल को सजावट, दिखावट, बनावट और मिलावट के लिए याद किया जाएगा। अर्श, फर्श, उत्कर्ष हर्ष के कितने वर्ष पर शोध प्रबंध लिखे जाएंगे। अनगिनत लोग इस पुनीत कार्य को कर विद्या वाचस्पति यानी डॉक्टर लिखने के हकदार हो जाएंगे। डिले हो सकता है पर डिलीवरी तय है। हिंदी में इसी को 'भगवान के घर देर है अंधेर नहीं' कहते हैं।

आजकल ईडी के साथ हर ओर चंदा-फंदा का शोर है। आत्ममुग्ध ने समझा दिया है कि उन्होंने चिंदी चोरी मतलब छोटी चोरी नहीं की है। बड़े खजाने के लिए बरजोरी की है। फलस्वरूप पर्याप्त फंड है। इसका प्रचंड घमंड है। कहीं-कहीं सीडी की भी बात कही जा रही है। सी यानी करप्शन और डी अर्थात् डेवलपमेंट एक सिक्के के दो पहलू हैं। फिर हम तो 'वन टू का फोर-फोर टू का वन...' करने-बनाने में निष्णात हैं। आने वाले दिनों में नवजात बच्चों में इस गुण का विकास करने के लिए वैक्सीन लगाने का प्रबंध किया जाएगा। यदि संभव हुआ तो महाभारत काल के समय अभिमन्यु के गर्भ में चक्रव्यूह जानने-समझने की कला का प्रादुर्भाव किया जाएगा। हाल में मैंने अपनी आत्मिक शक्ति के बल पर बिल गेट्स को बताया है कि एआई हमारे यहां पहले से है। यहां बच्चा पैदा होते ही आई और एआई यानी मां बोलता है।

उम्मीद प्रसाद भी किलोल (बकलोल समझना वर्जित) कर रहे हैं। सगर्व बताया कि वे इस समय वास्तव में ईडी के ही भरोसे हैं। इन्फोर्समेंट, एक्सटॉर्शन (हिंदी में इसके लिए उपयुक्त शब्द नहीं है। उच्चस्तरीय कमेटी गठित कर दी गई है, जो अगले चुनाव से पहले अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत कर देगी।), इलेक्शन कमीशन ऑफ इंडिया, ईवीएम (एव्री वोट फॉर ओनली मोर एंड मोर...), इमरजेंसी (आजकल अमृतकाल), इकनॉमी, एजुकेशन, इंप्लायमेंट (रोजगार निर्माण ही कहिए। इसे बेरोजगारी से जोड़ना नैतिक और विधिक अपराध माना जाएगा) इमोशन, एक्यूएशन, एनर्जी, एक्साइटमेंट और ईगरनेस महसूस करिए। फिर आपको जो अनुभूति होगी, उसमें इंगेज होकर आप सभी के इनलाइटनमेंट (प्रबोधन) से परिपूर्ण होकर एवरग्रीन रहते हुए अभिभूत में संशय नहीं होगा।

डियरनेस (महंगाई) के दौर में हम बातों और वस्तुओं का इनकैशमेंट (नकदीकरण) कर रहे हैं। डॉयलॉग, डिस्कशन और डिबेट के बाद इस पर डिसीजन किया जाता है। मुख्य पहलू डिवीजन, डिटैचमेंट और डावयर्जन होता है। इसके डायलूट होने तक डिरेलमेंट रोकने के लिए डिप्लायमेंट रहता है। स्पष्ट कर दूं कि डिफरेंस (मनभेद किसी से हीं नहीं। सबके मन की कुंजी है।) के बावजूद डिसीप्लिन (अनुशासन) बनाए रखें। डिवोशन और डेडिकेशन से डिक्टेशन लें और डिक्टेटरशिप के डाइरेक्शन को बर्दाश्त करें। समझने की जरूरत है कि डिवाइन पावर (ईश्वरीय शक्तियों) के आदेश को न मानने से डिस्टरबेंस (अव्यवस्था, असंतुलन आदि इत्यादि) होती है। उपरोक्त सभी बातों के अनुपालन को सुनिश्चित करने की प्रतिबद्धता (डिटरमिनेशन) प्रदर्शित करें और अपने अनन्य प्रेमियों को इसी तरह की प्रेरणा देने में परहेज न करें। यह भी जान लीजिए सीडी पुरानी पहेली है। ईडी इसकी नई नवेली सहेली है। जैसे ही जन गण मन अभ्यस्त हो जाएंगे। अपनी दुनिया में मस्त और व्यस्त हो जाएंगे।

इसी परिप्रेक्ष्य में असंतुष्ट कुमार को अंतर्यामियों ने सीख देनी शुरू कर दी है। कहा-हार मत मानो। क्या पता आपकी अगली कोशिश ही आपको कामयाबी की ओर ले जाए। उधर, आत्ममुग्ध बाबू के लिए किसी ने लिख दिया कि नीयत कितनी भी अच्छी हो। दुनिया आपको दिखावे से जानती है। बात पूरी हो गई थी लेकिन किसी ने इसके आगे लिख दिया कि दिखावा कितना भी अच्छा हो, भगवान आपको नीयत से जानते हैं। इन दिनों व्हॉटसएप पर खूब शेयर किया जा रहा है कि मस्तिष्क कचरे का डिब्बा नहीं है, जिसमें क्रोध, अहंकार, मोह, माया और जलन रखें। इस पर विचार-प्रचार करते ज्ञान मिला कि उन लोगों से दूरी बनाए रखें, जो हमेशा आपको महसूस कराने की कोशिश करेंगे कि सब आपकी गलती है।

स्वामी, सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक उमेश त्रिवेदी द्वारा श्री सिद्धीविनायक प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 26-बी, देशबंधु परिसर, प्रेस कॉम्प्लेक्स, जोन-1, एम.पी.नगर, भोपाल, म.प्र. से मुद्रित एवं डी-100/46, शिवाजी नगर भोपाल से प्रकाशित।

संपादक - उमेश त्रिवेदी

(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा)

RNI No. MPHIN/ 2003/ 10923,
Ph. No. 0755-2422692, 4059111
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

व्यंग्य

प्रभात गोस्वामी

कटऽऽऽकटऽऽकट !

नेताजी अपने चुनाव क्षेत्र के मतदाताओं के लिए एक पीआर कंपनी से रील बनवा रहे थे. आजकल लोग रियल से ज्यादा रील पर भरोसा कर रहे हैं. चेहरे पर समृद्ध भारत- सी चमक, कितने ही जनहित के मुद्दे, आमजन के हक चबाने के बाद भी बत्तीसी एकदम सफ़ेद झक़. आप मुंह में एकबार झंकार देखें तो ब्रह्माण्ड के दर्शन करवाने के दावे! माथे पर रंगबिरंगा साफा और बदन पर चमकीली जैकेट से देश-प्रदेश की समृद्धि दिखाई पड़ रही है. नेताजी का संदेश शूट हो रहा था. निर्देशक शॉट पूरा होते ही जोर से चिल्लाया-'कटऽऽऽकटऽऽकट!!'

नेताजी के लाल चेहरे पर अचानक पीली परतें उभर आई. माथे पर चिंता की आड़ी-तिरछी लकीरें उभर कर क्या आईं, उन्होंने गुस्से से निर्देशक के चेहरे पर पट..पट..पट तीन चांटे जड़ दिए. वह जोर से चिल्लाए, 'अरे क्या हुआ? कल ही तो टिकट मिलने की खबर आई थी. फिर आज अचानक कैसे कट गया,मैंने तो चुनाव लड़ने में आनाकानी भी नहीं की थी?' नेताजी का चिंतित होना वाजिब था. इन दिनों चुनाव क्षेत्र में अंतिम समय में कट..कट की आवाजें भी आम हो गई हैं. एक झटके में अरमानों का पुल ढहकर ज़मींदोज़ हो जाता है. सारी मेहनत पर पानी फिरते देर नहीं लगती.

रुआंसे निर्देशक ने जब समझाया कि, 'फिल्मों में शूटिंग में शॉट पूरा होने पर ऐसा ही बोलते हैं. चिंताइए मत. सब कुछ सही है.' तब जाकर नेताजी फिर से सहज हुए. आजकल राजनीति में सहज भावों का आभाव है! उनके चेहरे के भावों ने फिर से यूटर्न लिया,यह सामयिक है. लाखों मतदाताओं के चरणस्पर्श करते-करते पीठ दोहरी हो चुकी थी. जिन लोगों को अपनी चौखट में भी नहीं घुसने देते थे,उन्हें प्यार से अपने ड्राइंगरूम में बैठा रहे हैं . निर्धन लोगों के घरों में (अपना) खाना खा रहे हैं. इस बार क्षेत्र की सड़कों पर झाड़ू लगाने का कार्यक्रम अचानक स्थगित कर दिया. ये चुनाव प्रचार भी कैसे-कैसे दिन दिखाता है!

बहरहाल, आजकल नेताजी क्षेत्र में जाते हैं तो उनके आसपास उस क्षेत्र के मुअज्जिज लोगों की भीड़ रहती है,कई दिनों से उँगलियों से जीत का प्रतीक 'वी', बनाए रखने के कारण उँगलियाँ, अकड़कर 'वी' आकार में जम गई हैं. उनके आगे एक गाड़ी में कैमरामैन, खुद के पीछे मेकअपमैन और ड्रेस डिजायनर होते हैं. कई जगह लोक की जगह लोक कलाकारों का झुण्ड उनको घेरे रहता है. संस्कृति के संरक्षण के लिए नेताजी ठुमके भी लगाते नज़र आते हैं.

रैली के समय घरों की छतों से उन्हीं के खर्चे पर फूल बरसाए जाते हैं! चाय की थड़ी में आम आदमियों (नुक्कड़ नाटक के कलाकारों) के साथ चाय भी सुड़कते हैं. तब कैमरामैन उनकी भांति-भांति की मुद्राओं में फोटो खींचते हैं. मेकअपमैन हर दस मिनट में चेहरा पोंछता हुए उससे गड्ढे भरने के साथ चहरे के असली भाव छुपाते हैं. उनकी ताज़गी बनाए रखते हैं. गर्मी के मौसम में एकाध घंटे में कहीं रुक कर ड्रेस डिजायनर कपड़े बदलवाते हैं. अब पहले जैसे चुनाव नहीं होते. खड़े होने,बैठने,मुस्कराने, बोलने सहित अब हर चीज़ का चुनाव होता है. तब जाकर चुनाव होता है . रियल्टी शो की तरह से प्रचार भी स्क्रिप्टेड होता है.

....आज नेताजी का मूड सुबह से ही क्षेत्र की सड़कों की तरह से उखड़ा हुआ है. विपक्षी पार्टी ने उनसे कहीं भारी उम्मीदवार चुनाव मैदान में उतारा है. उन्हें लगा कि पार्टी ने नाइंसाफी की है. जब पता था कि उनसे भारी नेता उनके सामने आने वाला है, तो उन्हें क्यों बलि का बकरा बनाया गया?

उन्होंने मन बना लिया कि पार्टी आलाकमान से टिकट बदलने का आग्रह करेंगे. इस बीच पुराने कार्यकर्ता घीसू काका ने छानबीन कर बताया कि नेताजी के सामने वाले उम्मीदवार पेट्रूराम वल्द पल्टूराम का वजन नेताजी से पंद्रह किलो अधिक है. पर राजनीति में वह कमज़ोर है. अचानक फिर से ढोल-नगाड़े की आवाज़ गूंजने लगी. नेताजी ने जमकर ठुमके लगाए. हर दृश्य को कैद करता निर्देशक उछल-उछल कर बोल रहा था, 'कटऽऽऽकटऽऽकट.'

राजनीति

डॉ. ललित कुमार

लेखक इनवर्टिस यूनिवर्सिटी, बरेली में पत्रकारिता के सहायक प्रोफेसर हैं।

बीजेपी : नए चेहरों की बिसात पर रुहेलखंड किले को बचाने की कवायद

पश्चिम उत्तर प्रदेश के रूहेलखंड क्षेत्र को भारतीय जनता पार्टी इस बार राजनीतिक प्रयोगशाला के रूप में देख रही है। रूहेलखंड में 25 विधानसभा सीटें आती हैं, जिसमें बीजेपी (2022) के पास 20 सीटें है, तो वहीं 2017 के विधानसभा चुनाव में बीजेपी ने 25 में से 23 सीटों पर कब्ज़ा किया था। इसी दम पर बीजेपी यहां एक मजबूत पार्टी के तौर देखी जाती है। रूहेलखंड में लोकसभा की 10 सीटें आती है, जिनमें बीजेपी के पास सात सीटें है। यानी बीजेपी 2024 के चुनावी रण में कुछ नए प्रयोग करना चाहती है। ताकि उसकी अपनी पुरानी विरासत बची भी रहे और नए तरीके से कुछ वोटरों को लुभाया भी जा सके।

बीजेपी को लगता है कि इस क्षेत्र में उसके पास खोने के लिए कुछ भी नही है। लेकिन रुहेलखंड के असली मिजाज को अगर समझना है, तो इसे बेहद करीबी से समझना होगा, क्योंकि यहां कितने ही राष्ट्रीय एवं क्षेत्रीय स्तर के नेताओं ने अपनी किस्मत आजमाने की कोशिश की है। लेकिन बरेली की जनता ने बाहरी नेताओं को समय आने पर बाहर का रास्ता भी दिखाया है। बरेली मंडल की आंवला सीट से मेनका गांधी, बदायूं से शरद यादव और धर्मेंद्र यादव, साथ ही शाहजहांपुर के जितेंद्र प्रसाद जैसे तमाम दिग्गज्जों को यहां हार का सामना करना पड़ा है।

बीजेपी ने इस बार अपने सबसे पुराने कद्दावर एवं भरोसेमंद नेता रहें संतोष गंगवार (कैबिनेट मंत्री) का लोकसभा टिकट काट दिया है। संतोष गंगवार ने सबसे पहले 1984 में बरेली से चुनाव लड़ा और कांग्रेस की आबिदा बेगम से हारे। फिर 2009 में उन्हें कांग्रेस के प्रवीण सिंह ऐरन के हाथों शिकस्त मिली। इन दो हार के बाद संतोष गंगवार ने कभी पीछे मुड़कर नही देखा और बरेली लोकसभा सीट पर (1989, 1991, 1998, 1999, 2004, 2014 और 2019) बीजेपी को जीत दिलाते हुए आये है। लेकिन 11वीं बार संतोष गंगवार को आखिरकार संतोष ही करना पड़ा।

बरेली में करीब 23 लाख मतदाता है, राजनीतिक दलों के मुताबिक यहां करीब सात लाख मुस्लिम, छह लाख कुर्मी, डेढ़ लाख कश्यप एवं मौर्य और पौने दो लाख वैश्य मतदाता है। यानी बरेली में करीब 35 फीसदी मुस्लिम और 63 फीसदी हिन्दू मतदाता है। इसके बावजूद भी बरेली से मात्र तीन बार ही मुस्लिम और छह बार वैश्य प्रत्याशी जीते है साथ ही पिछड़ा वर्ग से आने वाले संतोष गंगवार बरेली से आठ बार चुनाव जीतकर संसद पहुंचे है। यहां आज तक सपा और बसपा का खाता नहीं खुल पाया है। बरेली सीट पर भाजपा इस बार नए चेहरे को मौका देकर अपने किले को बचाना चाहती है?

बरेली सीट पर बदलाव के आहट के संकेत बहुत पहले ही मिलने लगे थे कि संतोष गंगवार का टिकट इस बार काटना तय है। लेकिन बरेली में एक नाम बड़ी तेजी से चर्चा में उभरकर सामने आया, वह है बरेली मेयर डॉ. उमेश गौतम का और पूर्व मंत्री के बेटे रहे हरिशंकर गंगवार का। इन सभी नामों की सूची में उमेश गौतम को एक एनर्जेटिक नेता के तौर पर देखा जाता हैं, जिनकी छवि बरेलीवासियों के बीच काफी लोकप्रिय नेता की हैं। बीजेपी अगर बरेली सीट पर पहले ही उमेश गौतम को टिकट दे देती तो पार्टी को इससे थोडा फायदा हो सकता था। अब बड़ा सवाल यह है कि बरेली से बीजेपी और संतोष की विरासत को कौन आगे बढ़ाने का काम करेगा जोकि चुनौतीपूर्ण कार्य है।

भाजपा ने इस बार बरेली की बेहड़ी विधानसभा से दो बार विधायक रहे छत्रपाल गंगवार पर दांव अजमाया है। इससे यह तो साबित होता है कि बरेली में बीजेपी का प्रत्याशी गंगवार समुदाय से ही होगा। क्योंकि गंगवार बिरादरी यहां बीजेपी का पुराना कैडर मानी जाती है, जिसकी बदौलत बीजेपी यहां से आठ बार जीतती आ रही है। छत्रपाल गंगवार को भले ही संतोष का साथ मिला हो लेकिन टिकट बंटवारे के समय से बीजेपी हाईकमान में छत्रपाल को लेकर असंतोष के स्वर देखने को मिलने लगे थे। लेकिन पार्टी में जिला स्तर की अंदरूनी कलह की वजह से छत्रपाल की राह आसान नहीं मानी जा रही है। क्योंकि छत्रपाल को जिला स्तर के पदाधिकारियों का समर्थन न मिलना पार्टी के लिए परेशानी खड़ी हो सकती है। अब ऐसे में देखना दिलचस्प होगा कि सपा-कांग्रेस गठबंधन के प्रदीप सिंह ऐरन इसमें कितना कामयाब हो पाते हैं। अब कुछ भी हो बरेली में मुकाबला इस बार दिलचस्प देखने को मिल सकता है। पेश है रूहेलखंड की लोकसभा सीटों का सिलसिलेवार विश्लेषण-

आंवला: वर्ष 1957 तक बरेली जिले में पहले एक ही सीट हुआ करती थी। लेकिन 1962 में परिसीमन होने के चलते आंवला को अलग लोकसभा सीट बनाया गया। इस सीट पर पहली दफा चुनाव 1962 में हिंदू महासभा ने लड़ा। कांग्रेस के पास यह सीट सिर्फ दो बार रही। सपा ने भी यहां से दो बार (1996,1999) जीत दर्ज की। बीजेपी भी आंवला सीट से छह बार (1989, 1991, 1998, 2009, 2014 और 2019) चुनाव जीती है। वर्ष 2009 में मेनका गांधी ने यहां से धर्मेंद्र कश्यप (सपा) को हराया था। 2014 में धर्मेंद्र कश्यप जब बीजेपी में आए तब से यह सीट उसी के पास है, लेकिन बीजेपी ने 2024 में एक बार फिर धर्मेंद्र कश्यप पर दांव खेला है। आंवला में कश्यप समाज काफी अहम् माना जाता है। सपा ने इस बार नीरज मौर्य और बसपा ने नगर पालिका अध्यक्ष आबिद अली को मैदान में उतारकर चुनाव को रोमांचक बनाने की

कोशिश की है लेकिन देखना होगा आंवला से इस बार किसकी किस्मत चमकती हैं।

बदायूं: लोकसभा सीट को यादव लैंड के रूप में जाना जाता है। कहा जाता है कि यहां यादव समाज किसी भी दल को जिताने में एक निर्णायक भूमिका तय करता है। सपा के सलीम शेरवानी ने चार दशकों तक बदायूं में राज किया। सपा ने इस सीट पर छह बार जीत दर्ज की है। यादव समाज में बीजेपी को सेंधमारी करने में 28 सालों का लंबा इंतजार करना पड़ा। वर्ष 1991 में पहली बार स्वामी चिन्मयानंद ने जनता दल के शरद यादव को 15 हज़ार वोटों से हराकर बीजेपी के लिए जीत का दरवाजा खोला था। वर्ष 1984 के बाद से बदायूं सीट पर कभी कांग्रेस नहीं जीती। वर्ष 2019 में बीजेपी की डॉ. संघमित्रा मौर्य ने इस वर्चस्व को तोड़ा। लेकिन बीजेपी ने इस बार डॉ. संघमित्रा मौर्य का टिकट काटकर बदायूं से बरेली के दुर्विजय शाक्य को एक नए चेहरे के तौर उतारा है। शाक्य को बाहरी नेता के तौर पर भी देखा जा रहा है। बीजेपी अगर इस प्रयोग में सफल होती है तो वह सीट को बचा पाने में कामयाब हो सकती है, वरना यहां से सपा प्रत्याशी शिवपाल यादव की जीत के आसार बन सकते हैं।

शाहजहांपुर: लोकसभा सीट साल 2009 में आरक्षित होने के चलते यहां जातीय समीकरण पर मजबूत पकड़ रखने वाले नेताओं ने सिंधी खत्री, ब्राह्मण, यादव, दलित और कुर्मी समाज का प्रतिनिधित्व किया है। वर्ष 1989 और 1991 जनता दल के पास रही इस सीट पर बीजेपी ने पहली बार 1998 में जीत का स्वाद चखा। 1999 में जितेंद्र प्रसाद जबकि 2014 में उनके बेटे जितिन प्रसाद कांग्रेस से जीतकर संसद पहुंचे। वर्ष 2014 में भाजपा यहां से लगातार जीतती आ रही है। बीजेपी ने एक बार फिर यहां से अरुण सागर पर दांव खेला है।

पीलीभीत: लोकसभा सीट को मेनका गाँधी और वरूण गांधी का गढ़ माना जाता है। इस सीट से सात बार कुर्मी बिरादरी के ही सांसद बने है। लेकिन 1989 में जब मेनका गांधी की एंट्री होती है, तो उसके बाद से स्थितियां बदल जाती है। मेनका गांधी 1989 में भानु प्रताप सिंह को हराकर इस बर्चस्व को तोड़ने में कामयाब होती है। वर्ष 1991 में मनेका गाँधी (जनता दल) ने बीजेपी के परशुराम गंगवार को हराकर कीर्तिमान रचा था। जहां से वह (1989, 1991, 1996, 1998, 1999, 2004 व 2014) सात बार चुनाव जीत कर संसद पहुंची है। मेनका गांधी दो बार (1998, 1999) निर्दलीय और दो बार (2004 व 2014) बीजेपी के टिकट पर चुनाव लड़ने में कामयाब होती है।

वर्ष 2009 व 2019 में मनेका गांधी, पीलीभीत से वरूण गांधी को चुनाव लड़ाती और यह सीट फिर से बीजेपी के पाले में चली जाती हैं। यानी तब से आज तक यह सीट बीजेपी की फिक्स सीट मानी जाती है। वरूण गांधी का टिकट काटकर बीजेपी ने इस बार जितिन प्रसाद पर दांव खेला है। पीलीभीत में बाहरी बनाम लोकल का मुद्दा खूब छाया हुआ है। अब ऐसे में जितिन प्रसाद की राह यहां से आसान होती हुई नहीं दिख रही है। क्योंकि पीलीभीत की जनता के दिलों में आज भी गाँधी परिवार बसता है। इसलिए वरूण गाँधी उनकी पहली पंसद हैं। सपा ने भगवत शरण गंगवार को इस बार अपना प्रत्याशी बनाया है, जबकि बसपा ने अनीस अहमद खां को मैदान में उतरा हैं। वैसे पीलीभीत में सपा और भाजपा के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिल सकता है।

लखीमपुर खीरी: लोकसभा सीट से केंद्रीय गृह राज्यमंत्री अजय मिश्रा टोनी ने पहली बार बीजेपी के टिकट पर चुनाव लड़ा। यहां चार बार कांग्रेस, तीन बार समाजवादी पार्टी और पिछले दो बार से यह सीट बीजेपी के पास है। लखीमपुर खीरी में करीब 3.25 लाख मुस्लिम, 4.25 लाख दलित और करीब पौने पांच लाख ओबीसी मतदाता है। इस लोकसभा सीट में पांच विधानसभा सीटें है, जिस पर बीजेपी का कब्जा है। वर्ष 2021 में कृषि कानून के विरोध में उतरे किसानों पर अजय मिश्रा के बेटे ने गाड़ी चढ़ा दी थी। इस घटना को लखीमपुर के किसान भूले नही है। यही कारण है बीजेपी की प्रति यहां की जनता में काफी नाराजगी है। इसलिए बीजेपी इस सीट को बचाने में कड़ी मशक्कत कर सकती हैं। देखना दिलचस्प होगा कि इस बार के चुनाव में लखीमपुर की जनता क्या चाहती है?

धौरहरा: लोकसभा सीट 2009 में परिसीमन के चलते कांग्रेस के जितिन प्रसाद ने यहां से पहली बार चुनाव जीता और 2014 से यह सीट बीजेपी के पास है। धौरहरा में सवर्ण, मुस्लिम और पिछड़ी जातियों की तादात अच्छी खासी मानी जाती है। यानी किसी भी दल की जीत तय करने में यहां मुस्लिम, दलित और ओबीसी वोट निर्णायक भूमिका में होते हैं। बीएसपी यहां भी दूसरे नंबर की पार्टी रही है। अब देखना होगा कि बीएसपी इन दोनों सीटों पर अपने सूखे को खत्म करने में कितना कामयाब होती है या फिर से यहां कमल खिलेगा?

कुल मिलाकर मुरादाबाद, रामपुर और संभल लोकसभा सीटों पर मुस्लिम मतदाता एक अहम निभा सकते है। इसलिए सपा-कांग्रेस गठबंधन, बसपा और बीजेपी के बीच एक त्रिकोणीय मुकाबला देखा जा सकता हैं। जहां बीजेपी के लिए कुछ सीटों पर जीत की राह आसान होती हुई नही दिख रही है, तो वहीं बाकी पार्टियां बीजेपी के इस अभेद किले में कितनी सेंधमारी करती है? या बीजेपी नए चेहरों के दम पर अपनी पुरानी विरासत को बचाने में कितनी सफल होती है? या बीजेपी की अंदरूनी कलह का लाभ अन्य पार्टियों को कितना मिलता है? यह देखना दिलचस्प होगा।

सेहत

ललित गर्ग

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

नकली दवाओं से जीवन-रक्षा पर बढ़ते खतरे

दवाओं में मिलावट एवं नकली दवाओं का व्यापार ऐसा कुत्सित एवं अमानवीय कृत है जिससे मानव जीवन खतरे में हैं। विडम्बना है कि दवा बनाने वाली कंपनियों के लिए गुणवत्ता नियंत्रण का कोई नियम नहीं है और स्वयं कंपनियां ही अपनी दवाओं की गुणवत्ता का सत्यापन करती हैं। यह ठीक नहीं और ऐसे समय तो बिल्कुल भी नहीं, जब दवाओं की गुणवत्ता को लेकर दुनिया भर में जागरूकता बढ़ रही है। चूंकि भारत एक बड़ा दवा निर्यातक देश है और उसे विश्व का औषधि कारखाना कहा जाता है, दुनियाभर में भारत की दवाओं का निर्यात होता है, ऐसे समय में बार-बार नकली दवाओं का भंडाफोड़ होना या कैंसर जैसी असाध्य बीमारी की नकली दवाओं का व्यापार करने वालो का पर्दापाश होना, न केवल चिन्ता का विषय है, बल्कि एक जघन्य अपराध है। यह भारत की साख को भी आहत करता है। इसलिए सरकार के लिए यह आवश्यक है कि वह दवा कंपनियों के लिए क्वालिटी कंट्रोल का कोई भरोसेमंद नियम बनाए एवं नकली दवाओं का व्यापार करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करें।

कुछ दिन पहले ही कैंसर जैसी असाध्य बीमारी की नकली एलोपैथिक दवाओं की फैक्टरियां गाजियाबाद से हैदराबाद तक पकड़ी गईं? हाल ही में उत्तर प्रदेश सरकार ने 22 से अधिक नकली या मिलावटी आयुर्वेदिक दवाओं की बिक्री पर रोक लगाई है। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने कैंसर से जुड़े नकली दवाओं के एक बड़े रैकेट का भंडाफोड़ किया है। सुप्रीम कोर्ट में स्वामी रामदेव और पतंजलि आयुर्वेद के प्रबंध निदेशक आचार्य बालकृष्ण के खिलाफ दायर भारतीय चिकित्सा संघ (आईएमए) की याचिका की सुनवाई करते हुए सख्त नाराजगी जाहिर की है। समय आ गया है, आयुर्वेदिक दवाओं के निर्माण से जुड़ी कंपनियों की दवा परीक्षण-प्रणाली की ठोस निगरानी सुनिश्चित की जाए। यह आवश्यक है कि दवा कंपनियों के लिए क्वालिटी कंट्रोल के भरोसेमंद एवं सख्त नियम बनाए जाये। इन नियमों के दायरे में निर्यात होने वाली दवाएं भी आनी चाहिए और देश में बिकने वाली दवाएं भी, क्योंकि जहां नकली और खराब गुणवत्ता वाली दवाएं निर्यात होने से भारत की प्रतिष्ठा धूमिल होती है, वहीं इनका उपयोग देश में होने से लोगों का जीवन खतरे में आ जाता है।

यह तय है कि हमारे देश में आयुर्वेद की बेहद समृद्ध चिकित्सा पद्धति है और करोड़ों लोग इस प्रणाली से लाभान्वित भी हुए हैं। इस बात से आधुनिक चिकित्सा पद्धति (एलोपैथी) या आईएमए का कोई झगड़ा या विरोध भी नहीं है, परेशानी प्रामाणिकता की कसौटी पर खरी आधुनिक चिकित्सा पद्धति को निराधार चुनौती देने और लोगों को गुमराह करने को लेकर है। इन दोनों पद्धतियों के पेशेवरों और दवाओं का अंतिम उद्देश्य मरीजों को स्वस्थ करना है। मगर दुर्योग से दोनों पद्धतियों में कुछ लोभी कारोबारी नकली दवाओं के जरिये बेबस लोगों की सेहत से खिलवाड़ करते हैं। जीवन रक्षक दवाइयों के मामलों में दवा बदलने का मौका नहीं होता है, यहां मिलावट आपको सीधा मौत देती है। दवा व्यवसाय में चलने वाली यह अनैतिकता एवं अप्रमाणिकता बेचैन करने वाली है।

मिलावट व्यवसाय की एक बड़ी विसंगति एवं त्रासदी है। दूध में जल, शुद्ध घी में वनस्पति घी अथवा चर्बी, महँगे और श्रेष्ठतर अन्नों में सस्ते और घटिया अन्नों आदि के मिश्रण को साधारणतः मिलावट या अपमिश्रण कहते हैं। किंतु मिश्रण के बिना भी शुद्ध खाद्य को विकृत अथवा हानिकर किया जा सकता है और उसके पौष्टिक मान-फूड वैल्यू को गिराया जा सकता है। दूध से मक्खन का कुछ अंश निकालकर उसे शुद्ध दूध के रूप में बेचना, अथवा एक बार प्रयुक्त चाय की साररहित पत्तियों को सुखाकर पुनः बेचना मिश्रणरहित अपद्रव्यीकरण के उदाहरण हैं। इसी प्रकार बिना किसी मिलावट के घटिया वस्तु को शुद्ध एवं विशेष गुणकारी घोषित कर झूठे दावे सहित आकर्षक नाम देकर, लुभावने विज्ञापनों से जनता को ठगा जाना अपराध है। पतंजलि आयुर्वेद संस्थान ऐसा ही करते हुए मोटा मुनाफा कमाता रहा है। दरअसल, पतंजलि के भ्रामक विज्ञापनों का पूरा मसला ही अपने आप में एक बड़ा मामला है, खासकर दवाओं के मामले में इसके परिणामों की प्रकृति इसे और गंभीर बना देती है। ऐसे में, अदालत ने केंद्र व राज्य सरकारों के रवैये पर भी गंभीर टिप्पणी की है, विडंबना यह है कि जिस आईएमए ने पतंजलि आयुर्वेद के भ्रामक विज्ञापन और इसके ऊंचे ओहदेदारों के बड़बोलेपन के खिलाफ अदालत की शरण ली है। लेकिन प्रश्न है कि आईएमए ऐसे कितने मामलों में ऐसी जागरूकता बरतती है। अदालत ने अपनी टिप्पणियों में एक बार फिर जता दिया है कि कोई कितना भी रसूखदार क्यों न हो, कानून की महिमा सबसे ऊपर है।

दवा व्यवसाय में एक से बढ़कर एक घातक एवं विडम्बनापूर्ण स्थिति सामने आ रही है। अब आयुर्वेदिक औषधियों को तत्काल राहत देने वाली बनाने के लिए एलोपैथी दवाओं के रसायनों को अवैज्ञानिक तरीके से मिलाने का खतरनाक कारोबार चर्चा में है, जो गंभीर चिंता का विषय बन रहा है। मध्यप्रदेश में खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग ने राजधानी सहित आसपास के नगरों की दवा दुकानों पर छापा मारकर आठ करोड़ 23 लाख रुपये मूल्य की ऐसी आयुर्वेदिक दवाएं जब्त की हैं जिनके बारे में दावा किया जा रहा था कि इनमें रोगों से लड़ने की चमत्कारी शक्ति है। जांच में तथ्य सामने आये हैं कि आयुर्वेदिक दवा वताहारी वटी तथा चंदा वटी में एलोपैथी दवा डाइक्लोफेनिक व एसिक्लोफेनिक को मिलाकर अवैध फार्मूला विकसित किया गया है जिसे दवा विक्रेता जादुई बताकर देश के विभिन्न हिस्सों में बेच रहे थे। उक्त दोनों रसायनों का उपयोग एलोपैथी में दर्द निवारक के रूप में किया जाता है। चिकित्सकों के अनुसार इस फार्मूले का तात्कालिक प्रभाव भले ही चमत्कारी लगे किंतु दूरगामी परिणाम घातक हैं। इसका यकृत, गुर्दा तथा पेट के अन्य अंगों पर स्थाई दुष्प्रभाव हो सकता है।

पिछले दिनों विदेश व्यापार महानिदेशालय ने एक अधिसूचना जारी कर कहा कि एक जून से कफ सिरप निर्यातकों को विदेश भेजने के पहले अपने उत्पादों का निर्धारित सरकारी प्रयोगशालाओं में परीक्षण कराना आवश्यक होगा। लेकिन यह दवाओं की मिलावट एवं नकली दवाओं के उत्पाद पर नियंत्रण के लिये पर्याप्त नहीं है। यह ठीक है कि विदेश व्यापार महानिदेशालय ने कफ सिरप के मामले में एक आवश्यक कदम उठाया, लेकिन ऐसा कदम तो निर्यात होने वाली सभी दवाओं के मामले में उठाया जाना चाहिए। बात केवल निर्यात होने वाली दवाओं का ही नहीं है, बल्कि देश में उपयोग में आने वाली नकली एवं मिलावटी दवाओं का भी है। इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि कुछ समय पहले एक भारतीय फार्मा कंपनी की ओर से अमेरिका भेजी गई आई ड्राप में खामी मिलने की बात सामने आई थी। प्रश्न यह है कि यह नया नियम केवल खांसी के सिरप पर ही क्यों लागू हो रहा है? क्या इसलिए कि पिछले वर्ष गांबिया और उज्बेकिस्तान में भारतीय दवा कंपनियों की ओर भेजे गए कफ सिरप में खामी पाई गई? विश्व स्वास्थ्य संगठन ने भारतीय कंपनियों की ओर से इन देशों में निर्यात किए गए कफ सिरप से कुछ बच्चों की मौत का भी दावा किया। यद्यपि इस दावे को भारत-सरकार ने चुनौती दी, लेकिन देश से निर्यात होने वाले कफ सिरप की गुणवत्ता को लेकर विश्व के कुछ देशों में संशय पैदा होना स्वाभाविक है और दुखद भी है। स्पष्ट है कि भारत को अपने दवा उद्योग की साख को बचाने के लिए हरसंभव जतन करने होंगे। जिस तरह विदेश व्यापार महानिदेशालय कफ सिरप के निर्यात के मामले में सक्रिय हुआ, उसी तरह औषधि महानियंत्रक को भी यह सुनिश्चित करना चाहिए कि देश में बनने वाली दवाओं की गुणवत्ता को लेकर कहीं कोई सवाल न उठने पाए। मिलावटी दवाओं के कारोबार पर नकेल कसने के लिए स्वास्थ्य मंत्रालय ने देश में पहली बार बड़े पैमाने पर एक अभियान शुरू किया है, जल्द ही इसके नतीजे सामने आने की संभावना है। दवाओं की क्वालिटी को बरकरार रखने के लिए हाल ही में यूके के साथ स्वास्थ्य मंत्रालय ने एक एमओयू भी साइन किया है।

पहल

डॉ. संतोष सारंग

मुजफ्फरपुर, बिहार

सेक्स वर्कर समाज से निकलती पत्रिका 'जुगनू'

'आओ कर लो नंबर याद, जब करे कोई महिलाओं पर अत्याचार, तब लगाओ 1090 मेरे यार.'' ये पंक्तियां किसी सरकारी या गैर सरकारी संगठनों के किसी अभियान के स्लोगन नहीं है बल्कि ये 'हिफाजत के नंबर' शीर्षक कविता की पंक्तियां हैं, जिसे हस्तलिखित पत्रिका 'जुगनू' के लिए लिखा है शाइस्ता परवीन ने. शाइस्ता बिहार के मुजफ्फरपुर शहर स्थित रेड लाइट एरिया चतुर्भुज स्थान में रहती है. इसे सेक्स वर्कर का इलाका कहा जाता है, जहां दशकों से ये जिल्लत भरी जिंदगी जीती रही हैं. लेकिन इसी काली अंधेरी गलियों से कुछ ऐसी लड़कियां भी निकलीं हैं, जिन्होंने बदलाव की बयार बहाने की जिद ठान रखी है. सबसे पहले नसीमा खातून निकलीं, जो बेझिझक अपनी पहचान एक 'सेक्स वर्कर की बेटी' के रूप में बताती हैं. संस्था 'परचम' के माध्यम से उन्होंने वैश्विक स्तर पर अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज करायी है. समय समय पर मज़बूती के साथ सेक्स वर्कर के हितों की आवाज़ उठाने वाली नसीमा को राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने अपनी एडवाइजरी बोर्ड का मेंबर बनाया है.

नसीमा की तरह शाहिस्ता जैसी दर्जनों लड़कियां आज इस इलाके में बदलाव की वाहक बन रही हैं. शाहिस्ता 'जुगनू' से 2008 में जुड़कर अपने समाज की दबी हुई आवाज को उजागर करना शुरू की. वह अभी स्नातक की पढ़ाई कर रही है और जुगनू की रिपोर्टर बनकर किस्त-दर-किस्त कविताएं और रिपोर्ट लिख रही है. दसवीं में पढ़ने वाली नंदिनी भी जुगनू की रिपोर्टर बनकर हाशिए के लोगों की जिंदगी की परतें खोल रही है. वहीं 17 वर्षीय आरिफ सामग्री जुटाने से लेकर पत्रिका के प्रकाशन तक के काम में लगा रहता है. इतना ही नहीं, इस वंचित समाज के करीब एक दर्जन लड़के-लड़कियों की टीम 'जुगनू' के माध्यम से खुद की और वंचित समाज की आवाज बुलंद कर रही है.

शाइस्ता बताती है कि 'इस हस्तलिखित पत्रिका की शुरूआत नसीमा के मार्गदर्शन में 2004 में चार-पांच लड़कियों के साथ की गयी थी. शुरू में इस पत्रिका को फोटोकॉपी करवाकर बांटा जाता था. तीन महीने के अंतराल पर निकलने वाली यह पत्रिका चार पेज से शुरू हुई थी. लेकिन जन सहयोग से आर्थिक फंड जुटा कर यह आज 36 पेज की हो गयी है, जो अब प्रेस से छप कर आती है. पहला अंक मुजफ्फरपुर की देह मंडी के एक छोटे से कमरे से निकला, जिसके इर्द-गिर्द हारमोनियम की धुन, तबले की थाप और घुंघरुओं की रुनझुन आवाज गूंजती थी. इन सबके बीच यहां की लड़कियां कलम को बदलाव का हथियार बनाकर लिखने लगीं.' शाइस्ता के अनुसार पत्रिका में लड़कियों की अपनी कहानियां और समाज की तल्ख़ हकीकत होती थी. जिसमें व्याकरण की काफी गलतियां होती थीं. लेकिन वर्तनी, लिंग व वचन के प्रयोग से बेखबर यह लड़कियां अपनी अभिव्यक्ति को टूटे-फूटे शब्दों में फटे-पुराने कागजों पर लिखना जारी रखा. इसी जिद व जुनून से यहां की लड़कियों की यह पत्रकारीय यात्रा जुगनू के रूप में 2012 तक चली.

शाइस्ता बताती हैं कि 'शुरू में, बिना किसी संगठित आर्थिक सहायता से निकल रही यह पत्रिका 2012 में आर्थिक संकट व अन्य कारणों से बंद हो गई थी. इस बीच नसीमा की शादी हो गई और वह राजस्थान अपने ससुराल चली गई, लेकिन मन से जुगनू नहीं गई थी. 8 साल के लंबे अंतराल के बाद जब वह अपनी बीमार दादी को देखने मुजफ्फरपुर लौटी, तो उसे पत्रिका को फिर से निकालने का ख्याल आया. नसीमा ने पुराने सदस्यों से बात की एवं कुछ नई लड़कियों को जोड़कर 2021 में फिर से पत्रिका शुरू कर दी. उसने अपने संपर्क का फायदा उठाते हुए उसने अन्य प्रदेशों में भी पत्रिका का विस्तार किया.

अब इसमें केवल बिहार के मुजफ्फरपुर ही नहीं बल्कि तीन अन्य राज्यों राजस्थान, मध्यप्रदेश व महाराष्ट्र के समाज की मुख्यधारा से पूरी तरह कटे वंचित समुदाय के लड़के लड़कियों की अभिव्यक्ति को उड़ान भरने का अवसर मिलने लगा है. आज इस हस्तलिखित पत्रिका से जुड़कर ये बच्चे अपने समाज की पीड़ा व समस्याओं को मुखर होकर आवाज दे रहे हैं. मानवाधिकार व कानून जैसे गूढ़ विषय पर भी ये बच्चे सामग्री जुटा कर अपनी समझ के साथ उसे प्रकाशित करते हैं. 'हमारी पहचान', 'बिटिया की चिट्ठियां', 'हमारी पहल', 'अनुभव', 'सपने' जैसे कॉलम 'जुगनू' में नियमित छपते हैं.

'जुगनू' शुरू करने के पीछे वंचित समाज की लड़कियों का वह टीस और दर्द था, जो उनकी समस्या को मुख्यधारा की मीडिया में आने से रोकती थी. पत्रिका की कल्पना को जमीन पर उतारने वाली नसीमा कहती हैं कि दर्द समाज के उन सभी लोगों से था, जिन्होंने इस इलाके की लड़कियों के हुनर व इल्म को हमेशा इग्नोर किया है. ये लड़कियां समाज में अपनी काबिलियत के बल पर खुद की पहचान बनाना चाहती थी. इसी जिद ने उन्हें हस्तलिखित पत्रिका का रिपोर्टर बनने के लिए प्रेरित किया और इस तरह जुगनू का जन्म हुआ. जुगून का टैगलाइन है- हाशिए के वंचितों की आवाज. इस हस्तलिखित पत्रिका से बिहार समेत राजस्थान, मध्यप्रदेश व महाराष्ट्र के वंचित समुदाय के बच्चे जुड़े हैं, जो अपने समाज की समस्याओं, देह-व्यापार से जुड़ी महिलाओं के बच्चों की पीड़ा को अपनी कलम के माध्यम से उठाते हैं.

राजस्थान के बाड़मेर जिले का रहनेवाला प्रेमनाथ कालबेलिया जुगनू का रिपोर्टर है. प्रेमनाथ ने बताया कि 'इस वंचित समुदाय के लोग किस स्थिति में अपना जीवनयापन कर रहे हैं? उनकी वास्तविक स्थिति क्या है? इसे भली-भांति वही जानता है, जो इनके बीच रहता है. मीडिया या प्रशासन के लोगों को भी इस समाज के बारे में जमीनी हकीकत नहीं पता होता है.' प्रेमनाथ बताते हैं कि 'मैं 'जुगनू' में बतौर रिपोर्टर जो कुछ लिखता हूं, वह इस समाज के लोगों द्वारा भोगा गया सच होता है.' महाराष्ट्र से स्नेहा ठाकुर, मध्यप्रदेश के मुरैना से मेघा छारी व नीमच से भूमिका ठाकुर समेत मुजफ्फरपुर से मो. आरिफ और अंबर नटराजन समेत अन्य रिपोर्टर आज जुगनू के माध्यम से अनोखी पत्रकारिता कर रहे हैं. यह सभी बच्चे विभिन्न प्रकार की आर्थिक समस्याओं से जूझते हुए भी जुगनू के लिए रिपोर्टिंग करते हैं.

मुजफ्फरपुर का आरिफ ग्रेजुएशन की पढाई कर रहा है. चतुर्भुज स्थान के पास ही उसके पिता की टेलरिंग की छोटी सी दुकान है. जिससे बहुत कम आमदनी होती है. घर की आर्थिक समस्याओं से जूझ रहे आरिफ का जुगनू के प्रति जुनून कम नहीं हुआ है. वह बताता है कि 'जब नसीमा जी के साथ हमलोगों ने मुजफ्फरपुर के तत्कालीन जिलाधिकारी प्रणव कुमार को जुगनू का अंक भेंट किया तो उन्होंने हमारे काम की काफी प्रशंसा की. उन्होंने हमलोगों का जुनून देखकर सहयोग का वादा भी किया था.' आरिफ के अनुसार 'जुगनू' के कारण ही हमलोग कुशल युवा कार्यक्रम एवं स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड आदि योजनाओं के बारे में जान पाए.

आज रेडलाइट एरिया के पांच लड़के-लड़कियों ने कंप्यूटर का कोर्स कंप्लीट किया है. आगे हमलोग अपने समुदाय के अन्य लड़के-लड़कियों को इस दिशा में प्रोत्साहित कर रहे हैं. उधर, प्रेमनाथ और सविता कालबेलिया ने जुगनू की स्थानीय टीम के साथ मिलकर बाड़मेर के जिला कलेक्टर और एसपी को जब जुगनू का अंक सौंपा, तो वे चकित रह गये कि कैसे इस वंचित समुदाय के बच्चे हस्तलिखित पत्रिका छापकर अपनी आवाज खुद बन रहे हैं? प्रेमनाथ ने कहा कि यही प्रशंसा हमें जुगनू का हर अंक निकालने की शक्ति देती है.

जुगनू से जुड़ी सबीना बताती है कि 'पत्रिका के माध्यम से सिर्फ हमारी जिंदगी में ही बदलाव नहीं आ रहे हैं, बल्कि इस इलाके की महिलाओं को भी इसका फायदा हो रहा है. जब हम पत्रिका लेकर मुजफ्फरपुर के तत्कालीन जिलाधिकारी से मिले, तो वे हमारे काम से काफी प्रभावित हुए. उन्होंने हमारी हौसलाअफ़ज़ाई करते हुए हमारे यहां संचालित 'जोहरा सिलाई सेंटर' एवं 'जीविका बचत समूह' को लघु उद्योग का दर्जा दिलाने में पहल की. साथ ही, जुगनू गारमेंट्स का लाइसेंस भी दिलवाया. जिसके कारण ही आज आज इस इलाके की कई महिलाएं अपनी आजीविका इस केंद्र से जुड़कर चला रही हैं. यह सब जुगनू के कारण ही संभव हो पाया है. अभी पिछले दिनों जुगनू की टीम ने पुलिस प्रशासन के साथ मिलकर 'पुलिस पाठशाला' की शुरुआत चतुर्भुज स्थान स्थित पुलिस नाका में किया है, जिसमें 50 से अधिक छोटे-छोटे बच्चे पढ़ रहे हैं. इन बच्चों को यहां के पुलिस अधिकारी से लेकर सिपाही तक पढ़ाने आते हैं. इन बच्चों की बनाई पेंटिंग आदि भी जुगनू में प्रकाशित किया जा रहा है.

अभी पत्रिका की 300 कॉपी छपती है, आगे इसकी संख्या बढ़ाने की योजना है. टीम के मेंबर अपने-अपने स्टेट से स्टोरी कवर करके मुजफ्फरपुर भेजते हैं, जिसे संग्रहित कर मुजफ्फरपुर की टीम इसे डिजाइन करके प्रिंटिंग प्रेस में भेजती है. पहले इसे फोटो स्टेट कराकर मैगजीन का रूप दिया जाता था. लेकिन अब पत्रिका का प्रकाशन सहयोग राशि से चलने के कारण इसे प्रिंट कराया जाता है. इसका पूरा डिज़ाइन लड़कियां ही तैयार करती हैं. अभी हाल ही में एमजे चैरिटेबल ट्रस्ट ने प्रिंटिंग के लिए आर्थिक सहयोग करना शुरू किया है. चार राज्यों के मेंबर को 20-20 कॉपी भेजी जाती है, जिसे वे खुद सर्कुलेट करते हैं.

इस पत्रिका को जन जन तक पहुंचाने के लिए इसमें अब कुछ कंटेंट बाहर के लोगों से भी मंगा कर भी छापा जाता है. कई बुद्धिजीवी, पत्रकार, लेखक और समाज कर्मी भी इस पत्रिका के लिए हाथ से लिखकर आर्टिकल उपलब्ध करा रहे हैं. जुगनू व नसीमा की टीम की कहानी को बीबीसी ने भी प्रकाशित किया था. साल 2004 में 'दूसरी दुनिया मुमकिन' के नारे के साथ मुंबई में आयोजित 'वर्ल्ड सोशल फोरम' में पहली दस्तक के साथ 'जुगनू' को सार्वजनिक पहचान मिली. बहरहाल, सेक्स वर्कर के बच्चों की यह अतुलनीय पहल इस वंचित समुदाय के लिए एक ऐतिहासिक दस्तावेज के रूप में संग्रहित होगी. (चरखा फीचर)

पीएम मोदी विश्व के सर्वमान्य नेता, उनके नेतृत्व में भारत बनेगा विश्व का नंबर एक देश : मोहन यादव

भाजपा प्रत्याशी दुर्गादास उइके के पक्ष में मुख्यमंत्री डॉ. यादव नामांकन में हुए शामिल

वर्तमान कांग्रेस जिलाध्यक्ष एवं पूर्व विधायक, मुख्यमंत्री के समक्ष भाजपा में शामिल

संजय द्विवेदी, बैतूल।
विश्व के सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश की सबसे बड़ी पार्टी के हम लोग सिपाही है और हमारे 56 इंच चौड़े सीने वाले हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी है, जो विश्व के सर्वमान्य नेता है, उनके नेतृत्व में भारत विश्व का नंबर एक देश बनेगा। उक्त उद् गार बैतूल संसदीय क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी दुर्गादास उइके के नामांकन एवं जनसभा हेतु बैतूल पधारे मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने गुरुवार को स्थानीय लालबहादूर शास्त्री स्टेडियम में जनसभा को संबोधित करते हुए कही। उन्होने कहा कि कांग्रेस के अध्यक्ष भी अबकी बार 400 पार के नारे लगाने लगे है। यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हर वर्ग का विकास हुआ है। अब जनता खुद 400 पार का नारा लगा रही है। यह भावनाएं बताती है कि तीसरी बार भी मोदी सरकार बन रही है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि ये लोग 70 सालो से राममंदिर के निर्माण में अडंगे लगाते रहे अब राम मंदिर का यश हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को मिला है। सब तरफ उत्साह का माहौल है हमारा देश सबसे बडे लोकतंत्र का प्रतिक है। भाजपा विश्व की सबसे बडी पार्टी है हम सब इसके सिपाही है। सबसे बडे लोकतंत्र का नेतृत्व का सबसे मजबूत व्यक्ति को करना चाहिए। विपक्षियो की हालत पर तंज कसते हुए कहा कि कोई बेल पर है तो कोई जेल मे है । उन्हे इस दुरावस्था में आत्म मुल्यांनकन की जरूरत है। मोदी जी ने कहा है जो भ्रष्टाचार करेगा वह नही बचेगा। अंत समय में कांग्रेस के लोग मरा मरा बोल रहे है उनके मुह से राम राम निकल रहा है।

ये रहे मंचासीन – केबीनेट मंत्री कुंवर विजय शाह, पूर्व कृषि मंत्री कमल पटेल, म.प्र.लोकसभा चुनाव प्रदेश संयोजक हेमंत खंडेलवाल, संभाग संगठन प्रभारी पंकज जोशी, भाजपा प्रत्याशी दुर्गादास उइके, जिला प्रभारी सुजीत जैन,, जिलाध्यक्ष बैतूल आदित्य बबला शुक्ला, जिलाध्यक्ष हरदा राजेश वर्मा, लोकसभा प्रभारी भरतसिंह राजपुत, लोकसभा संयोजक अलकेश आर्य, लोकसभा विस्तारक सोहन सिंह, पूर्व सांसद ज्योति धुर्वे, सुभाष आहूजा, विधायक डा.योगेश पंडाग्रे, चंद्रशेखर देशमुख, महेन्द्र सिंह चौहान, गंगा उइके, पूर्व विधायक संजय शाह, मनोहर लाल राठौर, रामजीलाल उइके, गीता उइके, मंगलसिंग धुर्वे, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य वसंत बाबा माकोडे, जिला पंचायत अध्यक्ष राजा पंवार, गजेन्द्र शाह, सुधीर लाड विशेष रूप से मौजूद रहे। कार्यक्रम का मंच संचालन जिला महामंत्री कमलेश सिंह एवं सुधाकर पंवार ने किया । मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव अपने निर्धारित कार्यक्रम से 2 घंटा विलंब से बैतूल पहुंचे।

कांग्रेस अध्यक्ष सुनील शर्मा और पूर्व विधायक ने भाजपा का दामन थामा

मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव की जनसभा में कांग्रेस के निवर्तमान शहर कांग्रेस अध्यक्ष सुनील गुडडू शर्मा एवं आमला से कांग्रेस की पूर्व विधायक व पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष सुनीता बेले भाजपा में शामिल हो गए। मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने इस मौके पर दोनों का पुष्पगुच्छ देकर भाजपा परिवार में स्वागत किया ।

भाजपा प्रत्याशी दुर्गादास उइके ने किया नामांकन दाखिल

मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ,कैबिनेट मंत्री विजय शाह, पूर्व कृषि मंत्री कमल पटेल, बैतूल विधायक हेमंत खंडेलवाल की मौजूदगी में भाजपा प्रत्याशी दुर्गादास उइके ने गुरुवार को अपना नामांकन रिटर्निंग ऑफिसर एवं जिला कलेक्टर एनके सूर्यवंशी के समक्ष प्रस्तुत किया।

बैतूल विधायक के निवास पर पहुंचे मुख्यमंत्री, जनप्रतिनिधियों–परिजनों ने किया आत्मीय स्वागत

बैतूल। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव गुरुवार को भोपाल से हेलीकॉप्टर से बैतूल विधायक हेमंत खंडेलवाल को साथ लाए और सीधे उनके निवास पहुचें। इस दौरान जनप्रतिनिधियों और परिजनों नें मुख्यमंत्री का आत्मीयता से स्वागत किया। क्षेत्रीय सांसद एवं भाजपा प्रत्याशी डीडी. उइके , विधायकों हेमंत खंडेलवाल, महेन्द्रसिंह चौहान, डॉ.योगेश पंडाग्रे, चंद्रशेखर देशमुख , श्रीमती गंगा सज्जन सिंह उइके और प्रदीप खंडेलवाल, मुकेश खंडेलवाल सहित परिजनों ने मुख्यमंत्री को पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया। बैतूल विधायक के निवास पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कैबिनेट मंत्री विजय शाह, पूर्व मंत्री कमल पटेल, सांसद उइके सहित जनप्रतिनिधियों और परिजनों के साथ स्वल्पाहार किया।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की उपस्थिति में श्री उइके ने भरा चौथा नामांकन

रामू टेकाम ने सपत्निक भरा तीसरा नामांकन

9 हजार 200 रूपए की चिल्लर के साथ नामांकन के लिए पहुंचे सुभाष बारस्कर

बैतूल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की उपस्थिति में भाजपा प्रत्याशी डीडी उईके ने अपना चौथा नामांकन जिला निर्वाचन अधिकारी एवं कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी के समक्ष दाखिल किया। मुख्यमंत्री डॉ.यादव के साथ मंत्री विजय शाह, पूर्व मंत्री कमल पटेल, विधायक हेमंत खंडेलवाल भी उपस्थित थे।

सपत्निक भरा नामांकन

कांग्रेस प्रत्याशी रामू टेकाम ने नाम निर्देशन के अंतिम दिन अपना दूसरा और तीसरा नामांकन दाखिल किया। दूसरे नामांकन के समय श्री टेकाम के साथ हेमंत वागद्रे, हेमंत पगारिया, नाथूराम पोटे, मूलचंद नागले उपस्थित थे।

9200 की चिल्लर के साथ पहुंचे बारस्कर– किसान स्वतंत्र पार्टी के प्रत्याशी सुभाष बारस्कर ने अपना नामांकन जमा कराया। श्री बारस्कर ने 12 हजार 500 रूपए की राशि में से 9200 की चिल्लर और शेष राशि नोट के रूप में जमा कराई। सहायक रिटर्निंग अधिकारी राजीव कहार के समक्ष प्रस्तुत आवेदन के पूर्व चिल्लर गिनने के लिए श्री कहार द्वारा अतिरिक्त कर्मचारी भी बुलवाए गए।

नाम निर्देशन तिथि 28 मार्च 2024 से 4 अप्रैल 2024 तक कुल 11 प्रत्याशियों ने नाम निर्वाचन प्राप्त किए। इनमें से 9 प्रत्याशियों ने अपना नामांकन दाखिल कराया। इनमें से दो शेष निर्दलीय प्रत्याशी बिसनलाल कावरे और जोहरीलाल इवनाती ने अपना नामांकन दाखिल नहीं किया।

आज जैन दादावाड़ी में आएंगे मोटिवेशनल गुरु एनवी सर

बैतूल। भारत के प्रमुख मोटिवेशनल स्पीकर एवं शिक्षा के विशेषज्ञ एनवी सर (नितिन विजय) आज 5 अप्रैल को 11 बजे बैतूल के जैन दादावाड़ी में छात्र-छात्राओं को उनके भविष्य के लिए मार्गदर्शन प्रदान करेंगे। सेमिनार में भाग लेने वाले छात्रों को उज्जवल भविष्य के लिए प्रेरित किया जाएगा। यह आयोजन डागा ग्रुप द्वारा संचालित हो रहा है और यह छात्रों के जीवन में एक नई ऊर्जा का स्रोत बनेगा। इस सेमिनार में कक्षा 6 से 12 के छात्र-छात्राओं को उनके उज्जवल भविष्य की दिशा में मदद मिलेगी। डागा ग्रुप ने छात्र-छात्राओं से आग्रह किया कि इस सेमिनार में पहुंच कर अपने उज्वल भविष्य को नई दिशा प्रदान करे।

मानसरोवर द स्कूल में हुआ समर कैंप का शुभारंभ

बच्चों के चहुंमुखी विकास में सार्थक होगा कैंप

बैतूल। वर्तमान समय में शिक्षा सत्र के बाद बच्चे मोबाइल से जुड़कर अपना समय और सेहत नष्ट कर देते हैं। ऐसे में उन्हें रचनात्मक गतिविधियों से जोड़ा जाए तो इसके सकारात्मक परिणाम मिलते हैं और बच्चों का चहुंमुखी विकास होता है। बच्चों के शारीरिक एवं मानसिक विकास को ध्यान में रखते हुए मानसरोवर द स्कूल में 15 दिवसीय समर कैंप का शुभारंभ किया गया। समर कैंप का उद्घाटन स्कूल की डायरेक्टर श्रीमती पुष्प लता साबले द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया। इस संबंध में स्कूल के चेयरमैन डॉ.विनय सिंह चौहान ने बताया कि समर कैंप में एडवेंचरस गतिविधियों के साथ-साथ संगीत, आर्ट एंड क्राफ्ट, नृत्य, इंग्लिश स्पीकिंग,अबेकस, हॉर्स राइडिंग जैसी कई गतिविधियां कराई जाएगी। स्कूल के प्रिंसिपल एसवी चंद्रशेखर ने बच्चों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि यदि शरीर स्वस्थ और मन प्रसन्न हो तो जीवन में हर तरह की सफलता प्राप्त की जा सकती है। समर कैंप के शुभारंभ कार्यक्रम में स्कूल के प्रिंसिपल एसवी चंद्रशेखर, स्कूल डायरेक्टर पंकज साबले, हेमराज जसूजा, लीलाराम सरले सहित प्रतिभागी बच्चे बड़ी संख्या में मौजूद थे। समर कैंप में शिक्षक अंकित भिकोंडे,अस्मिता कुंभारे,ओजस्वी सोनी, निर्मिती वर्मा, निधि गोस्वामी एवम सरिता शेषकर बच्चों को विभिन्न गतिविधियों में प्रशिक्षण देंगे।

श्री अनहद संगीत महोत्सव कल

देश के प्रख्यात संगीतज्ञ देंगे प्रस्तुति

बैतूल। अनहद संगीत महोत्सव कल शनिवार शाम 6 बजे कंतिशिवा मल्टीप्लेक्स गंज में आयोजित किया जाएगा। आयोजक दिलीप रावत ने बताया कि महोत्सव के साथ अनहद कला संगीत महाविद्यालय का भी भव्य शुभारंभ किया जाएगा। जिसमें देश के प्रख्यात संगीतज्ञ शिरकत करेंगे। शास्त्रीय गायक पूज्य संत मुरलीदास जी महाराज, समूह कत्थक नृत्य प्रस्तुति डॉ.उपासना उपाध्या रायगढ़ घराना, तबला सोला राजेश विश्वकर्मा सालीग्राम संगीत महाविद्यालय छिंदवाड़ा, सुफी एवं सुगम गायक देवानंद राव साजापुर अपनी प्रस्तुति देंगे। श्री रावत ने सभी से कार्यक्रम में उपस्थित होने का आग्रह किया है।

आधा दर्जन गांव में पागल कुत्तों का आतंक

कुत्ते के काटने से अनेक लोग घायल, दो गंभीर घायल बैतूल रेफर

बैतूल/मुलताई। मुलताई नगर सहित क्षेत्र के आधा दर्जन गांवो मे पागल कुत्ते के आतंक से ग्रामवासी दहशत में हैं। बताया जा रहा है कि खेड़ली बाजार और आसपास के क्षेत्र में अब तक एक दर्जन लोग पागल कुत्ते का शिकार हो चुके हैं। दो लोगों को गम्भीर हालत में जिला अस्पताल लाकर भर्ती किया गया है। वहीं कुछ लोगो को मुलताई के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बताया जा रहा ही कि ग्राम खेड़ली बाजार, बांगा, कुजबा और शंकर नगर के आस पास पागल कुत्ते के घूमने से ग्राम वासियों का बाहर निकलना तक मुश्किल हो रहा है। खास तौर पर महिलाओं और बच्चों में ज्यादा दहशत देखी जा रही है। लेकिन ग्राम पंचायत अभी तक पागल कुत्ते को पकड़ने और काबू में करने में नाकाम साबित

हुई है। दूसरी तरफ मुलताई नगर में भी पागल कुत्तों का आतंक निरंतर बढ़ता जा रहा है पिछले दिनों हुई शांति समिति की बैठक मे भी इन आवारा कुत्तों की रोकथाम का मामला उठा था किंतु अब तक कोई कार्रवाई नहीं हो सकी है इधर नगर में पागल कुत्तों का आतंक बढ़ता जा रहा है आवारा कुत्ते इंसान सहित पशुओं को भी निशाना बनाने लगे है।

जिला जेल में दंत चिकित्सा शिविर का आयोजन

बैतूल। विश्व ओरल हेल्थ दिवस के अवसर पर गुरुवार को जिला जेल बैतूल में दंत चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। जेल अधीक्षक योगेन्द्र तिवारी ने बताया कि शिविर में जिला चिकित्सालय के दंत रोग विशेषज्ञ डॉ.सायमा रिजवी, डॉ.निधि जैन, डॉ.ज्योति सूर्यवंशी द्वारा जेल में न्यायिक अभिरक्षा में निरुद्ध बंदियों का परीक्षण कर उपचार एवं परामर्श दिया गया। शिविर में 74 पुरुष एवं 3 महिला बंदियों का उपचार कर आवश्यक सलाह दी गई। इस अवसर पर जेल अधीक्षक योगेन्द्र तिवारी, डॉ.राज पाण्डेय, संविदा जेल चिकित्सा अधिकारी विशाल जेम्स मेल नर्स एवं सनद कुमार पंडाग्रे, फार्मासिस्ट, जेल स्टाफ उपस्थित रहा।

स्वयंसेवकों ने पक्षियों के लिए दाना पानी अभियान चलाया

भीषण गर्मी में पक्षियों की भूख–प्यास मिटाने की अभिनव पहल

बैतूल। जेएच कॉलेज बैतूल के राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों ने 4 अप्रैल को प्राचार्य डॉ.विजेता चौबे के सरंक्षण में एवं जिला संगठक डॉ. सुखदेव डोंगरे की उपस्थिति में राष्ट्रीय सेवा योजना के 50 स्वयंसेवकों ने पक्षियों के लिए दाना-पानी की व्यवस्था की। डॉ. सुखदेव डोंगरे ने बताया कि इस अभियान में सभी स्वयंसेवकों ने अपने निज निवास के आस-पास और महाविद्यालय परिसर में जगह-जगह पेड़ों पर पानी की व्यवस्था की जिससे इस भीषण गर्मी में इन बेजुबान पक्षियों को दाना-पानी के लिए इधर उधर ना भटकना पड़े। प्राचार्य ने कहा जहां पक्षियों के निवास हैं उनके आसपास ही पानी मिल जाए और इन पक्षियों की कम होती प्रजाति को कुछ सहारा मिल सके इसलिए इनके लिए दाना-पानी की व्यवस्था आवश्यक है। इश्तियाक अली एवं सभी राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों ने यह सुनिश्चित किया कि जब भी वे महाविद्यालय में आएंगे तो सकोरों में पानी एवं पक्षियों के लिए दाना लेकर आएंगे। इन प्यारी प्यारी चिडियाओं के लिए दाना-पानी की व्यवस्था में विशेष सहयोग रहा स्वयंसेवक नवीन नागले, कोमल देशमुख, आयुष घिंडोडे, अंजली नागोरे, सुरभि जैन, कन्हैया अमरूते, त्र्यंबक पारिसे, दुर्गाप्रसाद मोरले, निशु, विशाल, गंगा, सोनम, छत्रप्रभा, अंजली, निशा, नेहा, पायल, निहारिका, किरण, अजय, आयुष, माधुरी, सलोनी, अर्पण, देवेश, अजय आदि का सक्रिय योगदान रहा।

सत्र का शुभारंभ म्यूजिकल थीम पेंटिंग से

संगीत देता है दिमाग को राहत, बच्चों ने पेंटिंग से समझाया

बैतूल। यह विज्ञान द्वारा भी प्रमाणित है कि संगीत से तनाव कम होता है और सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। आरडी पब्लिक स्कूल में युवा चित्रकार व कला गुरु श्रेणिक जैन के मार्गदर्शन में शिक्षिका उमा सोनी के साथ मिलकर दृष्टि निर्मले, आस्था कापसे, आशना कपूर, भूमि साहू, अन्या राय, परी उबनारे, आरनव धाकड़,साधना पवार ने मिलकर जीवन में म्यूजिक के महत्व को लेकर शानदार पेंटिंग बनाई। पेंटिंग का उद्देश्य बताते हुए बच्चों ने बताया कि आजकल जीवन में छोटी-छोटी बात पर तनाव बढ़ गया है। कई तरह की बातें दिमाग में आ जाती है जो टेंशन का कारण बनती है। इसके निवारण के लिए म्यूजिक एक अच्छा साधन है। म्यूजिक से जुडकर हम तनाव को काफी हद तक काम कर सकते हैं। इसलिए हमें किसी न किसी रूप से संगीत से जुड़े रहना चाहिए। चित्रकार श्रेणिक जैन ने बताया कि शांत मन से कोई भी कार्य सरलता से व समझदारी से किया जा सकता है म्यूजिक इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। बच्चों के इस प्रयास की सभी ने सराहना की है।

शख्सियत

डॉ. सुधीर सक्सेना

लेखिका साहित्यकार हैं।

डॉ. जितेन्द्र शर्मा- द मेड-टेक मैन ऑफ इंडिया

अक्टूबर के प्रथम सप्ताहारंभ में मुझे एक संदेश मिला। संदेश उस एक शख्स के बारे में था, जिसके बारे में मैंने जानना चाहा था कि प्रथम सप्ताहांत में वह कहाँ होंगे, ताकि मैं उससे मिलने का कार्यक्रम तय कर सकूं। संदेश यूं था : Meeting at WHO, geneva (wnd October) agreement for dialyser line signing at Prague (xrd october) in presence of Hon'ble Union minister Gadkari ji. MR Acess confirmation for factory for MRIs alongside there ongoing research project with us at Newyork (yth October) and final meeting to have World Trade Centre at AMTZ. इसे आप क्या कहेंगे Hectic trip या कुछ और? किसी भी मान से यह साधारण दौरा नहीं है। फक्त 97 घंटे। 8 शहर, क्रॉसिंग फाइव कंट्रीज, किसी चमत्कार से कम नहीं है यह। मगर यह शख्स है कि ऐसे चमत्कार करता रहता है। अक्टूबर के पहले हफ्ते में उसने ये तकाजे सफलतापूर्वक पूरे किये। छह अक्टूबर को वह वापस दिल्ली में था। वहां से वह वापस अपने मुख्यालय विशाखापटनम के लिए उड़ा। उसके सहयोगियों ने पाया कि वह प्रसन्नवदन है। अम्लान। अक्लांत, अगले सप्ताह के पहले दिन वह दफ्तर में था; परामर्श, दिशा-निर्देश, और योजनाओं का खाका बनाने में मशगुल.....।

कौन है यह शख्स? यह शख्स कोई अजूबा या एलियन नहीं है, बल्कि हमारे-आप जैसा साधारण नाक-नक्श का व्यक्ति है। ऊंचे पूरे कद के आजानु बाहु प्रतीत होते इस श्यामल-बरन स्फूर्त व्यक्ति का नाम है डॉ. जितेंद्र शर्मा। बिना किसी शोरशराबे या प्रचार-प्रसार के उसने दक्षिण भारत के तटीय नगर विशाखापटनम में बंजर में अनूठा फूल खिला दिया है, जिसे दुनिया एएमटीजेड के नाम से जानती है। हेल्थ केयर का यह अनूठा फूल विश्व का विशालतम मेड-टेक पार्क है। कोविड के विषम काल में इस उपक्रम के साकार होने से भारत हेल्थ-केयर में सुनहरी ऊँची पायदान पर खड़ा हो गया है। इस परिसर में दुनिया की चुनिंदा और अव्वल करीब सवा सौ कंपनियाँ कार्यरत हैं। एएमटीजेड बहुत कम समय में शोध, अनुसंधान, उत्पादन, घरेलू आपूर्ति और निर्यात का ठीहा बनकर उभरा है। एएमटीजेड कीर्तिमान समय में कीर्तिमान उपलब्धियों का पर्याय है। निरंतर स्पंदित और निरंतर गतिशील। मेधावी शोधार्थी, वैज्ञानिक और चिकित्सक उससे जुड़ रहे हैं। नये-नये एमओयू यानि अनुबंध-पत्रों का सिलसिला जारी है। डॉ. शर्मा का एक पाँव देश में रहता है और दूसरा विदेश में। कुछ ही साल बीते हैं कि एनआरआई, सीटी स्कैनर्स, ऑक्सीजन कंसेंट्रेटर में हम परावलंबी थे। मेड-टेक हमारी कमजोर कड़ी था। आयात पर निर्भरता और हजारों करोड़ रुपयों का आयात-बिल। डॉ. शर्मा ने अपने अदम्य संकल्प, अवधारणा, सामूहिक श्रम और मेधा से अनहोनी को होनी में बदल दिया। आयात के भीतर खुलते कपाट निर्यात के बाहर खुलते कपाटों में परिवर्तित हो गये। हेल्थ- केयर से जुड़ी यह गाथा डॉ. स्वामीनाथन की हरित क्रांति अथवा डॉ. कुरियन की श्वेत-क्रांति के समकक्ष है। डॉ. शर्मा की कृति 'मेड इन लॉकडाउन' को पढ़ें, तभी आप भारत में मेड-टेक क्रांति की उस गौरव-गाथा को बूझ सकेंगे, जिसमें विचार- कण और स्वेद परस्पर गुंथे हुए हैं।

यह गाथा अभी अधूरी है, क्योंकि वहां आकल्पन, द्रुत गति से विस्तार और स्वप्नों की तामीर थमी नहीं है। मेडिकल तकनालाजी में जो कुछ अद्यतन है, वह यहां विद्यमान है। यही नहीं, जो कुछ अद्यतन है, उसमें नये योग का समवेत यत्न जारी है।

डॉ. जितेन्द्र शर्मा भारत में मेड-टेक क्रांति के पुरोधा हैं। वह अत्यंत विनम्र हैं। उनकी यह विनम्रता सहज है। कृत्रिम नहीं, वरन स्वाभाविक। वह संस्थान के बारे में बोलते हैं। अपने साथियों के बारे में बोलते

हैं। अपने स्वप्नों के बारे में बोलते हैं, लेकिन अपने बारे में नहीं बोलते। दुनिया के आला मेड-टेक पार्क के बारे में वह घंटों बोल सकते हैं, लेकिन अपने बारे में बोलने में संकोच उन्हें घेर लेता है। डॉ. शर्मा सही अर्थों में वैश्विक सोच की पैन-इंडियन शख्सियत हैं। राजस्थान में कोटा में जनमे। पश्चिम बंगाल में पले-बढ़े और पढ़े।

उच्चतर अध्ययन पुट्टपर्थी में हुआ। वह दिल्ली में भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग में कार्यरत रहे। उनका जीवन उन्हीं के शब्दों में सुनिये। वह बताते हैं -'मेरा आरंभिक जीवन बड़ा सरल रहा है। मैं रेलवे स्कूल का पढ़ा हुआ हूँ। मैं अपने घर में रेलवे स्टेशन से, जो कोई डेढ़ या दो किमी था, पानी लाता था। हमारे घर में पीने का पानी नहीं था। बहुत छोटा घर था और बहुत सारे सदस्य। मुझे छात्रवृत्ति मिली थी। मैं श्री सत्यसाईं इंस्टीट्यूट ऑफ़ हायर लर्निंग का छात्र रहा हूँ। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान में मुझे प्रशिक्षण मिला है और हार्वर्ड स्कूल ऑफ पब्लिक हेल्थ से यूनिवर्सिटी ऑफ अडेलिड तक, उप्पसला मोइटोरिंग सेंटर, स्वीडन से विरहे यूनीवर्सिटी, एम्स्टर्डम तक, पीएमडीए जापान से लेकर जॉन हॉप्किंस सेंटर, यूएसए तक मेरी सारी ट्रेनिंग छात्रवृत्ति पर हुई है। बचपन में मैं साइकल पर साबुन, च्यवनप्राश, बिस्कुट आदि बेचा करता था और अब चिकित्सा उपकरणों और अस्पताल प्रबंधन के क्षेत्र में कार्य करता हूँ। यह मेरा सौभाग्य है।'

डॉ. शर्मा में अधीरता नहीं है, किंतु उनमें गज़ब की तत्परता है। यह तत्परता उन्हें 'देहरी- आवृत्ति' से संपृक्त करती है। फकत 342 दिनों के रिकार्ड समय में उन्होंने अपरिचित क्षेत्र में इतना बड़ा वैज्ञानिक ढांचा खड़ा कर दिया है कि कोई भी दांतो तले अंगुली दबा ले। भारत में अस्पताल-प्रशासन के पितामह डॉ. एएन सफाया उनके शिक्षक व गुरु थे। उनके मंत्र डॉ. जितेन्द्र के बड़े काम आये। डॉ. शक्ति गुप्ता और डॉ. सचिन मंडल की चिकित्सा उपकरणों और सामाजिक स्वास्थ्य की दीक्षा उनके बड़ा काम आई। आज सिटी ऑफ डेस्टिनी (विशाखापटनम) में लगभग 1.2 मिलियन वर्गफुट भूखंड में, जहां न पहुँच मार्ग था, न पाइपलाइन या रेडियो सिग्नल, न ही बिजली के खंभे और तार, न कोई झोपड़े-टपरे, और तो और जिसका कोई पिनकोड भी नहीं था, नयनाभिराम, आधुनिक, सर्वसुविधायुक्त आकर्षक परिसर उभर आया है। विश्व की नामचीन फार्मास्यूटिकल कंपनियों का वह प्रिय गंतव्य है। एएमटीजेड के चार हरूफ ने मेडिकल टेक्नालॉजी की सारी वर्णमाला अपने आगोश में समेट ली है। इसकी अधोसंरचना और निर्मिति में दो बेमेल प्रतिदर्शों- होमी जे. भाभा के टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ फंडामेंटल रिसर्च और डॉ. वर्गीज कुरियन के अमूल का मणिकांचन योग है। संकुल का शिलान्यास 19 अगस्त, 2016 को हुआ। सन 2017 में योजना बनी। सन 2018 में इसने मूर्तरूप लिया और सन् 2019 में यह विश्व-सेवा के लिए उद्घाटित हुआ। यह अविश्वसनीय प्रतीत होता सच है कि डॉ. कलाम कन्वेंशन सेंटर ने मात्र 78 दिनों की छोटी-सी अवधि में आकार ग्रहण किया और वहां वर्ल्ड हेल्थ फोरम का अंतरराष्ट्रीय सम्मलेन सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। डॉ. शर्मा के गतिशील और प्रेरक नेतृत्व ने सहयोगियों में गजब की गतिज ऊर्जा का संचार किया है। आज एएमटीजेड विश्व में एकमात्र ऐसा क्लस्टर है, जहां मास्क से लेकर एमआरआई मशीन तक, आरटीपीसीआर किट से लेकर एलिसा किट तक, थर्मामीटर से लेकर वेंटिलेटर तक और मरीजों के बिस्तर से लेकर सीटी स्कैन मशीन तक बनती है। भारत कोविड की महामारी से बखूबी जूझ सका तो उसका श्रेय बड़ी हद तक एएमटीजेड को जाता है।

विशाखापटनम का मेड-टेक सिटी, जिसे 342 दिनों में गढ़ा गया, आज भारत के गौरव का प्रतीक है। एएमटीजेड चिकित्सा सुविधाओं में स्वावलंबन के अभीष्ट की ओर उठा सार्थक कदम है; आत्मविश्वास से भरपूर डग। वहाँ नीले आसमान के वितान तले भारत के गौरव का निशान 10×8 मीटर का राष्ट्रध्वज जिस ध्वजदण्ड पर लहराता है, उसकी ऊंचाई है 108 फुट और वजन है 17 टन 7 विश्व में क्लीनिक- इंजीनियरिंग के पुरोधा टॉम मूड यूँ ही इस मेड टेक मैन पर निसार नहीं हैं।

..... और मेड टेक मैन डॉ. जितेंद्र शर्मा उनके जीवन का मंत्र है चरैवेति, चरैवेति। श्रम में ही उनका अवकाश निहित है। क्या आप यकीन करेंगे कि इस 43 वर्षीय ऊर्जावान शख्सियत के ऑफिस में कोई घड़ी नहीं है। यदि होती भी तो यकीन मानिये कि यह शख्स घड़ी की सुइयों को भी मोड़ने की ताब रखता है।

रणदीप सुरजेवाला का महिला विरोधी निदंनीय : चिटनीस

भोपाल। कांग्रेस की मानसिकता हमेशा से महिलाओं की विरोधी रही है। कांग्रेस के शासनकाल में महिला अपराध चरम पर रहता है। आज भी देश के जिन राज्यों में कांग्रेस की कांग्रेस की सरकारें हैं, वहां महिलाओं का उत्पीड़न अन्य राज्यों की अपेक्षा कई गुना अधिक है। कांग्रेस नेताओं द्वारा जब भी महिलाओं से अभद्रता या उत्पीड़न किया जाता है, पार्टी नेतृत्व अपनी पार्टी में महिलाओं को सम्मान नहीं दिला पाता है। यह बात भारतीय जनता पार्टी की महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष व सांसद माया नारोलिया एवं पूर्व मंत्री व प्रदेश प्रवक्ता अर्चना चिटनीस ने कांग्रेस नेता रणदीप सुरजेवाला द्वारा दिए गए महिला विरोधी बयान को लेकर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कही।

महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष व सांसद माया नारोलिया ने कहा कि रणदीप सुरजेवाला क्या यही चाटने वाली शब्दावली अपने परिवार की महिलाओं के लिए स्वीकारोगे। प्रदेश प्रवक्ता अर्चना चिटनीस ने कहा कि कांग्रेस नेता रणदीप सुरजेवाला ने मंच से महिला के लिए खुलेआम निदंनीय शब्दों का प्रयोग किया है। ऐसे व्यक्ति को राजनैतिक क्षेत्र में रहने का कोई हक नहीं है। कांग्रेस को इस बयान के लिए तत्काल माफी मांगना चाहिए। हेमा मालिनी भारतीय संस्कृति की वाहक है जिन्हें पूरा देश सम्मान करता है, वहीं रणदीप सुरजेवाला का बयान कांग्रेस की बीमार मानसिकता उजागर करती है।

उच्च न्यायालय ने दिनदहाड़े गोली चलाने वाले काजी की जमानत खारिज की

शहर काजी है या नहीं, इस पर भी प्रश्नचिन्ह

देवास। दलित युवक की हत्या का प्रयास करने वाले आदतन अपराधी अबूल कलाम काजी की उच्च न्यायालय खंडपीठ इंदौर ने जमनत अर्जी खारिज कर दी हैं। काजी अबुल कलाम द्वारा दिन दहाड़े गोली चलाकर दो फायर कर डर का माहौल पैदा किया गया था तथा दलित युवक पर गोली चलाकर उसे जान से मारने की कोशिश की गई थी।

यह था मामला- 31.08.2023 को दोपहर करीब 1 बजे फरियादी अमन अपने घर सिल्वर पार्क जा रहा था। जब वह भोलेनाथ मंदिर के पास पहुंच तो आरोपी अबुल कलाम हाथ में पिस्तौल लेकर उसके पीछे भागा और उसे जान से मारने की नीयत से उस पर दो फायर किये । फरियादी ने औद्योगिक थाना क्षेत्र में इस संबंध में एफआयआर दर्ज करवाई। जिसमें पुलिस द्वारा आयपीसी की धारा 294,326,307 शस्त्र अधिनियम की धारा 25 (4एबी) (ए) और धारा 3 ए (1) आर 3 (1) के तहत दंडनीय अपराध के लिए एस.टी.एस.एक्ट की धारा 3 (2) के तहत प्रकरण पंजीबद्ध किया था। माननीय उच्च न्यायालय ने जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए अपने आदेश में लिखा था कि अबुल कलाम के खिलाफ समान प्रकृति के 2 और अपराधिक इतिहास पाये गये हैं। उसने हथियार लायसेंसी नियमों की शर्तों का उल्लंघन किया है। इसलिए जमानत पर रिहा होने का हकदार नहीं हैं फरियादी के वकील ने मा.उच्च न्यायालय के समक्ष आपत्ति लेते हुए कहा कि आरोपी के परिवार के सदस्य अभी भी उसे धमकी दे रहे है और समझौते के लिए दबाव डाल रहे है। फरियादी के घर अनेक बार अज्ञात लोगों द्वारा पथराव किया जा चुका है। इस पर उच्च न्यायालय ने अपने आदेश में लिखा कि आरोपी आदतन अपराधी है। अतः वह जमानत का पात्र नहीं है। माननीय उच्च न्यायालय के समक्ष गोली चलाते हुए आरोपी के वीडियो का अवलोकन किया गया। उच्च

न्यायालय ने अपने आदेश में लिखा कि मामले के सभी तथ्यों और परिस्थितियों, वकीलों द्वारा दी गई दलीलों, आरोपो की प्रकृति और गंभीरता पर विचार करने के साथ साथ इस तथ्य पर भी ध्यान देने पर कि प्रतिवादी राज्य द्वारा प्रस्तुत पेनड्राइव के अवलोकन से यह पता चलता है कि यद्यपि अपीलकर्ता ने खुद को शहरकाजी के रूप में प्रस्तुत किया लेकिन उन्होंने शहर काजी के रूप में अपनी नियुक्ति का कोई प्रासंगिक दस्तावेज दाखिल नहीं किया। शिकायतकर्ता अमन ने सीआरपी की धारा 164 के तहत दर्ज अपने बयान में कहा कि अपीलकर्ता ने जाति सूचक शब्दों का प्रयोग किया तथा उस पर गोली चलाई । उनके बयान की पुष्टि अन्य गवाह से भी होती हैं वर्तमान में अबुल कलाम काजी के खिलाफ कई अपराधिक इतिहास पाये गये। इस लिए इस स्तर पर यह नहीं कहा जा सकता कि आयपीसी की धारा 307 और एससी/एसटी एक्ट अत्याार निवारण अधिनियम के तहत कोई अपराध नहीं बनता ये भी उल्लेखनीय है कि अपीलार्थी की अग्रिम जमानत अर्जी सी.आर.पी. की धारा 438 के तहत इस न्यायालय द्वारा आदेश 10/10/2023 के तहत खारिज कर दिया गया हैं यदि अपीलकर्ता को गिरफ्तार किया जाता है ता साम्प्रदायिक दंगे होने की संभावना हो सकती हैं ये शब्द साम्प्रदायिक दंगे भड़काने की धमकी के भी सूचक हैं अपीलार्थी आदतन अपराधी हैं हालांकि उन्हे एक अपराधिक मामले में बरी कर दिया गया है लेकिन वर्तमान अपीलकर्ता के कब्जे से एक पिस्तौल, 6 कारतूस और हथियार लायसेंस बरामद किया गया है। उपरोक्त मुद्दे के मद्देनजर यह न्यायालय वर्तमान अपीलकर्ता को नियमित जमानत देने के इच्छुक नहीं हैं तदनुसार सी.आर.पी.सी. की धारा 439 के साथ पठित एससी/एसटी अत्याचार निवारण अधिनियम की धारा 14-ई के तहत वर्तमान अपील आपराधिक अपील बर्खास्त कर दी हैं।

काजी की ईद जेल में- शहर काजी अबुल कलाम 4.1.2024 से जेल की सलाखों में करीब तीन माह से बंद हैं इस बार अपनी ईद जेल में ही मनायेगा। याद रहे कि काजी अबुल कलाम ने दिन दहाड़े गोली चलाकर क्षेत्र में भय का माहौल बनाया था उसने 31.8.2023 को दोपहर 1 बजे सिल्वर पार्क में अमन नामक युवक पर प्राणघातक हमला किया था।

शहर काजी है या नहीं, इस पर भी प्रश्नाचिन्ह- अनुसूचित जाति के युवक पर पिस्तोल लहराते, फायरकरते हुए जानलेवा हमले के आरोपी अबुल कलाम शहर काजी है या नहीं, इस पर भी प्रश्नचिन्ह है। क्योंकि आरोपी काजी उच्च न्यायालय के समक्ष शहर काजी होने की नियुक्ति संबंधी कोई प्रासंगिक दस्तावेज दाखिल नहीं कर पाया। ट्रायल कोर्ट के आक्षेपित आदेश और केस डायरी के साथ-साथ दोनों पक्षों द्वारा दायर दस्तावेजों और प्रतिवादी/राज्य द्वारा प्रस्तुत पेन ड्राइव का अवलोकन किया।

भाई साहब ध्यान दीजिएगा

वर्तमान और पूर्व मुख्यमंत्री के शामिल होने के बाद भी चुनाव को लेकर कार्यकर्ताओं में जोश नहीं..?

नर्मदापुरम- संजीव डे राय

होशंगाबाद नरसिंहपुर संसदीय क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी की घोषणा के साथ शुरू हुआ बधाईयों का दौर का आज समाप्त हो गया और विजयोत्सव की तैयारी में दोनों प्रमुख राजनीतिक प्रमुख दल दलबल के साथ जुट गए, दोनों राष्ट्रीय पार्टी के उम्मीदवारों ने बजरिया स्कूल के सामने नामांकन पत्र दाखिल करने हेतु (शक्ति प्रदर्शन के लिए) सभास्थल बनाएं जो इस बात का गवाह बनेगा.. भाजपा कांग्रेस मय होती है या कांग्रेस भाजपा मय.. क्योंकि दोनों ही दलों के लिए उम्मीदवार के पक्ष में लगभग लगभग भीड़भाड़ का जमावड़ा बराबरी का दिखाई दिया। लेकिन खास बात भाजपा के पक्ष में जो देखी गई उसमें बड़े नेताओं में उम्मीदवार को लेकर फील गुड दिखाई नहीं दिया, महसूस हुआ राजनैतिक नई दुकान के लिए तैयार नहीं

देश के विकास में योगदान देने वाले व्यक्तित्व को राज्य सभा के लिए मौका नहीं देकर संसदीय क्षेत्र में दूसरी बार उम्मीदवार थोप देना सभी मन-मस्तिष्क को झकझोर रहा। नामांकन दाखिला रैली में भीड़ जरुर जुड़ी लेकिन पहले सा वह जोश नहीं, दूसरी ओर एक दिन पहले कांग्रेसी उम्मीदवार को लेकर जोश जरुर दिखा लेकिन उसके पास कार्यकर्ता नहीं..? इसके साथ ही लोकोत्सव महोत्सव मना रहे लोग भाजपा से सवाल से सवाल करना भूल जाते वर्ष 2019 में जिन महोदय को होशंगाबाद नरसिंहपुर लोकसभा की जनता ने एतिहासिक विजय दिलाई उन्होंने इस लोकसभा क्षेत्र के लिए क्या किया..? फिर सवाल यह भी उठता है कि मोदी जी के नाम पर थोक बंद भाजपा को वोट देती जनता के लिए क्या शीर्ष नेतृत्व की कोई जिम्मेदारी नहीं..? हरि विष्णु कामथ के बाद आज तक ऐसा प्रतिनिधित्व संसदीय क्षेत्र को

नहीं मिला जो क्षेत्र के विकास की चिंता करें। कृषि प्रधान होने के बावजूद क्षेत्र में मूलभूत सुविधा के लिए शून्यता है। जबकि प्रदेश में सर्वाधिक रेवन्यू देने वाली लोकसभाओं में से होशंगाबाद लोकसभा की जनता के लिए अपनी सांसद निधि से कितने विकास कार्य किए..? संसदीय क्षेत्र में कितनी हॉस्पिटल बनाई, कितने स्कूल कॉलेज खोले, आपके क्षेत्र के लिए कितनी ट्रेनें शुरू की कितनी ट्रेनों के स्टॉपेज हुए, सड़क, बिजली, पानी, शिक्षा पर जनता को क्या हासिल हुआ उससे भी बड़ा सवाल आपके सांसद ने क्षेत्र में कितने सक्रिय रहकर कार्य किया.. किसानों की फसल का मुआवजा वा फसलों के उचित दाम न मिलना, मंहगा डीजल पेट्रोल रसोई गैस के बाद युवाओं को रोजगार के अवसर ना मिलना, कोरोना काल के समय क्षेत्र की जनता ने किन किन परिस्थितियों का सामना किया सभी को ज्ञात है। यह सवाल आज कोई नही पूछ रहा ना पूछने वालो में टीवी और अखबारों के संपादकों पत्रकारों से लेकर जनता और जागरूक नागरिक दिखाई देते है, लोकतंत्र ने दिए सवाल पूछने के अधिकार का हम क्या उपयोग कर रहे है..? कांग्रेस मे इस बार उम्मीदवार बेहतर है, ब्राह्मण होने भाजपाई नेताओं की खुन्नस के शिकार सामाजिक लोगों की एकजुटता का झुकाव उसकी ओर भाजपा उम्मीदवार को पिछली बार की तरह इतने अधिक वोटों से जीत दर्ज करा पाये संदेह पैदा करता है। वैसे भी आज नामांकन रैली में पूर्व और वर्तमान मुख्यमंत्री का शामिल होने के बाद भीड़भाड़ इक्कीसी बीसी होना सवालों को जन्म देती है। फिर बड़े नेताओं के इशारे पर भाजपा में उन चेहरों को शामिल करना जो विधानसभा चुनाव के दौरान पाला बदल कांग्रेस में शामिल हुए थे। पार्टी जिलाध्यक्ष की जिम्मेदारी भी जिसमें निर्णय कर्ता की भूमिका में ठीक नहीं..

राष्ट्रीय किसान मजदूर महासंघ ने राष्ट्रपति एवं मुख्यमंत्री के नाम दिया ज्ञापन

देवास। राष्ट्रीय किसान मजदूर महासंघ ने किसानों की ज्वलंत समस्याओं को लेकर जिलाध्यक्ष गगनसिंह पटेल के नेतृत्व में सिटी मजिस्ट्रेट अभिषेक शर्मा को राष्ट्रपति एवं मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन दिया। ज्ञापन में बताया गया कि देश के किसानो को कृषि उत्पाद सी2 .50 के आधार पर लाभकारी मूल्य दिए जावे इसमें फसलों को क्रय करने की ग्यारंटी प्रदान की जावे क्योंकि देश की

सरकारों ने कई बार वादे किये थे। देश के सभी किसानों को ऋण मुक्त किया जावे क्योंकि स्वामीनाथन रिपोर्ट आने के बाद से प्रति वर्ष किसानों को 2.5 - 3 लाख करोड़ प्रतिवर्ष का नुकसान हो रहा है। किसान अपना हक मांग रहा है भीख नहीं। 378 दिन चले आंदोलन को समाप्त कराने के लिए जो वायदे भारत सरकार द्वारा किये गये थे उन्हें सअक्षर पूरा किया जावे। विगत 13 फरवरी 24 से देश का किसान दिल्ली की सीमाओं पर अपना घर परिवार छोड़कर विपरित प्राकृतिक परिस्थिति जिसके रास्ते में सरकार द्वारा कील, कांटे, कंटीले तार सीमेंट बेरिकेट्स लगाये गये है जो मानवता के विरूद्ध है तत्काल संज्ञान लेते हुए किसानों की मांगे पूरी की जाए। देसी गो संवर्धन संरक्षण हेतु गाय का दूध 200 रू लीटर तथा गोमूत्र और गोबर को क्रय किया जावे। किसानों के कृषि उत्पाद समर्थन मूल्य से कम पर क्रय न किये जावे कृषि उपज मंडियों को इस हेतु सख्त निर्देश दिए जाए। आपके घोषणा पत्र के अनुसार गेंहू 2700 रू तथा धान 3100 रू क्रय किया जावे परंतु आप ही ने समर्थन मूल्य 2275 रू किया है क्या यह किसानों के साथ धोखा नहीं है। प्रदेश की सभी सब्जी मंडियों में लहसुन, आलू, प्याज आदि की एक्षिक व्यवस्था लागू की जाए क्योंकि सरकारी या प्रायवेट नीलामी से किसानों को नुकसान होता हे एकाधिकारी व्यवस्था खत्म की जाए। भूमि अधिग्रहण बिल किसानों के हित में हो वर्तमान में किसानों को उपजाउ भूमि प्रायवेट कंपनियों द्वारा प्रशासन की मिली भगत से ओने पौने दामों पर ली जा रही है इस लूट को तत्काल बंद किया जावे तथा सरकार द्वारा निर्धारित बजट तैयार किया जावे मुआवजा राशि बाजार कीमत से दस गुना दी जावे। वर्तमान में गेंहू उपार्जन केन्द्रों पर भारी लूट मची हुई है ग्रेअडिंग हम्माली तुलाई में किसानों से अवैध वसूली की जाती है। अच्छे गेंहू को भी पेसे के लालच में फैल कर दिया जाता है एक भी उपार्जन केन्द्र पर एफएक्यू सूचि नहीं है ना ही शासन का ऐसा स्पष्ट निर्देश है। ज्ञात रहे कि प्राकृतिक आपदा से गेंहू की क्वालिटी में कुछ कमी आई हैं। इस अवसर पर सोनकच्छ तहसील अध्यक्ष भगवानसिंह गुर्जर, हाटपीपल्या तहसील अध्यक्ष बलराम गोठी, इकबाल भाई, हरिसिंह सालमखेड़ी, मूलचंद जाट, राजेश पाटीदार, तेजराम जाट, राजेन्द्र सोनी, फूलसिंह सेंधव सहित बड़ी संख्या में किसान उपस्थित थे।

नगर के दो बड़े नर्सिंग होम के पंजीयन अवधि समाप्त

नर्मदापुरम। नगर के अमृत हार्ट केयर सेंटर और सौरभ नर्सिंग होम का पंजीयन 31.3.24 समाप्त होने व नवीनीकरण न कराने को लेकर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने तत्काल प्रभाव से बंद करने के आदेश जारी करने से खलबली मच गई.. प्राप्त जानकारी अनुसार पंजीयन समाप्त तिथि से एक माह पूर्व नवीनीकरण के लिए मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को आवेदन देना होता है जो संबंधित नर्सिंग होम संचालकों द्वारा नहीं दिया गया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के आदेशानुसार पंजीयन का नवीनीकरण होने तक दोनों नर्सिंग होम में मरीजों को इलाज नहीं दिया जा सकेंगा।

अखिल भारतीय ब्राह्मण महासंघ की बैठक संपन्न

19 मई को धूमधाम से निकलेगी राज राजेश्वर भगवान परशुराम जी की शौर्य यात्रा

देवास। अखिल भारतीय ब्राह्मण महासंघ की बैठक गुजराती गार्डन में संपन्न हुई। अखिल भारतीय ब्राह्मण महासंघ के पं. कपिल व्यास ने बताया कि बैठक में राज राजेश्वर भगवान परशुराम जी के जन्मोत्सव एवं निकलने वाली शौर्य यात्रा को लेकर विचार विमर्श किया गया। महासंघ अध्यक्ष पं. दिनेश मिश्रा की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में ब्राह्मण महासंघ कोषाध्यक्ष पं. सतीष दुबे ने वर्षभर का आय व्यय का ब्यौरा प्रस्तुत किया। बैठक में पं. प्रयास गौतम, पं. संस्थापक सदस्य पं. देवकृष्ण व्यास ने शौर्य यात्रा पर विस्तार से प्रकाश डाला। पं. आशुतोष जोशी, पं. दिलीप शर्मा, युवा संघ जिलाध्यक्ष पं. आदित्य दुबे, युवा संघ नगर अध्यक्ष पं. विमल शर्मा, सुदर्शन दुबे, देवेन्द्र व्यास, महिला संघ अध्यक्ष यशोदा शर्मा, आशा शर्मा, विनिता व्यास, श्रेया चौबे, पूजा दुबे, आदि ने भी आदि ने जन्मोत्सव एवं शोर्य यात्रा को लेकर अपने सुझाव दिये। महासंघ अध्यक्ष पं. मिश्रा ने सर्वसम्मति से निर्णय लिया कि आगामी 10 मई को राज राजेश्वर भगवान परशुराम जी का

जन्मोत्सव, हवन पूजन अर्चन कर धूमधाम से मनाया जाएगा एवं प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी भगवान परशुराम जी की शौर्य यात्रा 19 मई रविवार को शाम 5 बजे मल्हार स्मृति मंदिर सयाजी गेट से धूमधाम से निकाली जाएगी। संचालन सतीष दुबे ने किया तथा आभार महासंघ के महासचिव डॉ. रितेश शर्मा ने माना। बैठक में घनश्याम पंडित, श्याम पेशकार, प्रमोद व्यास, राधेश्याम शर्मा, जगदीश कानूनगो, ओमप्रकाश चौधरी, राधेश्याम जोशी, समीर शर्मा, आकाश अवस्थी, महेन्द्र व्यास, अमिताभ शुक्ला, मयंक उपाध्याय, सुदर्शन दुबे, रोहित उपाध्याय, प्रणय व्यास, राजेन्द्र कुमार मिश्रा, जितेन्द्र पंड्या, अमितेश पांडे, अजय व्यास, वासुदेव शर्मा, राजेन्द्र कुमार पंड्या, राकेश ठक्कर, सूरजमल दुबे, राहुल शर्मा, दीपक जोशी, नवनीत त्रिवेदी, किशोर दुबे, योगेश शर्मा, आनंद दुबे, विकास शर्मा, अभिक तिवारी, देवेन्द्र व्यास, अशोक चौबे, ओमप्रकाश शर्मा, सुरेश शर्मा, पपलेश जोशी, मुकेश शर्मा, प्रवीण शर्मा, हरीश, रानू शर्मा, हंसा जोशी, पूजा जोशी, मंगला पांडे, पुष्पा पेशकार, कुसुम शर्मा, मंगला दुबे, पिंकी व्यास, रोशनी उपाध्याय, भारती पाठक, विभा दुबे, भावना तिवारी, संध्या आचार्य, मानसी शास्त्री, श्रेया चौबे, मनीष जोशी, नवदीप त्रिवेदी आदि उपस्थित रहे।

सत्ता का सर्कस

दिनेश गुप्ता

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं

जय श्रीराम के जवाब में सीताराम कितना असर दिखाएगा?

अयोध्या में रामलला की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा हो जाने के बाद हो रहे लोकसभा चुनाव में भगवान श्री राम भी चुनावी मुद्दा हैं। भारतीय जनता पार्टी राम मंदिर के नेरेटिव के जरिए लगातार अपनी स्थिति मजबूत करने में लगी हुई है। प्रधानमंत्री से लेकर भारतीय जनता पार्टी का छोटे से छोटा कार्यकर्ता जय श्रीराम का जिक्र चुनाव प्रचार के दौरान जरूर कर रहा है। प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के आमंत्रण के बाद भी कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी अयोध्या नहीं गए। कांग्रेस ने राम जन्मभूमि न्यास का आमंत्रण स्वीकार नहीं किया था। न्यास का अप्रत्यक्ष तौर पर संचालन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा किया जाता है। कांग्रेस की राजनीति संघ के खिलाफ रही है। कांग्रेसी नेताओं के प्राण प्रतिष्ठा के कार्यक्रम में न जाने को लेकर भी भाजपा चुनावी मुद्दा बना रही है। कांग्रेस को राम विरोधी के तौर पर प्रचारित किया जा रहा है। कांग्रेस छोड़कर जो भी नेता भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो रहे हैं वे भी प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में नेताओं के ना जाने को मुद्दा बना रहे हैं। इसमें कई बड़े नेता शामिल हैं। आश्चर्यजनक यह है कि जिन नेताओं ने कांग्रेस की संघ विरोधी नीति पर चलते हुए दशकों तक पद हासिल किए वे भी भी उसकी नीति पर सवाल उठा रहे हैं। कांग्रेस इस पूरे मामले में वोटर के सामने अपना पक्ष ठीक तरीके से नहीं रख पाई। इसका नुकसान उसे चुनाव में होता दिख रहा है। हिंदी पट्टी के राज्य जहां गाय और राम के मुद्दे पर भाजपा दशकों से राजनीति कर रही हैं,वहां अधिकतम सीटें पिछले चुनाव में ही भाजपा हासिल कर चुकी है। मध्यप्रदेश में अकेली छिंदवाड़ा की सीट वह हासिल नहीं कर पाई थी। इस बार मिशन 29 में भाजपा ने छिंदवाड़ा का नाम सबसे ऊपर रखा है। लेकिन, दिग्विजय सिंह के राजगढ़ से उम्मीदवार हो जाने से दूसरे नंबर पर उसे रखने की मजबूरी हो गई है। दिग्विजय सिंह जयश्री राम का मुकाबला जय सियाराम से करने की कोशिश में लगे हुए हैं।

जय सियाराम का नरेंद्र मोदी कनेक्ट

पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह राजनीति को अपने हिसाब से करते हैं। पार्टी को उनकी राजनीति से कितना नफा-नुकसान हो रहा है, इस पर वे कभी ध्यान नहीं देते। वे देश भर में अपने बयानों के कारण ही चर्चा में रहते हैं। दिग्विजय सिंह 77 साल की उम्र में राजगढ़ से लोकसभा का चुनाव लड़ रहे हैं। चुनाव लड़ने की उनकी कोई इच्छा नहीं थी। कई बार सार्वजनिक तौर पर भी कहा कि वे चुनाव नहीं लड़ना चाहते। पिछली बार उन्होंने लोकसभा का चुनाव भोपाल से लड़ा था। साध्वी प्रज्ञा से मुकाबले में वे पराजित हो गए थे। राजगढ़ लोकसभा क्षेत्र उनका गृह क्षेत्र है। इस बार कांग्रेस दिग्विजय सिंह के जरिए अपनी खोई हुई जमीन पाना चाहती है। दिग्विजय सिंह की प्रचार शैली अन्य उम्मीदवारों से हटकर है। वे पद यात्रा के जरिए अपने प्रचार अभियान को आगे बढ़ा रहे हैं। वे हर दिन पच्चीस किलोमीटर की पदयात्रा कर रहे हैं। पद यात्रा उन इलाकों में कर रहे हैं,जहां कांग्रेस को वोट नहीं मिलता। जहां भाजपा का परंपरागत वोट बैंक है। राजगढ़ जिले में अनुसूचित जाति और जनजाति वर्ग की है। एक छोटी सी गलती भी आसपास के क्षेत्र में कांग्रेस को नुकसान कर सकती है। यहीं कारण है कि हर सिद्ध स्थल पर अपना माथा टेक रहे हैं। नलखेड़ा से उनकी यात्रा की शुरुआत हुई थी। यहीं से वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ हमलावर हैं। खासतौर पर उनकी पत्नी यशोदा बेन को लेकर। वे अपनी नुक्कड़ की सभाओं में यशोदा बेन का जिक्र सीता जी से जोड़कर कर रहे हैं। दिग्विजय सिंह का कहना है बीजेपी वाले जय श्रीराम बोलते हैं और मैं जय सियाराम। वे भाजपा से सवाल कर रहे हैं कि सीता जी को राम से अलग क्यों कर दिया? यहीं वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के यशोदा बेन से अलग होने है। रीवा और सतना दोनों ही स्थानों पर मुकाबला त्रिकोणीय बन रहा है। तीसरा कोण बहुजन समाज पार्टी का है। बहुजन समाज पार्टी रीवा और सतना दोनों ही सीटों पर अपनी जीत का परचम लहरा चुकी है। रीवा से कांग्रेस ने नीलम अभय मिश्रा को उम्मीदवार बनाया है। उनके पति अभय मिश्रा सिमरिया से विधायक हैं। भाजपा का पूरा फोकस सिमरिया और सिरमौर विधानसभा सीट पर कांग्रेस को कमजोर करने पर है। कांग्रेस के पूर्व जिला अध्यक्ष त्रियुगी नारायण शुक्ला ने पार्टी छोड़ दी है। उनका आरोप है कि कांग्रेस ने रीवा जिले में भाजपा कार्यकर्ताओं को पदाधिकारी बना दिया। टिकट बेचने का आरोप भी रह चुके हैं। मीरा दीप नारायण सिंह यादव का प्रभाव न सिर्फ उत्तर प्रदेश, बल्कि मध्यप्रदेश के बुंदेलखंड सहित कई इलाकों में बना हुआ है। शायद यही कारण है कि सपा ने अपना प्रत्याशी बदलकर उन पर अपना भरोसा जताया है। यादव समाज के बड़े चेहरे होने के साथ ही मीरा दीप नारायण यादव सपा प्रमुख अखिलेश यादव के काफी करीबी माने जाते हैं। दिलचस्प यह है कि मीरा यादव जिस निवाड़ी सीट से विधायक रहीं वह खजुराहो लोकसभा सीट का हिस्सा नहीं है। निवाड़ी विधानसभा क्षेत्र, लोकसभा सीट का हिस्सा है।

के लगभग तीन लाख वोटर हैं। इसे कांग्रेस का परंपरागत वोटर माना जाता है। लेकिन, पिछले कुछ सालों में कांग्रेस का यह मजबूत वोट बैंक भी कमजोर पड़ा है। जिसके चलते ही विधानसभा चुनाव में भाजपा ने बढ़त बनाई है। इस लोकसभा क्षेत्र में सोंधिया वोट लगभग सवा लाख हैं। यह भाजपा का वोटर माना जाता है। दांगी वोटर लगभग एक लाख हैं। इतनी ही संख्या अल्पसंख्यक वोटरों की है। ब्राह्मण भी लगभग एक लाख हैं। लगभग साढ़े तीन लाख वोटरों में मीना,राजपूत,गुर्जर तंवर,धाकड़ और लौधा हैं। क्षेत्र के मौजूदा जातिगत समीकरण दिग्विजय सिंह के खिलाफ दिख रहे हैं। भाजपा के उम्मीदवार मौजूदा सांसद रोडमल नागर हैं। यह उनका तीसरा चुनाव है। 2014 में वे पहली बार चुनाव लड़े थे। एक मिथक है कि इस क्षेत्र से कोई तीसरी बार चुनाव नहीं जीतता। इस मिथक का कोई ठोस आधार नहीं है। दिग्विजय सिंह राजगढ़ में इस बात का खास ध्यान रख रहे हैं कि चुनाव में धार्मिक आधार पर ध्रुवीकरण न हो पाए। उनकी छवि वैसे ही अल्पसंख्यक के हित चिंतक का जिक्र करते हैं। दिग्विजय सिंह कह रहे हैं कि हम राम जी को सीता जी के साथ रखते हैं। वे जहां भी जा रहे हैं जय सियाराम से अपनी बात शुरू और खत्म करते हैं।

रीवा में होगा दूसरे चरण में घमासान

दूसरे चरण में मध्यप्रदेश की सात लोकसभा सीटों पर मतदान होगा। इन सीटों के लिए नामांकन पत्र दाखिल करने का काम चल रहा है। गुरुवार को नामांकन पत्र दाखिल करने का अंतिम दिन है। बुधवार को प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीडी शर्मा ने खजुराहो सीट से पर्चा दाखिल किया। केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने इस मौके पर एक रैली को भी संबोधित किया। कांग्रेस से भाजपा में शामिल हुए सुरेश पचौरी भी कार्यक्रम थे। पचौरी समर्थक संजय पाठक का विधानसभा क्षेत्र विजयराघवगढ़ खजुराहो लोकसभा सीट का ही हिस्सा है। दूसरे चरण में टीकमगढ़, दमोह, खजुराहो, सतना, रीवा, होशंगाबाद तथा बैतूल में वोट डाले जाना है। दूसरे चरण में भाजपा के लिए सबसे बड़ी चुनौती विंध्य क्षेत्र में सामने आ सकती

मीरा यादव, वीडी शर्मा के लिए बड़ी चुनौती?

मध्यप्रदेश में पहली बार कांग्रेस गठबंधन की राजनीति में फंसी हुई दिखाई दे रही है। इंडिया गठबंधन के सदस्य समाजवादी पार्टी को कांग्रेस ने अपने हिस्से की एक सीट दी है। समाजवादी पार्टी का इस सीट पर कोई खास असर नहीं है। खजुराहो लोकसभा सीट के अंतर्गत आने वालीं विधानसभा की आधी सीटें उत्तर प्रदेश राज्य की सीमा से लगी हुई हैं। समाजवादी पार्टी के लिए अपना उम्मीदवार उतारने के लिए यही काफी है। पार्टी ने पहले इस सीट से मनोज यादव को उम्मीदवार बनाया फिर कुछ घंटे बाद पूर्व विधायक मीरा यादव को मैदान में उतारा है। मीरा यादव निमाड़ी विधायक रह चुकी हैं। वहीं, उनके पति दीप नारायण सिंह यादव भी यूपी के झांसी के गरौठा विधानसभा सीट से दो बार के विधायक शुक्ला ने लगाया है। अल्पसंख्यकों की उपेक्षा की बात भी वे कह रहे हैं। लेकिन,यह नहीं कह रहे कि वे भाजपा में जाने वाले हैं।

छह अप्रैल को छिंदवाड़ा में नड्डा का मेगा शो

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय नेताओं का प्रचार अभियान शुरू हो गया है। कांग्रेस अब तक अपनी बची हुई तीन सीटों के उम्मीदवार घोषित नहीं कर पाई है। रोज आजकल-आजकल में दिन निकल रहे हैं। ये सीटें मुरैना, ग्वालियर और खंडवा की हैं। भाजपा इसका लाभ उठा रही है। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जबलपुर,मंडला के बाद इंदौर-उज्जैन में भी चुनावी बैठक और सभा ले चुके हैं। 6 अप्रैल को उनका कार्यक्रम छिंदवाड़ा जाने का है। कहा जा रहा है कि इस दिन कांग्रेस के दो और विधायक भारतीय जनता पार्टी में शामिल होने वाले हैं। दीपक सक्सेना भी भाजपा में शामिल हो सकते हैं। 6 अप्रैल को भाजपा का स्थापना दिवस है। इस दिन भाजपा बूथ स्तर पर कांग्रेस के कार्यकर्ताओं को शामिल कराने की रणनीति पर काम कर रही है। दावा किया जा रहा है कि एक लाख से अधिक कांग्रेसी इस दिन भाजपा में शामिल होंगे। कांग्रेस के इतने प्रतिबद्ध कार्यकर्ता होते तो फिर उसे पराजय का मुंह क्यों देखना पड़ता?

डैमेज कंट्रोल में जुटे कमलनाथ

जेपी नड्डा के छिंदवाड़ा आने की खबर के बाद पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ डैमेज कंट्रोल के लिए सक्रिय हो गए हैं। छिंदवाड़ा में 19 अप्रैल को वोट डाले जाएंगे। भाजपा यहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सभा कराने की तैयारी भी कर रही है। इससे पहले जेपी नड्डा पहुंच रहे हैं। कमलनाथ मंगलवार को अचानक दीपक सक्सेना के घर पहुंच गए। इसकी कोई सूचना उन्होंने किसी को भी नहीं दी थी। कमलनाथ के एक विधायक पहले से ही सक्सेना के पास पहुंच गए थे। सोहन बाल्मिक उनका नाम है। कहा जा रहा है कि उन्हें भी यह नहीं पता था कि कमलनाथ आ रहे हैं। कमलनाथ ने दीपक सक्सेना से बंद कमरे में कुछ देर बात की। उनकी पत्नी का हालचाल पूछा और फिर निकलकर आ गए। इसके बाद से यह कहा जा रहा है कि कमलनाथ ने दीपक सक्सेना को भाजपा में जाने से रोक लिया है।

मनुष्यता का विकास ही मनुष्य का विकास है : डॉ. मोहन भागवत

बनखेड़ी में संपन्न हुआ 'नर्मदांचल सुमंगल संवाद'

भोपाल (नप्र)। मध्य भारत प्रांत के बनखेड़ी में आयोजित 'नर्मदांचल सुमंगल संवाद' में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने विकास की भारतीय अवधारणा को समझाते हुए कहा कि मनुष्यता का विकास ही मनुष्य का विकास है। केवल आर्थिक साधन और अधिकार प्राप्त कर लेना विकास नहीं कहलाता। भाऊसाहब भुस्कुटे न्यास के तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में ग्राम विकास तथा पर्यावरण गतिविधि के चयनित 100 सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम में सरसंघचालक डॉ. भागवत एवं निवर्तमान सरकार्यवाह भैयाजी जोशी ने समग्र ग्राम विकास, गौ संवर्धन, जल तथा पर्यावरण के लिए प्रयासरत संस्थाओं के द्वारा किये जा रहे कार्यों के वृत्तांत को सुना। ग्राम विकास तथा पर्यावरण गतिविधि के कार्यकर्ताओं के साथ संवाद में सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने कहा कि हमारे देश में हजारों वर्षों से खेती की जा रही है लेकिन भूमि बंजर नहीं हुई। परंतु आज की पद्धति ने अनेक देशों की खेती उजाड़ दी है।

संस्थाओं ने दी सामाजिक कार्यों की जानकारी

'नर्मदांचल सुमंगल संवाद' में विभिन्न सामाजिक संस्थाओं ने सामाजिक कार्यों की जानकारी प्रस्तुत की।
भाऊ साहब भुस्कुटे न्यास ने संस्कार, शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वरोजगार, जैविक कृषि, पर्यावरण, गौ सेवा व संवर्धन आदि क्षेत्रों में किये जा रहे कार्यों तथा 'मेरा गांव मेरा तीर्थ' योजना की विस्तृत जानकारी दी। प्रांत के आदर्श प्रभात ग्राम, जैसे- राजगढ़ जिले के ग्राम झिरी, बासौदा जिले के ग्राम झूकरजोगी तथा दतिया जिले के भरसूला गांव के कार्यों की जानकारी भी सरसंघचालक के सामने प्रस्तुत की गई। इसके साथ की सामाजिक समिति हरदा एवं सिवनी मालवा की पर्यावरण जैविक कृषि समिति ने अपने स्तर पर किये जा रहे प्रभावी गौ संवर्धन, वृक्षारोपण, स्वरोजगार, जैविक कृषि तथा संस्कार पक्ष पर किये जा रहे कार्यों के बारे में बताया।

चुनाव में पर्सनल अटैक पर चुनाव आयोग सख्त

तेज हुई व्यक्तिगत आरोप और टिप्पणी करने वाले नेताओं की तलाश, हिदायत भी दे रहे

भोपाल (नप्र)। प्रदेश में नामांकन की प्रक्रिया तेज होने के साथ राजनेताओं पर व्यक्तिगत हमले और आरोप लगाने का सिलसिला भी तेज हो गया है। इसे देखते हुए मुख्य चुनाव आयुक्त ने मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी से कहा है कि ऐसे मामलों में सख्ती बरतना है। जहां भी इस तरह के मामले सामने आएं वहां तुरंत जांच के बाद कार्यवाही करें।

माडल कोड आफ कंडक्ट का उल्लंघन करने वालों पर कार्रवाई हर हाल में करना है। इसके बाद व्यक्तिगत आरोप और व्यक्तिगत बयानबाजी पर निगरानी तेज हो गई है। साथ ही सोशल मीडिया पर की जाने वाली पोस्ट की मानिटरिंग भी की जा रही है। चुनाव आयोग ने राजनैतिक दलों से अपेक्षा की है कि सभाओं, रैलियों, जुलूस के रूप में चुनाव प्रचार एवं जनसंपर्क के दौरान किसी भी प्रकार की विवादित टिप्पणियों अथवा व्यक्तिगत आरोपों से बचें। बिना अनुमति के रैली, जुलूस, सभा, प्रदर्शन अथवा वाहनों के माध्यम से प्रचार न करें। इसकी निगरानी किये जाने एवं अवांछनीय गतिविधियों पर पैनी नजर रखने निगरानी दलों का गठन किया गया है। इधर इसी बीच कांग्रेस और भाजपा दोनों ही दलों ने व्यक्तिगत आरोपों को लेकर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय में एक दूसरे के विरुद्ध शिकायत भी की है। कांग्रेस ने मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव पर छिंदवाड़ा की सभा में कांग्रेस प्रत्याशी नकुलनाथ को नालायक और अन्य अभद्र शब्द कहने का आरोप लगाया है तो बीजेपी ने पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह के विरुद्ध राजगढ़ में चुनाव प्रचार के दौरान गलत शब्दावली करने का आरोप लगाया है।

सोशल मीडिया पर अफवाह फैलाने पर होगी कार्रवाई- व्यक्तिगत हमले और आरोप पर एक्शन के संकेत देने के साथ चुनाव आयोग ने सोशल मीडिया की मानिटरिंग भी तेज करने के लिए कहा है। इसी परिप्रेक्ष्य में राजनैतिक दलों, चुनाव लड़ रहे उम्मीदवारों एवं आम नागरिकों से कहा गया है कि वे सोशल मीडिया प्लेटफार्म जैसे व्हाट्सएप, ट्विटर, फेसबुक, इंस्टाग्राम पर किसी भी प्रकार से आपत्तिजनक पोस्ट न करें, तथ्यों, चित्रों, आडियो, वीडियो को तोड़-मरोड़कर पोस्ट न करें जिससे सामाजिक, धार्मिक या व्यक्तिगत विद्वेष उत्पन्न होने की स्थिति बने। ऐसा किए जाने पर आईटी एक्ट एवं अन्य प्रावधानों के अंतर्गत कार्रवाई की जाएगी।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष

जेपी नड्डा बोले- 'फील-गुड में न रहें'

इंदौर की क्लस्टर बैठक में 370 नए वोटर जोड़ने का दे गए मंत्र

इंदौर (नप्र)। बीजेपी राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा वुधवार को इंदौर पहुंचे। यहां मालवा-निमाड़ की 5 लोकसभा सीटों पर विजय के लिए मंथन किया। ब्रिलियंट कनवैंशन सेंटर में बुधवार शाम को नड्डा ने लोकसभा क्षेत्रों के क्लस्टर की बैठक ली। बीजेपी सूत्रों ने बताया कि बैठक में जेपी नड्डा ने जीत के चार अहम मंत्र दिए

बुधवार को आयोजित हुई इंदौर क्लस्टर की इस बैठक में करीब 150 पदाधिकारी और कार्यकर्ता शामिल हुए। कार्यक्रम में अपनी बात कहने के बाद नड्डा ने कार्यकर्ताओं से वन टू वन चर्चा की और उनके सवालों के जवाब भी दिए। नड्डा ने कोर कमेटी की भी बैठक ली, इसमें मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव भी शामिल हुए थे। बैठक में इंदौर, धार, रतलाम, खंडवा और खरगोन सीटों के प्रभारियों और अन्य नेताओं से फीडबैक लेने के साथ ही कैसे चुनाव में ज्यादा मार्जिन से जीता जाए व चुनाव लड़ने के तरीके भी बताए। उन्होंने पिछले चुनाव में हारे हुए बूथों को जीतने का मंत्र भी बताया दिया। बैठक में चुनिंदा बूथ स्तर के आंकड़ों को देखकर कार्य की समीक्षा भी की गई। विस्तारकों का कार्य देखा गया।

बूथ पर 15-16 घंटे समय दें- नड्डा ने कहा कि विधानसभा चुनाव में जिन बूथों पर हम कमजोर रहे हैं। उसका चिंतन होना चाहिए और कमियों को दूर करें। इसलिए बूथ को मजबूत करने पर फोकस रखें। हमारा बूथ मजबूत होगा तभी 400 सीटों का लक्ष्य हासिल कर सकेंगे। प्रदेश में एक भी सीट नहीं गंवाना है। पूरी 29 सीटों पर इस बार जीत हासिल होना चाहिए। इस बार के चुनाव में प्रतिद्वंद्वी दल नजर नहीं आ रहा है। जनता भी कर रही है कि मोदी लहर है, लेकिन कार्यकर्ता अति आत्मविश्वास में न रहें। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 18 घंटे काम करते हैं। सवा माह तक हम अपने बूथों पर 15-16 घंटे काम कर लेंगे तो वोट बढ़ाने के लिए तय लक्ष्य को हम पा लेंगे।

मुरैना के पदाधिकारियों को भी बुलाया- क्लस्टर बैठक के बाद नड्डा ने बंद कमरे में बैठक की। इसमे मुख्यमंत्री मोहन यादव, संगठन मंत्री हितानंद, डिप्टी सीएम जगदीश देवड़ा, सहित अन्य पदाधिकारी शामिल हुए। मुरैना के पदाधिकारियों को भी बैठक में बुलाया गया और उनसे अलग से चर्चा की। बैठक के बाद नड्डा मुख्यमंत्री मोहन यादव के साथ एयरपोर्ट के लिए रवाना हुए। वहां से वे फिर दिल्ली गए।

नड्डा की बैठक में यह नेता हुए थे शामिल- बैठक में उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा, कैबिनेट मंत्री विजय शाह, चैतन्य कश्यप, कैलाश विजयवर्गीय, तुलसी सिलावट, नागर सिंह चौहान, निर्मला भूरिया के अलावा राज्यसभा सांसद व इंदौर लोकसभा प्रभारी डॉ. सुमेर सिंह सोलंकी, प्रदेश संगठन मंत्री हितानंद शर्मा, प्रदेश लोकसभा प्रभारी डॉ. महेंद्र सिंह सहित सभी कलस्टर प्रभारी मौजूद रहे।